प्रिलिम्स रिफ्रेशर प्रोग्राम 2020 : टेस्ट 16

1. स्वदेशी आंदोलन के संदर्भ में निम्नलिखित युग्मों पर विचार कीजिये:

	नेतृत्वकर्त्ता	स्थान
1.	बाल गंगाधर तिलक	बंबई
2.	अजीत सिंह	पंजाब
3.	सैयद हैदर रज़ा	जम्मू
4.	चिदंबरम पिल्लई	मद्रास प्रेसिडेंसी

उपर्युक्त युग्मों में से कौन-से सही सुमेलित हैं?

a. केवल 1 और 2
b. केवल 1, 2 और 3
c. केवल 1, 2 और 4
d. 1, 2, 3 और 4

उत्तर: (c)

- **व्याख्या:** 7 अगस्त, 1905 को कलकत्ता के टाउन हॉल में हुई एक बैठक में स्वदेशी आंदोलन की औपचारिक घोषणा की गई। साथ ही इस बैठक में ऐतिहासिक 'बहिष्कार प्रस्ताव' पारित हुआ।
- जिस दिन से विभाजन प्रभावी हुआ (अर्थात् 16 अक्तूबर, 1905 को) उस दिन को पूरे बंगाल में शोक दिवस के रूप में मनाया गया। उस दिन घरों में चूल्हा नहीं जला और लोगों ने उपवास रखा।
- स्वदेशी आंदोलन तथा बहिष्कार आंदोलन का संदेश पूरे देश में फैल गया। लोकमान्य तिलक ने पूरे देश, विशेषकर पुणे और बंबई में इस आंदोलन का प्रचार किया।
- अजीत सिंह और लाला लाजपत राय ने इस आंदोलन पंजाब एवं उत्तर भारत के अन्य हिस्सों में को पहुँचाया।
- दिल्ली में इस आंदोलन का नेतृत्व सैयद हैदर रजा ने किया।
- रावलपिंडी, काँगड़ा, जम्मू, मुल्तान और हरिद्वार में स्वदेशी आंदोलन में सक्रिय भागीदारी देखी गई।
- मद्रास प्रेसीडेंसी में चिदंबरम पिल्लै ने इस आंदोलन का नेतृत्त्व किया जहाँ बिपिन चंद्र पाल ने अपने भाषणों से इस आंदोलन को और अधिक मज़बूती प्रदान की। **अत: विकल्प (c) सही है।**

2. निम्नलिखित घटनाओं पर विचार कीजिये:

1. मुस्लिम लीग के लाहौर अधिवेशन में पाकिस्तान का प्रस्ताव।
2. कॉन्ग्रेस द्वारा व्यक्तिगत सत्याग्रह का आरंभ।
3. स्टेफोर्ड क्रिप्स के नेतृत्व में क्रिप्स मिशन का भारत आगमन।
4. कॉन्ग्रेस द्वारा अनुसमर्थित भारत छोड़ो प्रस्ताव।

निम्नलिखित में से कौन-सा उपर्युक्त घटनाओं का सही कालानुक्रम है?

a. 4-1-2-3
b. 3-2-1-4
c. 1-2-3-4
d. 3-1-2-4

उत्तर: (c)

व्याख्या: मार्च 1940: मुस्लिम लीग के लाहौर अधिवेशन में 'पाकिस्तान संकल्प' पारित हुआ।

- **अक्तूबर** 1940**:**
  - कॉन्ग्रेस ने व्यक्तिगत सत्याग्रह शुरू किया
  - 25]000 सत्याग्रहियों की गिरफ्तारी
- **क्रिप्स मिशन (मार्च 1942)**
- यह पेशकश करता है:
  - राष्ट्रमंडल से हटने के अधिकार के साथ भारतीय संघ का डोमिनियन दर्जा।

- युद्ध के बाद संविधान की रूपरेखा तैयार करने के लिये प्रांतीय विधानसभाओं द्वारा निर्वाचित एक संविधान सभा।
- संघ में शामिल होने के अनिच्छुक किसी भी प्रांत को ब्रिटेन के साथ एक अलग समझौता करने की स्वतंत्रता।

अत: विकल्प (c) सही है।

3. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:
   1. G7 में जी.डी.पी. (पी.पी.पी.) के संदर्भ में विश्व की सात सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाएँ शामिल हैं।
   2. रूस G7 का एक सदस्य है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

a. केवल 1
b. केवल 2
c. 1 और 2 दोनों
d. न तो 1 और न ही 2

उत्तर: (d)

- **व्याख्या:** ग्रुप ऑफ सेवन (जी7) विश्व की सात सबसे बड़ी विकसित अर्थव्यवस्थाओं का एक मंच है, इसके नेता अंतर्राष्ट्रीय आर्थिक और मौद्रिक मुद्दों पर चर्चा करने के लिये वार्षिक रूप मिलते हैं। इसके लिये मानदंड जीडीपी (क्रय शक्ति समानता) आधारित नहीं है बल्कि यह स्व-परिभाषित है। जी.डी.पी. (क्रय शक्ति समानता) के मानदंड पर विश्व में तीसरे स्थान पर होने के बावजूद भी भारत ग्रुप ऑफ सेवन (जी7) का हिस्सा नहीं है। **अत: कथन 1 सही नहीं है।**
- यह समूह स्वयं को 'कम्युनिटी ऑफ वैल्यूज़' यानी मूल्यों का आदर करने वाला समुदाय मानता है। स्वतंत्रता तथा मानवाधिकारों की सुरक्षा, लोकतंत्र एवं कानून का शासन और समृद्धि तथा सतत् विकास, इसके प्रमुख सिद्धांत हैं।
- अनौपचारिक रूप से जी-7 की शुरुआत वर्ष 1973 के तेल संकट के दौरान फ्राँस, पश्चिम जर्मनी, अमेरिका, ग्रेट ब्रिटेन और जापान (ग्रुप ऑफ फाइव) के वित्त मंत्रियों की बैठक के साथ हुई थी।
- बाद में इटली तथा कनाडा भी इस ग्रुप में सम्मिलित हो गए तथा जी-7 के सदस्य देशों की पहली बैठक का आयोजन वर्ष 1976 में प्यूर्टो रिको में किया गया। इसकी मेज़बानी अमेरिका ने की थी।
- 24-26 अगस्त, 2019 को फ्रांँस के बिआरित्ज़ (Biarritz) में जी7 का 45वांँ शिखर सम्मेलन आयोजित किया गया।

सदस्य

- फ्राँस
- जर्मनी
- यूनाइटेड किंगडम
- इटली
- संयुक्त राज्य अमेरिका
- कनाडा
- जापान

कभी-कभी यूरोपीय संघ को जी-7 का आठवाँ सदस्य माना जाता है, क्योंकि इसके पास बैठक की अध्यक्षता या मेज़बानी को छोड़कर पूर्ण सदस्यों के समान सभी अधिकार और ज़िम्मेदारियाँ हैं।

नोट:

- वर्ष 1998 में रूस जी7 समूह में एक पूर्ण सदस्य के रूप में शामिल हुआ, इसके बाद इसे जी8 के रूप में पहचाना जाने लगा।
- हालाँकि वर्ष 2014 में क्रीमिया विवाद के बाद रूस को सदस्यता से निष्कासित कर दिये जाने के पश्चात् समूह को फिर से जी7 कहा जाने लगा। **अत: कथन 2 सही नहीं है।**

4. आरंभिक नरमपंथियों (उदारवादियों) के राजनीतिक कार्यों के तरीकों के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:
   1. इसमें वैधानिक सीमाओं के भीतर संवैधानिक आंदोलन शामिल था।
   2. उन्होंने चेतना और राष्ट्रीय भावना जगाने हेतु सशक्त सार्वजनिक जनमत तैयार किया।
   3. वर्ष 1899 में कलकत्ता में भारतीय राष्ट्रीय कॉन्ग्रेस की एक ब्रिटिश समिति स्थापित की गई।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-से सही हैं?

a. केवल 1 और 2
b. केवल 2 और 3
c. केवल 1 और 3
d. उपरोक्त सभी

उत्तर: (a)

व्याख्या: उदारवादियों का दौर (1885-1905)

- उदारवादी नेताओं दादाभाई नौरोजी, फिरोजशाह मेहता, डी.ई. वाचा, डब्ल्यू.सी. बनर्जी, एस.एन. बनर्जी कुछ ऐसे नेता थे जिन्होंने कॉन्ग्रेस के शुरूआती चरण (1885-1905) में कॉन्ग्रेस की नीतियों को प्रभावित किया। ये नेता उदारवादी नीतियों और अहिंसक विरोध प्रदर्शन में विश्वास रखते थे। इनकी यह विशेषता इन्हें 20वीं सदी के प्रथम दशक में उभरने वाले नव-राष्ट्रवादियों जिन्हें उग्रवादी कहा जाता था, से पृथक करती है।

उदारवादियों का दृष्टिकोण

- उदारवादी कानून के दायरे में रहकर **अहिंसक एवं असंवैधानिक** प्रदर्शनों के पक्षधर थे। यद्यपि उदारवादियों की यह नीति अपेक्षाकृत धीमी थी किंतु इससे क्रमबद्ध राजनीतिक विकास की प्रक्रिया प्रारंभ हुई। **अत: कथन 1 सही है।**
- उदारवादियों का मत था कि अंग्रेज़ भारतीयों को शिक्षित बनाना चाहते हैं तथा वे भारतीयों की वास्तविक समस्याओं से बेखबर नहीं हैं। अत: यदि सर्वसम्मति से सभी देशवासी प्रार्थनापत्रों, याचिकाओं एवं सभाओं इत्यादि के माध्यम से सरकार से अनुरोध करें तो सरकार धीरे-धीरे उनकी मांगें स्वीकार कर लेगी।
- इन उद्देश्यों की प्राप्ति के लिये उदारवादियों ने दो प्रकार की नीतियों का अनुसरण किया। पहला, भारतीयों में राष्ट्रप्रेम एवं चेतना जागृत कर राजनीतिक मुद्दों पर उन्हें शिक्षित करना एवं उनमें एकता स्थापित करना। दूसरा, ब्रिटिश जनमत एवं ब्रिटिश सरकार को भारतीय पक्ष में करके भारत में सुधारों की प्रक्रिया प्रारंभ करना। **अत: कथन 2 सही है।**
- अपने दूसरे उद्देश्यों के लिये राष्ट्रवादियों ने **1899** में लंदन में भारतीय राष्ट्रीय कॉन्ग्रेस की ब्रिटिश कमेटी की स्थापना की। दादाभाई नौरोजी ने अपने जीवन का काफी समय इंग्लैंड में बिताया तथा विदेशों में भारतीय पक्ष में जनमत तैयार करने का प्रयास किया। **अत: कथन 3 सही नहीं है।**

5. उदारीकृत प्रेषण योजना (एल.आर.एस.) के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:
   1. संबंधी/रिश्तेदार की परिभाषा को अब कंपनी अधिनियम, 2013 में परिभाषित संबंधियों/रिश्तेदारों के अनुरूप बनाया गया है।
   2. एल.आर.एस. के नियम विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम, 1999 द्वारा शासित हैं।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

a. केवल 1
b. केवल 2
c. 1 और 2 दोनों
d. न तो 1 और न ही 2

उत्तर: (c)

व्याख्या: भारतीय रिज़र्व बैंक (आर.बी.आई.) की उदारीकृत प्रेषण योजना (एल.आर.एस) भारत में निवासी व्यक्तियों को एक वित्तीय वर्ष के दौरान किसी अन्य देश में निवेश और व्यय करने हेतु एक निश्चित राशि के प्रेषण की अनुमति देती है।

- प्रचलित नियमों के अनुसार, निवासी व्यक्ति प्रत्येक वित्तीय वर्ष के दौरान 2,50,000 डॉलर तक का प्रेषण कर सकते हैं।
- एल.आर.एस. देश से बाहर विदेशी मुद्रा या लॉटरी टिकट या जुआ, पत्रिकाओं या इनके समान अन्य वस्तुओं/मदों, जो विदेशी मुद्रा प्रबंधन (चालू खाता लेनदेन) नियम, 2000 की अनुसूची-II के तहत प्रतिबंधित हैं, की खरीद तथा बिक्री को प्रतिबंधित करती है। **अत: कथन 2 सही है।**
- वित्तीय कार्रवाई कार्यबल (एफ.ए.टी.एफ.) द्वारा 'गैर-सहकारी देशों और क्षेत्रों' के रूप में चिह्नित देशों में प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष प्रेषण भी निषिद्ध है।
- पिछले पाँच वर्षों में एल.आर.एस. के तहत निवासी भारतीयों द्वारा निधियों का बहिर्प्रवाह इसी अवधि में विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों द्वारा निधियों के अंतर्प्रवाह के बराबर है, जो भारत में पूंजी-प्रवाह को उक्त संदर्भित मात्रा तक निष्फल साबित करता है।
- पिछले पाँच वर्षों में एल.आर.एस. के तहत धन के बहिर्प्रवाह में तेज़ी से वृद्धि देश से पूंजी के बाह्य गमन को इंगित करती है, जो भारत जैसे विकासशील देश के लिये सकारात्मक सूचक नहीं है।
- आर.बी.आई. ने धन के बहिर्प्रवाह को रोकने के लिये करीबी रिश्तेदारों की श्रेणी के तहत रिश्तेदारों की परिभाषा को सीमित/संकुचित कर दिया है। इस प्रकार अब इस श्रेणी के तहत केवल माता-पिता, जीवनसाथी, बच्चों और पति या पत्नी जैसे निकटतम रिश्तेदारों को ही धन प्रेषित किया जा सकता है।
- एल.आर.एस. के तहत रिश्तेदारों की परिभाषा को अब कंपनी अधिनियम, 1956 के बजाय कंपनी अधिनियम, 2013 में दी गई रिश्तेदार की परिभाषा के साथ संरेखित कर दिया गया है। **अत: कथन 1 सही है।**

6. हाल ही में समाचारों में रहा 'चेन्नई कनेक्ट' संबंधित है:

a. चेन्नई और व्लादिवोस्तोक (रूस) के मध्य समुद्री संपर्क से
b. भारत और चीन के मध्य अनौपचारिक शिखर सम्मेलन से
c. सागरमाला परियोजना से
d. चेन्नई में 5G सेवाओं से

उत्तर: (b)

व्याख्या: हाल ही में भारत तथा चीन के बीच दूसरा अनौपचारिक शिखर सम्मेलन चेन्नई के मामल्लपुरम में आयोजित किया गया। चेन्नई शिखर सम्मेलन की प्रमुख उपलब्धि वर्ष 2020 में भारत-चीन संबंधों की स्थापना की 70वीं वर्षगाँठ को मनाने का निर्णय था जिसने 'वुहान स्पिरिट' में 'चेन्नई कनेक्ट' को जोड़ा। **अत: विकल्प (b) सही है।**

- भारत तथा चीन के बीच पहली अनौपचारिक शिखर वार्ता का आयोजन वर्ष 2018 में चीन के वुहान प्रांत में किया गया था। इस वार्ता के बाद भारत और चीन के बीच 'वुहान स्पिरिट' के रूप में

एक साझा आधार विकसित हुआ। वुहान सामंजस्य ने यह दर्शाया कि भारत और चीन अपने मतभेदों को विवाद में नहीं बदलने देंगे तथा साथ ही विभिन्न मतभेदों के बावजूद दोनों देशों को आपसी संबंधों को आगे बढ़ाने की आवश्यकता है।

7. असहयोग आंदोलन के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:
   1. देश के कुछ भागों में यह आंदोलन सांप्रदायिक हो गया था।
   2. पूरे देश में कई स्थानों पर असहयोग के अंतर्गत परिकल्पित कार्यक्रमों का अनुपालन विधिवत रूप से नहीं हुआ।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

a. केवल 1
b. केवल 2
c. 1 और 2 दोनों
d. न तो 1 और न ही 2

उत्तर: (c)

व्याख्या: औपचारिक रूप से असहयोग आंदोलन की शुरुआत 1 अगस्त, 1920 से हुई।

आंदोलन के दौरान उठाए गए कदम:

- विदेशी वस्त्रों का बहिष्कार।
- सरकारी शिक्षण संस्थानों का बहिष्कार।
- सरकारी उपाधियों तथा अवैतनिक पदों का परित्याग।
- विधानपरिषदों का बहिष्कार।
- न्यायालयों का बहिष्कार तथा पंचायतों के माध्यम से न्यायिक कार्य करना।
- सरकारी सेवाओं का परित्याग।
- सरकारी करों का भुगतान न करना।
- सरकारी तथा अर्द्ध-सरकारी आयोजनों का बहिष्कार तथा सैनिकों, मज़दूरों व क्लर्कों का मेसोपोटामिया में कार्य करने के लिये न जाना।

असहयोग आंदोलन के दौरान:

- अवध में किसान सभा और किसान आंदोलन वर्ष 1918 से ही ज़ोर पकड़ते जा रहे थे। कुछ ही समय में यह पता लगाना मुश्किल हो गया कि बैठक किसान सभा की है या असहयोग आंदोलनकारियों की।
- **मालाबार (केरल)** में असहयोग आंदोलन और खिलाफत आंदोलन ने खेतिहर मुसलमानों को उनके भूस्वामियों के खिलाफ संघर्ष शुरू करने के लिये उकसाया, लेकिन आंदोलन ने इस क्षेत्र में कहीं-कहीं सांप्रदायिकता का रूप धारण कर लिया। **अत: कथन 1 सही है।**
- असहयोग आंदोलन के दौरान अशांति और अवज्ञा की भावना ने देश के विभिन्न हिस्सों में कई स्थानीय आंदोलनों के उदय में योगदान दिया। इस दौरान असहयोग आंदोलन के अतिरिक्त भी विरोध की अन्य धाराएँ मौजूद थीं, साथ ही यह आंदोलन पूर्णत: अहिंसा की नीति पर भी प्रतिबद्ध नहीं रहा। **अत: कथन 2 सही है।**

8. निम्नलिखित युग्मों पर विचार कीजिये:

	पत्रिका/संस्थान	**संस्थापक**
1.	युगांतर	बरिंद्र कुमार घोष
2.	अनुशीलन समिति	प्रोमोथ मित्रा
3.	रामोसी कृषक दल	अनंत लक्ष्मण कन्हेरे

उपर्युक्त युग्मों में से कौन-से सही सुमेलित हैं?

a. केवल 1 और 2
b. केवल 2 और 3
c. केवल 1 और 3
d. 1, 2 और 3

उत्तर: (a)

व्याख्या: महाराष्ट्र में क्रांतिकारी गतिविधियों की शुरूआत वासुदेव बलवंत फड़के के रामोसी कृषक दल ने वर्ष 1879 में की थी। **अत: युग्म 3 सही सुमेलित नहीं है।**

- अनुशीलन समिति एक बंगाली भारतीय संगठन था जो बीसवीं शताब्दी की पहली तिमाही में अस्तित्व में था। इसने भारत से ब्रिटिश शासन को समाप्त करने के लिये क्रांतिकारी हिंसा को बढ़ावा दिया। इसकी स्थापना प्रमथ मित्रा ने की थी। **अत: युग्म 2 सही सुमेलित है।**
- अप्रैल 1906 में अनुशीलन समिति के दो सदस्यों बारिन्द्र कुमार घोष और भूपेन्द्रनाथ दत्ता ने युगांतर नामक साप्ताहिक पत्र का प्रकाशन शुरू किया। **अत: युग्म 1 सही सुमेलित है।**

9. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:
   1. क्वांटम कंप्यूटर उन नियमों का उपयोग करते हैं जो संगणना के लिये अणुओं और परमाण्विक पदार्थों के व्यवहार को निर्धारित करते हैं।
   2. क्वांटम कंप्यूटर में सूचना क्यूबिट्स में संग्रहीत होती है।
   3. क्वांटम सुप्रीमेसी क्वांटम कंप्यूटर की योग्यता है जो ऐसी समस्याओं का समाधान कर सकती है जिन्हें पारंपरिक कंप्यूटर द्वारा नहीं किया जा सकता।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

a. केवल 2
b. केवल 1 और 2
c. केवल 2 और 3
d. 1, 2 और 3

उत्तर:(d)

व्याख्या: क्वांटम कंप्यूटर्स

- क्वांटम कंप्यूटर, बाइनरी डिजिटल कंप्यूटरों जो कि ट्रांज़िस्टर्स पर आधारित होते हैं, से अलग हैं।
- सामान्य डिजिटल कंप्यूटिंग में डेटा को बाइनरी संख्या (बिट्स) में कूटबद्ध करने की आवश्यकता होती है, जिनमें से प्रत्येक दो निश्चित अवस्थाओं (0 या 1) में से किसी एक में होता है।
- क्वांटम गणना में क्वांटम बिट्स (क्यूबिट्स) का उपयोग होता है तथा उन सिद्धांतों का प्रयोग होता है जो कंप्यूटिंग के लिये परमाणुओं और उप-परमाणु कणों के व्यवहार को नियंत्रित करते हैं। **अत: कथन 1 सही है।**

क्वांटम बिट (क्यूबिट)

- क्वांटम बिट (क्यूबिट) क्वांटम सूचना की सबसे छोटी इकाई होती है जो सामान्य कंप्यूटर में प्रयोग की जाने वाली बिट का क्वांटम एनालॉग है, इसका उपयोग क्वांटम कंप्यूटिंग के क्षेत्र में किया जाता है। **अत: कथन 2 सही है।**
- ये क्वांटम भौतिकी के दो सिद्धांतों- सुपरपोजीशन और एंटेंगलमेंट के अनुसार संचालित होते हैं।
  - सुपरपोजीशन का अर्थ है कि प्रत्येक क्यूबिट एक ही समय में '1' और '0' दोनों का प्रतिनिधित्व कर सकता है।
  - एंटेंगलमेंट का तात्पर्य यह है कि एक सुपरपोजीशन अवस्था में क्यूबिट्स को एक दूसरे के साथ सहसंबंधित किया जा सकता है अर्थात् एक क्यूबिट की स्थिति (चाहे वह 1 हो या 0) किसी अन्य क्यूबिट की स्थिति पर निर्भर कर सकती है। इसका अर्थ यह है कि कण एक-दूसरे से इस प्रकार जुड़े होते हैं कि एक कण पर किया गया कार्य उस स्थिति में भी जब उनके बीच की दूरी बहुत अधिक हो। दूसरे कण को प्रभावित करते हैं।
- विभिन्न शोधों के अनुसार, क्वांटम प्रोसेसर उस गणना को पूरा करने में 200 सेकंड का समय लेता है जिसे पूरा करने में विश्व के सबसे तेज़ सुपर कंप्यूटर 'समिट' को

संभवत: 10,000 वर्षों का समय लग सकता है।

क्वांटम सुप्रीमेसी

- वर्ष 2011 में जॉन प्रेस्किल द्वारा गढ़ा गया शब्द 'क्वांटम कंप्यूटिंग', क्वांटम कंप्यूटर द्वारा किसी समस्या को सुलझाने की प्रक्रिया को संदर्भित करता है जिसे पारंपरिक कंप्यूटर अपने सामान्य जीवनकाल में भी हल नहीं कर सकता है। **अत: कथन 3 सही है।**

10. निम्नलिखित में से कौन महात्मा गांधी के नेतृत्व में चलाए गए 'चंपारण सत्याग्रह' से संबद्ध थे?
    1. नरहरि पारेख
    2. अनुसूया साराभाई
    3. अनुग्रह नारायण सिन्हा
    4. शंभुशरण वर्मा

नीचे दिये गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिये:

a. केवल 1, 2 और 4
b. केवल 1, 3 और 4
c. केवल 1 और 3
d. केवल 1 और 4

उत्तर: (b)

व्याख्या: चंपारण सत्याग्रह (1917)- प्रथम सविनय अवज्ञा

- बिहार के चंपारण में नील की खेती के संदर्भ में किसानों की समस्याओं को देखने के लिये एक स्थानीय व्यक्ति राजकुमार शुक्ल द्वारा गांधी से अनुरोध किया गया था।
- चंपारण में यूरोपीय नील बागान मालिक किसानों को उनकी कुल भूमि के 3/20वें हिस्से में नील की खेती करने के लिये विवश कर रहे थे। यह व्यवस्था 'तिनकठिया पद्धति' के नाम से जानी जाती है।
- फलत: महात्मा गांधी मामले की जाँच के लिये राजेन्द्र प्रसाद, मज़हर-उल-हक, महादेव गोसाई, नरहरि पारिख और जे.बी. कृपलानी के साथ चंपारण पहुँचे लेकिन अधिकारियों ने उन्हें तुरंत वहाँ से वापस लौट जाने का आदेश दिया।
- चंपारण सत्याग्रह से जुड़े अन्य प्रमुख नेता थे- बृजकिशोर प्रसाद, अनुग्रह नारायण सिन्हा, रामनवमी प्रसाद और शम्भूशरण वर्मा। **अत: विकल्प (b) सही है।**
- महात्मा गांधी ने उक्त आदेश को मानने से इनकार कर दिया तथा किसी भी प्रकार के दंड को भुगतने का निर्णय लिया। सरकार के इस अनुचित आदेश के विरुद्ध महात्मा गांधी द्वारा अहिंसात्मक प्रतिरोध या सत्याग्रह का यह मार्ग चुनना विरोध का एक सर्वोत्तम तरीका था।
- महात्मा गांधी, आयोग को यह समझाने में सफल रहे कि तिनकठिया पद्धति समाप्त होनी चाहिये।
- साथ ही किसानों से जो पैसा अवैध रूप से वसूला गया है, उसके लिये किसानों को हरज़ाना दिया जाए। एक और समझौते के पश्चात् बागान मालिक 25 प्रतिशत हिस्सा किसानों को लौटाने के लिये राजी हो गए।
- एक दशक के भीतर ही बागान मालिकों ने चंपारण छोड़ दिया।

11. सवाना भूदृश्य के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:
    1. आमतौर पर सवाना भूदृश्य की वनस्पति में ऊँची घास और छोटी ऊँचाई वाले बिखरे हुए पेड़ होते हैं।
    2. पूर्वी अफ्रीकी पठार के सवाना में हौसा जनजाति निवास करती है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

a. केवल 1
b. केवल 2
c. 1 और 2 दोनों
d. न तो 1 और न ही 2

उत्तर: (a)

व्याख्या: सवाना भूदृश्य में लंबी घास और छोटे पेड़ पाए जाते हैं। इस भूदृश्य में पेड़ झुंड में या अलग-अलग बिखरे हुए होते हैं। **अत: कथन 1 सही है।**

- ये पेड़ पर्णपाती होते हैं जो ठंडे, शुष्क मौसम में वाष्पोत्सर्जन द्वारा होने वाले जल के अत्यधिक ह्रास से बचाव हेतु अपनी पत्तियाँ गिरा देते हैं।
- **सवाना में मानव जीवन:** उष्णकटिबंधीय सवाना भूमि में कई अलग-अलग जनजातियाँ रहती हैं जो या तो पूर्वी अफ्रीकी पठार के मसाई जैसे पशुपालक हैं या उत्तरी नाइजीरिया के होसा जैसे बंदोबस्ती किसान हैं। **अत: कथन 2 सही नहीं है।**

12. इस्लामिक सहयोग संगठन (ओ.आई.सी.) के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:
    1. हाल ही में भारत को ओ.आई.सी. में पर्यवेक्षक का दर्जा दिया गया है।
    2. यह संयुक्त राष्ट्र के बाद सबसे बड़ा अंतर-सरकारी संगठन है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

a. केवल 1
b. केवल 2
c. 1 और 2 दोनों
d. न तो 1 और न ही 2

उत्तर: (d)

व्याख्या: इस्लामिक सहयोग संगठन (ओ.आई.सी.) संयुक्त राष्ट्र के बाद चार महाद्वीपों में फैले 57 देशों की सदस्यता वाला दूसरा सबसे बड़ा गैर-सरकारी संगठन है। यह संगठन मुस्लिम वर्ग की सामूहिक अभिव्यक्ति है। यह दुनिया के विभिन्न वर्गों के बीच अंतर्राष्ट्रीय शांति और सद्भाव को बढ़ावा देने की विचारधारा के साथ मुस्लिम वर्ग के हितों की रक्षा और संरक्षण का प्रयास करता है। **अत: कथन 2 सही है।**

- अधिकृत येरूशलम की अल-अक्सा मस्ज़िद में हुई आपराधिक आगजनी के पश्चात् 12वीं रजब 1389 हिजरा (25 सितंबर, 1969) को मोरक्को के रबात में संपन्न ऐतिहासिक शिखर सम्मेलन के एक निर्णय के आधार पर इस संगठन की स्थापना की गई थी।
- हाल ही में भारत के विदेश मंत्री ने संयुक्त अरब अमीरात (यू.ए.ई.) के अबू धाबी में आयोजित इस्लामिक सहयोग संगठन (ओ.आई.सी.) के विदेश मंत्रियों की परिषद के 46वें सत्र में भाग लिया। ओ.आई.सी. के उद्घाटन समारोह में भाग लेने के लिये मेज़बान यू.ए.ई. ने भारत को 'विशिष्ट अतिथि' के रूप में आमंत्रित किया था। भारत न तो ओ.आई.सी. का सदस्य है और न ही पर्यवेक्षक। **अत: कथन 1 सही नहीं है।**

13. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:
    1. महासागरों में जल की गहराई में वृद्धि के साथ प्रवाल भित्तियों के जीवित रहने की संभावना अधिक होती है।
    2. अधिकांशत: प्रवाल भित्तियाँ प्रशांत और अटलांटिक महासागरों में मौजूद हैं।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

a. केवल 1
b. केवल 2
c. 1 और 2 दोनों
d. न तो 1 और न ही 2

उत्तर: (d)

व्याख्या: प्रवाल भित्तियाँ निम्नलिखित परिस्थितियों में उचित रूप से अपने अस्तित्व को बनाए रख सकती हैं।

- जल का तापमान 20 डिग्री सेल्सियस से कम नहीं होना चाहिये। यह उष्णकटिबंधीय और उपोष्णकटिबंधीय क्षेत्रों में प्रवालों के वितरण को सीमित करता है।
- जहाँ गर्म सतही जल को ठंडा करने के लिये गहरे ठंडे जल को ऊपर उठाने वाली ठंडी धाराएँ चलती हैं वहाँ प्रवाल भित्तियाँ नहीं पनपती हैं।
- जल की गहराई 180 फीट से अधिक नहीं होनी चाहिये, क्योंकि इससे अधिक गहराई पर प्रकाश संश्लेषण के लिये आवश्यक सूर्य का प्रकाश अत्यधिक धुधँला हो जाता है। यह सूक्ष्म शैवाल के अस्तित्व के लिये आवश्यक है, जिस पर प्रवाल पॉलीप्स निर्भर रहते हैं। **अत: कथन 1 सही नहीं है।**
- प्रशांत और हिंद महासागर में सर्वाधिक प्रवाल भित्तियाँ हैं। **अत: कथन 2 सही नहीं है।**

14. निम्नलिखित युग्मों पर विचार कीजिये:

	पठार	**महाद्वीप**
1.	हाईवेल्ड	अफ्रीका
2.	देओसाई	यूरोप
3.	हार्डंगरविद्	उत्तरी अमेरिका
4.	वेस्टर्न	ओशिनिया
5.	एंडियन	दक्षिण अमेरिका

उपर्युक्त युग्मों में से कौन-से सही सुमेलित हैं?

a. केवल 1, 4 और 5
b. केवल 1, 2 , 4 और 5
c. केवल 2, 3, 4 और 5
d. 1, 2 , 3, 4 और 5

उत्तर: (a)

व्याख्या: अफ्रीकी पठार **हाइवेल्ड,** दक्षिण अफ्रीका में स्थित एक विशाल पठार है। **अत: युग्म 1 सुमेलित है।**

- **एशिया** में दुनिया के सबसे बड़े पठारों में से कई पठार पाए जाते हैं, जिनमें **देवसाई पठार,** तिब्बती पठार, ईरानी पठार, दक्कन का पठार और मंगोलियाई पठार शामिल हैं। **अत: युग्म 2 सुमेलित नहीं है।**
- हार्डंगेरविद् यूरोप का एक प्रमुख पठार है और यह महाद्वीप का सबसे बड़ा पठार है। यह पठार दक्षिणी नॉर्वे में स्थित है और 1,321 वर्ग मील क्षेत्र में फैला है। **अत: युग्म 3 सुमेलित नहीं है।**
- ऑस्ट्रेलिया में पठारों की संख्या ओशिनिया के किसी भी देश से अधिक है, जो एक बड़े भू-भाग द्वारा संभव हुआ है। पश्चिमी पठार ऑस्ट्रेलिया के पठारों में सबसे बड़ा है और हज़ारों वर्ग मील में फैला हुआ है। **अत: युग्म 4 सुमेलित है।**
- दक्षिण अमेरिका में पाए जाने वाले कुछ पठारों में एल्टीप्लैनो क्यूंडीबोइयासेंस और एंडियन पठार शामिल हैं। एंडियन पठार पश्चिमी गोलार्द्ध में सबसे बड़ा उच्च पठार है तथा दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा उच्च पठार है। **अत: युग्म 5 सुमेलित है।**

अत: विकल्प (a) सही है।

15. प्रशांत-परिवेष्टक पेटी अथवा रिंग ऑफ फायर के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. इस क्षेत्र में बड़ी संख्या में भूकंप तथा ज्वालामुखी विस्फोट की घटना होती है।
2. यह प्रशांत, जुआन डी फूका, कोकोस, भारतीय- ऑस्ट्रेलियाई, नज़का, उत्तरी अमेरिकी और फिलीपीन प्लेटों की सीमाओं के बीच स्थित है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

a. केवल 1
b. केवल 2
c. 1 और 2 दोनों
d. न तो 1 और न ही 2

उत्तर: (c)

व्याख्या: रिंग ऑफ फायर को प्रशांत-परिवेष्टक पेटी के रूप में भी जाना जाता है, यह सक्रिय ज्वालामुखियों और लगातार भूकंपों की विशेषताओं वाली प्रशांत महासागर की एक पेटी है। **अत: कथन 1 सही है।**

- इसकी लंबाई लगभग 40,000 किलोमीटर (24,900 मील) है। इसकी सीमाएँ प्रशांत, जुआन डी फूका, कोकोस, भारत-ऑस्ट्रेलियाई, नाजका, उत्तरी अमेरिकी और फिलीपीन प्लेट्स सहित कई विवर्तनिकी प्लेटों के बीच पैली हुई हैं। **अत: कथन 2 सही है।**
- पृथ्वी के ज्वालामुखियों का 75% यानी 450 से अधिक ज्वालामुखी- रिंग ऑफ फायर में अवस्थित हैं। पृथ्वी के 90% भूकंप इसी भाग में आते हैं, जिसमें ग्रह की सबसे विध्वंसक और प्रभावशाली भूकंपीय घटनाएँ शामिल हैं।
- प्रशांत और उत्तरी अमेरिकी प्लेट्स के बीच की सीमा एक परिवर्तन सीमा बनाती है, जहाँ प्लेटें एक-दूसरे के पीछे संचरण करती हैं। इस प्रकार की सीमा में पृथ्वी की भू-पर्पटी में तनाव विकसित होने और मुक्त होने से बड़ी संख्या में भूकंप उत्पन्न होते हैं।

16. प्रधानमंत्री जी-वन योजना निम्नलिखित में से किससे संबंधित है?

a. अनुसूचित जनजाति कल्याण से
b. जैव ईंधन उत्पादन को बढ़ाने से
c. वृद्धों के लिये स्वास्थ्य सुविधाएँ उपलब्ध कराने से
d. उपरोक्त में से कोई नहीं

उत्तर: (b)

व्याख्या: प्रधानमंत्री जी-वन (जैव ईंधन वातावरण अनुकूल फसल अवशेष निवारण) योजना

- यह योजना लिग्नोसेलुलोसिक बायोमास और अन्य नवीकरणीय कच्चे माल (फीडस्टॉक) का उपयोग कर रही दूसरी पीढ़ी (2जी) की एकीकृत बायोएथेनॉल परियोजनाओं को बढ़ावा देने के लिये आरंभ की गई है। **अत: विकल्प (b) सही है।**

विशेषताएँ

- योजना का उद्देश्य 2 जी इथेनॉल क्षेत्र में वाणिज्यिक परियोजनाओं की स्थापना, अनुसंधान एवं विकास को बढ़ावा देने के लिये एक पारितंत्र का निर्माण करना है।
    - **चरण-I (2018-19 से 2022-23)** 6 वाणिज्यिक और 5 निरूपण परियोजनाओं का समर्थन किया जाएगा।
    - **चरण-II (2018-19 से 2022-23 तक)** शेष 6 वाणिज्यिक और 5 निरूपण परियोजनाओं का समर्थन किया जाएगा।
- योजना के लाभार्थियों द्वारा उत्पादित इथेनॉल की तेल विपणन कंपनियों (ओ.एम.सी.) को अनिवार्य रूप से आपूर्ति की जाएगी ताकि इथेनॉल सम्मिश्रण कार्यक्रम (ई.बी.पी.) के तहत मिश्रण प्रतिशत को और बढ़ाया जा सके।

एम.ओ.पी. और एन.जी. के तत्त्वावधान में एक तकनीकी संस्था, उच्च प्रौद्योगिकी केंद्र (सी.एच.टी.) इस योजना की क्रियान्वयन एजेंसी होगी।

लाभ

- यह योजना पहली पीढ़ी (1जी) में कच्चे माल (फीडस्टॉक्स), के रूप में उपयोग की जाने वाले खाद्य फसलों के स्थान पर कृषि अवशेषों या अवशिष्ट अखाद्य फसलों से दूसरी पीढ़ी (2जी) के जैव ईंधन प्रौद्योगिकी को बढ़ावा दे रही है।
- ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन में कमी लाने के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिये जीवाश्म

ईंधन के प्रगतिशील सम्मिश्रण/ प्रतिस्थापन का निर्माण करना।

- बायोमास/फसल अवशेषों को जलाए जाने से रोकना और नागरिकों के स्वास्थ्य में सुधार के साथ-साथ किसानों की आय में वृद्धि करना।
- 2जी इथेनॉल परियोजनाओं और बायोमास आपूर्ति श्रृंखला में रोज़गार के अवसर पैदा करना।
- गैर-खाद्य जैव ईंधन के रूप में अखाद्य कच्चे माल (फीडस्टॉक्स) जैसे- अपशिष्ट बायोमास और शहरी कचरे का निपटान करके स्वच्छ भारत मिशन में योगदान।
- अनुसंधान और विकास को बढ़ावा देकर देश में इथेनॉल प्रौद्योगिकियों के लिये दूसरी पीढ़ी के बायोमास का विकास।

जैव ईंधन

- जैव ईंधन, बायोमास से निर्मित ईंधन हैं।
- बायोमास संसाधन कृषि, वानिकी और संबंधित उद्योगों के उत्पादों, अपशिष्टों एवं अवशेषों के साथ-साथ औद्योगिक और नगरपालिका अपशिष्ट के जैव-निम्नीकरणीय के भाग हैं।

17. निम्नलिखित में से किन देशों की सीमा लाल सागर से संबद्ध है?

1. यमन
2. मिस्र
3. जॉर्डन
4. सूडान
5. लीबिया

नीचे दिये गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिये:

a. केवल 1, 2 और 3
b. केवल 1, 2 , 4 और 5
c. केवल 1, 2 और 4
d. 1, 2 , 3, 4 और 5

उत्तर: (c)

व्याख्या: लाल सागर की सीमा वाले छह देश (सऊदी अरब, यमन, मिस्र, सूडान, इरिट्रिया और जिबूती) हैं। **अत: विकल्प (c) सही है।**

- लाल सागर हिंद महासागर का प्रवेश द्वार है तथा एशिया से अफ्रीका महाद्वीप को अलग करने वाले क्षेत्र का एक भाग है।
- यह बाब-अल-मन्देब जलडमरूमध्य और अदन की खाड़ी के माध्यम से दक्षिण में महासागर से जुड़ा हुआ है।
- लाल सागर के उत्तरी भाग में स्वेज की खाड़ी है जो प्रसिद्ध स्वेज नहर से जुड़ी है।

18. एंडियन तट पूरी तरह से महाद्वीपीय मग्नतट से विहीन है, निम्नलिखित में से कौन-सा इसका संभावित कारण है?

a. उथला जल
b. पर्वतीय तट
c. खड़ी ढाल वाला तट
d. लहरों द्वारा सतत् अपरदन

उत्तर: (b)

व्याख्या: महाद्वीपीय मग्नतट: यह महाद्वीप का तटरेखा से महाद्वीपीय किनारे तक समुद्र की ओर विस्तार है, जो लगभग 600 फीट आइसोबॉथ द्वारा चिह्नित है (आइसोबॉथ समुद्र तल से नीचे की गहराई को चिह्नित करने वाली रेखा है)।

- कुछ स्थानों पर जहाँ तट अत्यंत पहाड़ी हैं, जैसे कि रॉकी पर्वत और एंडियन तट वहाँ महाद्वीपीय मग्नतट पूर्णतया अनुपस्थित हो सकते हैं। **अत: विकल्प (b) सही है।**

19. 'वन नेशन वन कार्ड' का उपयोग करके निम्नलिखित में से कौन-सा लेन-देन किया जा सकता है?

1. नकद निकासी
2. टोल टैक्स का भुगतान
3. बस किराए का भुगतान

4. पार्किंग शुल्क का भुगतान

नीचे दिये गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिये:

a. केवल 1 और 4
b. केवल 2 और 3
c. केवल 2, 3 और 4
d. 1, 2, 3 और 4

उत्तर: (d)

व्याख्या: हाल ही में स्वदेश-निर्मित नेशनल कॉमन मोबिलिटी कार्ड (एन.सी.एम.सी.) को पूरे देश में मेट्रो सेवाओं और टोल टैक्स सहित कई प्रकार के परिवहन शुल्कों का भुगतान करने हेतु लोगों को सक्षम बनाने के लिये लॉन्च किया गया।

- **'वन नेशन वन कार्ड'** के रूप में अंतर-प्रचलित परिवहन कार्ड से धारकों को निम्न भुगतान करने की अनुमति होगी:
  - **बस यात्रा**
  - **टोल टैक्स**
  - **पार्किंग शुल्क**
  - **खुदरा खरीदारी**
  - **धन की निकासी।**

अत: विकल्प (d) सही है।

- दिसंबर 2018 में दिल्ली सरकार ने मेट्रो ट्रेनों, दिल्ली परिवहन निगम और सामूहिक बसों में यात्रा के लिये एक कॉमन मोबिलिटी कार्ड भी लॉन्च किया था। हालाँकि इन कार्डों का उपयोग राजधानी में टोल बूथों पर या खुदरा बिक्री और पार्किंग शुल्क का भुगतान करने के लिये नहीं किया जा सकता है।

विशेषताएँ

- **यह एन.सी.एम.सी. कार्ड, स्वीकार (स्व-चालित किराया:** स्वचालित किराया संग्रह प्रणाली) और स्वागत (स्वचालित गेट- गेट और कार्ड रीडर प्रणाली) से संबंधित एवं परिवहन हेतु भारत का पहला स्वदेशी रूप से विकसित भुगतान परितंत्र है, जो एन.सी.एम.सी. मानकों पर आधारित है।
  - ये तीनों एक साथ मौजूदा पॉइंट-ऑफ-सेल (पी.ओ.एस.) मशीनों के साथ बिना किसी कठिनाई के देश भर में राष्ट्रीय गतिशीलता प्रदान करने हेतु कार्ड का उपयोग करने में सक्षम होंगे।
- यह कार्ड उसी तरह सभी सार्वजनिक और निजी बैंकों द्वारा जारी किया जा सकता है जिस प्रकार क्रेडिट, डेबिट और प्रीपेड कार्ड जारी किये जाते हैं।
- आवासन और शहरी विकास मंत्रालय ने खुदरा खरीदारी और क्रय के अलावा देश भर में विभिन्न मेट्रो और अन्य परिवहन प्रणालियों के तहत निर्बाध यात्रा करने के लिये राष्ट्रीय सामान्य गतिशीलता कार्ड (एन.सी.एम.सी.) प्रस्तुत किया है।

20. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. तराई मैदानों से घिरे ब्लॉक पर्वतों का निर्माण भूपर्पटी में दरारों के कारण होता है।
2. जब एक-दूसरे को आगे-पीछे खिसकाती दो स्थलमंडलीय प्लेटों के मध्य क्षैतिज गति होती है, तो अनुप्रस्थ भ्रंश उत्पन्न होते हैं।
3. भ्रंश संकुचन, अनुक्रम भ्रंश और अधिक्षेप भ्रंश उत्पन्न करता है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-से सही हैं?

a. केवल 1 और 2
b. केवल 2 और 3
c. केवल 1 और 3
d. 1, 2 और 3

उत्तर: (d)

व्याख्या: सामान्य भ्रंश भू-पर्पटी दरार द्वारा निर्मित एक सामान्य प्रकार के भ्रंश है। ये आमतौर पर समानांतर भ्रंश के एक समूह के

रूप में होते हैं जो भ्रंश-कगार, द्रोणिका और हॉर्स्ट का निर्माण करते हैं।

- जहाँ सामान्य भ्रंशन वृहद् पैमाने पर होता है, वहाँ यह निम्न-स्खलित तराई घाटियों के पार्श्व में ब्लॉक पर्वतों की श्रेणियों का निर्माण करता है। **अत: कथन 1 सही है।**
- जब स्थलमंडलीय प्लेटें एक-दूसरे से क्षैतिज रूप से बड़े रूपांतरित भ्रंशन के साथ खिसकती हैं, तो हम इन भ्रंशों को अनुप्रस्थ भ्रंश के रूप में संदर्भित करते हैं। **अत: कथन 2 सही है।**
- भ्रंश संकुचन के कारण अनुक्रम भ्रंश और अधिक्षेप भ्रंश का निर्माण होता है। **अत: कथन 3 सही है।**

21. निम्नलिखित में से कौन-से 'नाविक' के अनुप्रयोग हैं?

1. आपदा प्रबंधन
2. सटीक समय निर्धारण
3. भू-गणितीय आँकड़ों का संग्रहण
4. वाहन ट्रैकिंग और नौसेना प्रबंधन
5. नौ-परिवहन

नीचे दिये गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिये:

a. केवल 1, 4 और 5
b. केवल 1, 3, 4 और 5
c. केवल 1, 2 और 3
d. 1, 2 , 3, 4 और 5

उत्तर: (d)

व्याख्या: भारतीय क्षेत्रीय नेविगेशन सैटेलाइट सिस्टम (IRNSS): नाविक

- यह भारत द्वारा विकसित एक स्वतंत्र क्षेत्रीय नेविगेशन सैटेलाइट सिस्टम है।
- यह भारत में उपयोगकर्त्ताओं के साथ-साथ इसकी सीमा से सटे 1500 किमी. तक फैले क्षेत्र को सटीक स्थिति सूचना सेवा प्रदान करने के लिये बनाया गया है, जो इसका प्राथमिक सेवा क्षेत्र है।

नाविक के कुछ अनुप्रयोग:

- स्थलीय, हवाई और समुद्री नेविगेशन।
- आपदा प्रबंधन
- वाहन ट्रैकिंग और बेड़ा प्रबंधन
- मोबाइल फोन के साथ एकीकरण
- सटीक समय-निर्धारण
- मैपिंग और जियोडेटिक डेटा कैप्चर
- यात्रियों के लिये स्थलीय नेविगेशन सहायता
- ड्राइवरों के लिये दृश्य और आवाज नेविगेशन

अत: विकल्प (d) सही है।

22. निम्नलिखित युग्मों पर विचार कीजिये:

	रॉकेट	**देश/समूह**
1.	एरियन :	यूरोपीय संघ
2.	एटलस :	रूस
3.	लॉन्ग मार्च :	चीन
4.	सोयुज़ :	संयुक्त राज्य अमेरिका

उपर्युक्त युग्मों में से कौन-सा/से सही सुमेलित है/हैं?

a. केवल 1
b. केवल 1 और 2
c. केवल 1 और 3
d. केवल 1 और 4

उत्तर: (c)

व्याख्या: एरियन: यह अंतरिक्ष प्रक्षेपण प्रयोग के लिये यूरोपीय एक्सपेंडेबल लॉन्च वाहनों की एक शृंखला है।

- **एटलस:** यह अमेरिकी मिसाइलों और अंतरिक्ष प्रक्षेपण वाहनों की शृंखला है।
- **लॉन्ग मार्च रॉकेट या चांगझेंग रॉकेट:** यह चीन द्वारा संचालित एक्सपेंडेबल लॉन्च सिस्टम की शृंखला का एक रॉकेट है।
- **सोयुज:** यह ओ.के.बी.-1 द्वारा विकसित एक्सपेंडेबल लॉन्च सिस्टम की शृंखला है, जो समारा, रूस में प्रोग्रेस रॉकेट स्पेस सेंटर द्वारा निर्मित है। सोयुज

प्रक्षेपण वाहन विश्व में सर्वाधिक इस्तेमाल किया जाने वाला प्रक्षेपण वाहन है।

अत: विकल्प (c) सही है।

23. निम्नलिखित युग्मों में से कौन-सा/से सही सुमेलित है/हैं?

	नेत्र दोष	**व्याख्या**
1.	मायोपिया	निकट दृष्टि दोष
2.	प्रेज़्बियोपिया	दृष्टि के निकट बिंदु का धुँधला पड़ना
3.	हाइपरमेट्रोपिया	दूर दृष्टि दोष

नीचे दिये गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिये:

a. केवल 2
b. केवल 1 और 2
c. केवल 2 और 3
d. 1, 2 और 3

उत्तर:(d)

व्याख्या: मायोपिया को **निकट दृष्टिदोष** के रूप में भी जाना जाता है। निकट दृष्टि वाले व्यक्ति आस-पास की वस्तुओं को स्पष्ट रूप से देख सकते हैं लेकिन दूर की वस्तुओं को स्पष्ट रूप से नहीं देख सकते हैं। **अत: युग्म 1 सुमेलित है।**

- **हाइपरमेट्रोपिया** को **दूरदृष्टिता** के रूप में भी जाना जाता है। हाइपरमेट्रोपिया वाले व्यक्ति दूर की वस्तुओं को स्पष्ट रूप से देख सकते हैं, लेकिन पास की वस्तुओं को स्पष्ट रूप से नहीं देख सकते हैं। **अत: युग्म 3 सुमेलित है।**
- उम्र बढ़ने के साथ आमतौर पर आंख के पुतलियों की शक्ति कम हो जाती है। ज़्यादातर लोगों में निकट बिंदु धीरे-धीरे धुँधला हो जाता है। इनके लिये सुधारात्मक चश्मे के बिना आस-पास की वस्तुओं को आराम से और स्पष्ट रूप से देखना मुश्किल हो जाता हैं। इस दोष को प्रेस्बायोपिया कहा जाता है। **अत: युग्म 2 सुमेलित है।**

24. प्रतिलेखन शब्द का क्या अर्थ है?

a. डी.एन.ए. की एक श्रृंखला से आनुवंशिक सूचना को आर.एन.ए. में कॉपी करना।
b. मूल डी.एन.ए. द्वारा आनुवंशिक सूचना की प्रतिकृति तैयार करना।
c. R स्ट्रेन बैक्टीरिया का S स्ट्रेन बैक्टीरिया में रूपांतरण।
d. आनुवंशिक भिन्नता जिसके परिणामस्वरूप एक ही प्रजाति के सदस्यों के बीच कई अलग-अलग रूप या व्यक्तियों के प्रकार हो सकते हैं।

उत्तर: (a)

व्याख्या: आर.एन.ए. में डी.एन.ए. के एक गुण से आनुवंशिक जानकारी की प्रतिलिपि बनाने की प्रक्रिया को प्रतिलेखन कहा जाता है। हालाँकि प्रतिरूप की प्रक्रिया के विपरीत एक जीव के कुल डी.एन.ए. को डुप्लिकेट किया जाता है, जबकि प्रतिलेखन में केवल डी.एन.ए. के एक खंड और केवल एक गुण को आर.एन.ए. में कॉपी किया जाता है। **अत: विकल्प (a) सही है।**

25. ICESat-2 उपग्रह के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. यह पृथ्वी की हिम परतों में हो रहे परिवर्तनों को मापने के लिये इसरो का एक उपग्रह है।
2. इसमें ऊँचाई मापने के लिये प्रयोग किया जाने वाला फोटॉन-काउंटिंग लेज़र एल्टीमीटर निहित है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

a. केवल 1
b. केवल 2
c. 1 और 2 दोनों
d. न तो 1 और न ही 2

उत्तर: (b)

- **व्याख्या:** ICESat-2 नासा की सबसे उन्नत अंतरिक्ष सैटेलाइट है जो पृथ्वी की

हिम चादरों, हिमनदों, समुद्री हिमों और विश्वभर में वनस्पतियों में हो रहे परिवर्तनों को मापने हेतु तैयार की गई है। **अत: कथन 1 सही नहीं है।**

- ICESat-2 एटलस (ATLAS- एडवांस टोपोग्राफिक लेज़र एल्टीमीटर सिस्टम) नामक फोटॉन-काउंटिग लेज़र एल्टीमीटर के साथ पृथ्वी की परिक्रमा करेगी। **अत: कथन 2 सही है।**
- यह उपकरण अंतरिक्ष से पृथ्वी तथा वापस यात्रा करने वाली फोटॉन के माध्यम से ऊँचाई को मापेगा।
- ICESat-2 विश्वभर मे वनों, झीलों, शहरी क्षेत्रों, बादल के आवरणों तथा अन्य की ऊँचाई का भी सर्वेक्षण करेगी। यह अंतरिक्ष से पृथ्वी के समतल क्षेत्रों का 3डी चित्रण करेगी।
- यह मिशन पृथ्वी के हिमाच्छादित क्षेत्रों यथा; क्राइसोफ्यर, जो हमारे मौसमों के तापन को प्रभावित करते है, का निकटतम विवरण प्रदान करेगी।

26. खसरा-रूबेला के विषय में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:
    1. खसरा और रूबेला दोनों ही विषाणु के कारण होते हैं।
    2. रूबेला विशेष चिंता का विषय है क्योंकि यह गंभीर जन्मजात दोष पैदा कर सकता है।
    3. खसरे से निमोनिया, दस्त और इंसेफेलाइटिस जैसी द्वितीयक स्वास्थ्य समस्याएँ उत्पन्न होती हैं।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-से सही हैं?

a. केवल 1 और 3
b. केवल 2 और 3
c. केवल 1 और 2
d. 1, 2 और 3

उत्तर:(d)

व्याख्या: खसरा (Measles) एक अत्यधिक संक्रामक विषाणु है जो खाँसी और छींक के माध्यम से संक्रमित व्यक्ति के संपर्क में आने से फैलता है। रूबेला (Rubella) जिसे जर्मन खसरा भी कहा जाता है, एक संक्रामक विषाणु संक्रमण है जिसे इसके विशिष्ट लाल चकत्ते द्वारा जाना जाता है। इस प्रकार ये दोनों संचारी रोग हैं। **अत: कथन 1 सही है।**

- रूबेला खसरा की तुलना में एक मामूली रोग का कारण बनता है, लेकिन यह विशेष चिंता का विषय है यदि एक गर्भवती महिला संक्रमित हो जाती है तो यह विषाणु गंभीर जन्मजात दोषों का कारण बन सकता है। यह नवजात शिशुओं में अंधापन, बहरापन, मानसिक मंदबुद्धि और हृदय दोष का कारण बन सकता है। **अत: कथन 2 सही है।**
- खसरा शरीर की प्रतिरक्षा प्रणाली को कमज़ोर करता है और निमोनिया, अंधापन, दस्त, और इंसेफेलाइटिस जैसी द्वितीयक स्वास्थ्य समस्याओं को जन्म दे सकता है। ये दुर्बलताकारी प्रभाव पाँच वर्ष से कम आयु के बच्चों और बीस वर्ष से अधिक आयु के वयस्कों में सबसे आम हैं। यदि कोई बच्चा ठीक हो जाता है तो भी वह स्थायी विकलांगता का शिकार हो सकता है। **अत: कथन 3 सही है।**

27. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:
    1. बेसिल कैलमेट-गुएरिन (बी.सी.जी.) टीके का उपयोग बच्चों को तपेदिक के गंभीर रूपों से सुरक्षा प्रदान करने हेतु टीकाकरण के लिये किया जाता है।
    2. वैश्विक स्तर पर तपेदिक का अधिकतम भार सामान्यत: पुरुषों पर पड़ता है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

a. केवल 1
b. केवल 2

c. 1 और 2 दोनों
d. न तो 1 और न ही 2

उत्तर: (c)

व्याख्या: डब्ल्यू.एच.ओ. की वैश्विक तपेदिक रिपोर्ट 2019

- निष्क्रिय तपेदिक संक्रमण से सक्रिय तपेदिक रोग के विकास के खतरे को कम करने के लिये उपलब्ध मुख्य स्वास्थ्य देखभाल हस्तक्षेप 'तपेदिक निवारक उपचार' (TB Preventive Treatment) है।
- बेसिल कैलमेट-गुएरिन (BCG) टीके के साथ बच्चों का टीकाकरण विशेष रूप से टी.बी. के गंभीर रूपों से सुरक्षा प्रदान कर सकता है। **अत: कथन 1 सही है।**
- 2018 में उपचार नामांकन और MDR/RR-TB के नए मामलों की अनुमानित संख्या के बीच वैश्विक अंतर के 75% के लिये दस देश उत्तरदायी थे, इस तरह इस अंतर को भरने में होने वाली प्रगति पर इसका एक वृहत् प्रभाव पड़ेगा।
- वे 10 देश थे- चीन, भारत, इंडोनेशिया, मोज़ांबिक, म्याँमार, नाइज़ीरिया, पाकिस्तान, फिलीपींस, रूसी संघ और वियतनाम। केवल चीन और भारत ही इस वैश्विक अंतर के 43% के लिये उत्तरदायी हैं।
- तपेदिक सभी आयु समूहों में दोनों लिंगों के लोगों को प्रभावित करता है लेकिन इसका सबसे अधिक भार पुरुषों (≥15 वर्ष) पर है, जिनकी 2018 में टी.बी. के कुल मामलों में 57% की हिस्सेदारी थी। **अत: कथन 2 सही है।**

28. घर्षण बल के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:
    1. यह अपने संपर्क क्षेत्र से स्वतंत्र होता है।
    2. यह दो सतहों के बीच सापेक्ष गति का विरोध करता है।

    उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?
    a. केवल 1
    b. केवल 2
    c. 1 और 2 दोनों
    d. न तो 1 और न ही 2

    उत्तर: (c)

    व्याख्या: घर्षण बल दो संपर्क पृष्ठों के बीच आपेक्षिक गति (आसन्न अथवा वास्तविक) का विरोध करता है। **अत: कथन 2 सही है।**
    - यह संपर्क बल का संपर्क पृष्ठों के अनुदिश घटक है।
    - घर्षण दो प्रकार के होते हैं: स्थैतिक और गतिज। स्थैतिक घर्षण आसन्न आपेक्ष गति का विरोध करता है, गतिज घर्षण वास्तविक आपेक्ष गति का विरोध करता है। वे संपर्क पृष्ठों के क्षेत्रफल से स्वतंत्र हैं। **अत: कथन 1 सही है।**

29. निम्नलिखित में से कौन 'सक्रिय परिवहन' है?
    a. यह श्वसन से ऊर्जा के उपयोग के साथ विसरण प्रवणता के विरुद्ध किसी पदार्थ का गमन है।
    b. यह ऊर्जा के उपयोग के बिना विसरण प्रवणता के विरुद्ध किसी पदार्थ का गमन है।
    c. यह प्रकाश संश्लेषण से ऊर्जा के उपयोग के साथ विसरण प्रवणता के विरुद्ध किसी पदार्थ का गमन है।
    d. यह श्वसन से ऊर्जा के उपयोग के साथ विसरण प्रवणता की दिशा में किसी पदार्थ का गमन है।

    उत्तर: (a)

    व्याख्या: सक्रिय परिवहन को एक ऐसी प्रक्रिया के रूप में परिभाषित किया जाता है जिसमें अणुओं का गमन एक ढाल या बाधा के विरुद्ध ऊर्जा के उपयोग के साथ निम्न सांद्रता के क्षेत्र से

उच्च सांद्रता के क्षेत्र की ओर होता है। **अत: विकल्प (a) सही है।**

- सक्रिय परिवहन सांद्रता प्रवणता के विरुद्ध अणुओं को पंप करने के लिये ऊर्जा का उपयोग करता है। सक्रिय परिवहन झिल्लिका-प्रोटीन द्वारा पूर्ण किया जाता है।
- सक्रिय परिवहन की प्रक्रिया के दौरान अणुओं को स्थानांतरित करने के लिये प्रोटीन पंप **ए.टी.पी.** के रूप में संग्रहीत ऊर्जा का उपयोग करता है।

30. समाचारों में रहने वाली 'लिडार टेक्नोलॉजी' का इस्तेमाल निम्नलिखित में से किसके लिये किया जा सकता है?

1. स्वचालित ड्राइविंग के लिये
2. आधारभूत अवसंरचना संबंधी परियोजनाओं के लिये
3. वायु प्रदूषण को मापने के लिये

नीचे दिये गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिये:

a. केवल 1
b. केवल 1 और 2
c. केवल 1 और 3
d. 1, 2 और 3

उत्तर: (d)

व्याख्या: LIDAR का तात्पर्य 'लाइट डिटेक्शन और रेंजिंग' है, यह एक सुदूर संवेदन पद्धति है जो पृथ्वी पर विभिन्न दूरियों (विभिन्न चरों के बीच की दूरी) को मापने के लिये स्पंदित लेज़र के रूप में प्रकाश का उपयोग करती है। हवाई प्रणाली द्वारा दर्ज अन्य आँकड़ों के साथ-साथ ये प्रकाश स्पंदन - पृथ्वी के आकार और इसकी सतह की विशेषताओं के बारे में सटीक, त्रि-आयामी जानकारी प्रदान करते हैं।

1. यह रडार के समान है लेकिन रडार में इस्तेमाल की जाने वाली ध्वनि की बजाय, लिडार प्रकाश का उपयोग करता है। इसलिये यह काफी तीव्र है। लिडार टेक्नोलॉजी के उपयोग:
2. **एयरबोर्न रडार मानचित्रण:** वन प्रबंधन और उसके लिये योजना बनाना, बाढ़ एवं प्रदूषण के लिये मॉडल तैयार करना, मानचित्रण और नक्शे बनाना, शहरी नियोजन, तटरेखा प्रबंधन, परिवहन नियोजन, तेल और गैस अन्वेषण; पुरातत्त्व और सेलुलर नेटवर्क की योजना बनाने के लिये।
3. **ग्राउंड-बेस्ड लिडार मैपिंग:** दृश्यता और गेमिंग, दुर्घटना/अपराध की दृश्यता, वास्तुकला, भवन, मरम्मत, नेविगेशन (ऑटोनोमस वाहन), मौसम विज्ञान (रमन लिडार का उपयोग वायुमंडलीय गैसों की सांद्रता मापने के लिये किया जाता है, लेकिन इसका इस्तेमाल ऐरोसॉल मापदंडों को पुन: प्राप्त करने के लिये भी किया जा सकता है) आदि।

अत: विकल्प (d) सही है।

31. राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण के अधीन नि:शुल्क विधिक सेवा प्रदान की जाती है:

1. औद्योगिक कामगारों को
2. अभिरक्षा में आए व्यक्तियों को
3. महिलाओं एवं बच्चों को

नीचे दिये गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिये:

a. केवल 1 और 2
b. केवल 1 और 3
c. केवल 2 और 3
d. 1, 2 और 3

उत्तर: (d)

व्याख्या: राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण के अंतर्गत नि:शुल्क विधिक सेवाएँ प्राप्त करने के लिये पात्र व्यक्तियों में शामिल हैं:

(i) महिलाएँ और बच्चे। **अत: कथन 3 सही है।**

(ii) अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के सदस्य।
(iii) औद्योगिक श्रमिक। **अत: कथन 1 सही है।**
(iv) बड़े पैमाने पर आपदा, हिंसा, बाढ़, सूखा, भूकंप, औद्योगिक आपदा के पीड़ित।
(v) दिव्यांग व्यक्ति।
(vi) हिरासत में व्यक्ति। **अत: कथन 2 सही है।**
(vii) वे व्यक्ति जिनकी वार्षिक आय 1 लाख से अधिक नहीं है (उच्चतम न्यायालय कानूनी सेवा समिति में यह सीमा 1,25,000 रुपए है)।
(viii) मानव तस्करी या बेगार से पीड़ित व्यक्ति।

32. उच्चतम न्यायालय के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:
    1. उच्चतम न्यायालय में न्यायाधीश के पद पर नियुक्ति हेतु न्यूनतम आयु 55 वर्ष है।
    2. उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश की सेवानिवृत्ति की आयु 65 वर्ष है।
    3. उच्चतम न्यायालय में न्यायाधीशों की अधिकतम संख्या (मुख्य न्यायाधीश को छोड़कर) 33 है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-से सही हैं?

a. केवल 1 और 2
b. केवल 2 और 3
c. 1, 2 और 3
d. उपरोक्त में से कोई नहीं

उत्तर: (b)

व्याख्या: उच्चतम न्यायालय का न्यायाधीश नियुक्त होने वाले व्यक्ति के पास निम्नलिखित अर्हताएँ होनी चाहिये:

1. वह भारत का नागरिक होना चाहिये।
2. (क) वह पाँच वर्षों तक उच्च न्यायालय का न्यायाधीश रहा हो; या

(ख) वह दस वर्षों तक उच्च न्यायालय (या अनुक्रमण में उच्च न्यायालयों) में वकील रहा हो।

(ग) वह राष्ट्रपति की नज़र में एक पारंगत विधिवेत्ता हो।

- उपर्युक्त से यह स्पष्ट है कि संविधान में उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश के तौर पर नियुक्ति के लिये न्यूनतम आयु निर्धारित नहीं की गई है। **अत: कथन 1 सही नहीं है।**

न्यायाधीशों का कार्यकाल: संविधान द्वारा उच्चतम न्ययालय के न्यायाधीश का कार्यकाल निश्चित नहीं किया गया है। हालाँकि संविधान इस संबंध में निम्नलिखित तीन प्रावधान करता है:

1. वह 65 वर्ष की आयु प्राप्त करने तक पद पर बना रहेगा। उसकी आयु से संबंधित कोई भी प्रश्न को ऐसे किसी प्राधिकारी द्वारा और ऐसे तरीके से निर्धारित किया जाएगा, जो संसद विनिर्दिष्ट करे।
2. वह राष्ट्रपति को त्यागपत्र देकर अपना पद त्याग सकता है।
3. उसे संसद की अनुंशसा पर राष्ट्रपति द्वारा उसके पद से हटाया जा सकता है।

अत: कथन 2 सही है।

- **उच्चतम न्यायालय (न्यायाधीशों की संख्या) अधिनियम, 1956** में मूल रूप से अधिकतम 10 न्यायाधीशों (भारत के मुख्य न्यायाधीश को छोड़कर) की नियुक्ति की बात कही गई है। इस संख्या को उच्चतम न्यायालय (न्यायाधीशों की संख्या) संशोधन अधिनियम, 1960 द्वारा बढ़ाकर 13 किया गया और 1977 में 17 किया गया।
- 1986 में सर्वोच्च न्यायालय में यह संख्या बढ़ाकर 25 की गई जिसमें भारत के मुख्य न्यायाधीश शामिल नहीं हैं। तत्पश्चात् 2019 में न्यायाधीशों की संख्या

को 31 से 33 तक बढ़ाने (मुख्य न्यायाधीश को छोड़कर) के लिये उच्चतम न्यायालय (न्यायाधीशों की संख्या) अधिनियम, 1956 में अंतिम बार संशोधन किया गया। **अत: कथन 3 सही है।**

- वर्तमान में उच्चतम न्यायालय अपनी कुल स्वीकृत संख्या 31 के साथ कार्य कर रहा है।

33. उच्च न्यायालय के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:
    1. केवल दिल्ली और पुदुच्चेरी ही ऐसे केंद्रशासित प्रदेश हैं, जहाँ उनका स्वयं का उच्च न्यायालय है।
    2. मुख्य न्यायाधीश की नियुक्ति भारत के मुख्य न्यायाधीश के परामर्श से राष्ट्रपति द्वारा की जाती है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

a. केवल 1
b. केवल 2
c. 1 और 2 दोनों
d. न तो 1 और न ही 2

उत्तर: (d)

व्याख्या: वर्तमान में देश में 25 उच्च न्यायालय हैं। उनमें से तीन सहाधिकार (Common) उच्च न्यायालय हैं। केवल दिल्ली ही ऐसा संघ शासित प्रदेश है जिसका 1966 से अपना उच्च न्यायालय हैं। अन्य संघ शासित प्रदेश विभिन्न राज्यों के उच्च न्यायालयों के अधिकार क्षेत्र में आते हैं। पुद्दुचेरी, मद्रास उच्च न्यायालय के अधिकार क्षेत्र में आता है। **अत: कथन 1 सही नहीं है।**

- संविधान के भाग-VI के अनुच्छेद- 214 से 231 में उच्च न्यायालयों के संगठन, स्वतंत्रता, आधिकारिता, शक्तियों, प्रक्रियाओं और ऐसे ही अन्य विषयों के बारे में बताया गया है।
- न्यायाधीशों की नियुक्ति: उच्च न्यायालयों के न्यायाधीश राष्ट्रपति द्वारा नियुक्त किये जाते हैं। मुख्य न्यायाधीश की नियुक्ति राष्ट्रपति द्वारा भारत के मुख्य न्यायाधीश तथा संबंधित राज्य के राज्यपाल से परामर्श के बाद की जाती है। **अत: कथन 2 सही नहीं है।**

34. ग्राम न्यायालय के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:
    1. ग्राम न्यायालय अधिनियम, 2008 'विधि आयोग' की सिफारिशों पर आधारित है।
    2. आपराधिक मामलों में अपील की सुनवाई ज़िला न्यायालय में होती है जबकि सिविल मामलों में इसका निपटान सत्र न्यायालय से होता है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

a. केवल 1
b. केवल 2
c. 1 और 2 दोनों
d. न तो 1 और न ही 2

उत्तर: (a)

व्याख्या: ग्राम न्यायालय अधिनियम, 2008 को नागरिकों को ज़मीनी स्तर पर न्याय तक अभिगम प्रदान करने और यह सुनिश्चित करने के लिये कि सामाजिक, आर्थिक या अन्य अक्षमताओं के कारण कोई नागरिक न्याय प्राप्त करने के अवसरों से वंचित न रहा जाए आदि उद्देश्यों के लिये प्रारंभिक स्तर पर ग्राम न्यायालयों की स्थापना के लिये अधिनियमित किया गया है।

- ग्राम न्यायालय अधिनियम, 2008 व्यापक तौर पर विधि आयोग की सिफारिशों पर आधारित है। **अत: कथन 1 सही है।**
- आपराधिक मामलों में अपील सत्र न्यायालय में की जाएगी और सिविल मामलों में अपील ज़िला न्यायालय में की जाएगी, जिस पर सुनवाई और निपटान अपील दायर करने की तिथि के छह महीने की अवधि के भीतर की जाएगी। **अत: कथन 2 सही नहीं है।**

35. उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीशों के वेतन, भत्ते, अन्य सुविधाएँ, छुट्टी और पेंशन के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. इनका निर्धारण समय-समय पर संसद द्वारा किया जाता है।
2. यह संसद द्वारा मतदेय हैं।
3. इनका भुगतान भारत की आकस्मिक निधि से किया जाता है।

उपर्युक्त में से कौन-से कथन सत्य नहीं हैं?

a. केवल 1 और 2
b. केवल 2 और 3
c. केवल 1 और 3
d. उपरोक्त सभी

उत्तर: (b)

व्याख्या: उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीशों के वेतन, भत्ते, सुविधाएँ, छुट्टियाँ और पेंशन समय-समय पर संसद द्वारा निर्धारित किये जाते हैं उन्हें किसी वित्तीय आपातकाल की अवधि को छोड़कर उनकी नियुक्ति के बाद बदला नहीं जा सकता। अत: उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीशों की सेवा शर्तें उनके कार्यकाल के दौरान समान रहती हैं। **अत: कथन 1 सही है।**

- न्यायाधीशों और स्टाफ के वेतन, भत्ते तथा पेंशन के साथ-साथ उच्चतम न्यायालय के सभी प्रशासनिक खर्च भारत की संचित निधि पर भारित होते हैं। **अत: कथन 2 सही नहीं है।**
- अत: उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीशों के वेतन, भत्ते, सुविधाएँ, छुट्टी और पेंशन आदि के मामले में संसद द्वारा मतदान नहीं कराया जा सकता है। **अत: कथन 3 सही नहीं है।**

36. निम्नलिखित में से कौन-से कथन सत्य हैं?

1. 1991 के 69वें संवैधानिक संशोधन अधिनियम में केंद्रशासित प्रदेश दिल्ली को विशेष दर्जा दिये जाने का प्रावधान है।
2. दिल्ली विधानसभा के संदर्भ में मंत्रिपरिषद की संख्या का निर्धारण विधानसभा की कुल संख्या के 15 प्रतिशत पर किया जाता है।
3. दादरा एवं नागर हवेली के प्रशासक समवर्ती रूप से दमन और दीव के प्रशासक होते हैं।

नीचे दिये गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिये:

a. केवल 1 और 2
b. केवल 1 और 3
c. केवल 2 और 3
d. 1, 2 और 3

उत्तर: (b)

व्याख्या: 69वें सांविधानिक संशोधन अधिनियम, 1991 में संघ शासित प्रदेश दिल्ली को विशेष दर्जा दिया गया है और इसे राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली के तौर पर पुनर्नामित किया है तथा दिल्ली के प्रशासक के रूप में नामित किया गया है। उपराज्यपाल दिल्ली के लिये एक विधानसभा और मंत्रिपरिषद का उपबंध करता है। **अत: कथन 1 सही है।**

- मंत्रिपरिषद की संख्या विधानसभा की कुल-संख्या के दस प्रतिशत तक निर्धारित की गई है, अर्थात् सात जिसमें एक मुख्यमंत्री और छह अन्य मंत्री। **अत: कथन 2 सही नहीं है।**
- दादरा तथा नगर हवेली का प्रशासक दमन एवं दीव का भी प्रशासक है जबकि लक्षद्वीप का एक अलग प्रशासक है। वहीं पंजाब का राज्यपाल चंडीगढ़ का भी प्रशासक है। **अत: कथन 3 सही है।**
- संविधान के भाग-VIII के अनुच्छेद-239 से 241 तक संघ शासित प्रदेशों के बारे में उपबंध किये गए हैं।
- संसद किसी संघ शासित प्रदेश के लिये एक उच्च न्यायालय स्थापित कर सकती है या उसे पड़ोसी राज्य के उच्च

न्यायालय के अधिकार क्षेत्र में रख सकती है।

- दिल्ली एकमात्र संघ शासित प्रदेश है जिसका अपना उच्च न्यायालय है (1966 से)।
- बंबई उच्च न्यायालय के अधिकार क्षेत्र में दो संघ शासित प्रदेश आते हैं - दादरा तथा नगर हवेली और दमन एवं दीव।
- अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह, चंडीगढ़, लक्षद्वीप और पुद्दुचेरी को क्रमश: कलकत्ता, पंजाब और हरियाणा, केरल और मद्रास उच्च न्यायालयों के अधिकार क्षेत्र में रखा गया है।

37. राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण (NALSA) के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:
    1. NALSA का गठन विधिक सेवा प्राधिकरण अधिनियम, 1987 के अधीन किया गया था।
    2. NALSA निर्धनों को नि:शुल्क विधिक सेवाएँ प्रदान करता है।
    3. NALSA विवादों के मैत्रीपूर्ण व सामंजस्यपूर्ण निबटान हेतु लोक अदालत के संचालन में सहायता करता है।

    उपर्युक्त कथनों में से कौन-से सही हैं?
    a. केवल 1 और 2
    b. केवल 1 और 3
    c. केवल 2 और 3
    d. उपरोक्त सभी

उत्तर: (d)

व्याख्या: संविधान के अनुच्छेद-39क में समाज के गरीब तथा कमज़ोर वर्गों को नि:शुल्क कानूनी सहायता और समान न्याय प्रदान करने की बात कही गई है। संविधान के अनुच्छेद 14 और 22(1) भी राज्य को विधि के सम्मुख समानता सुनिश्चित करने और एक विधिक व्यवस्था की स्थापना करना अनिवार्य बनाते हैं। जो सभी के लिये समान अवसर के आधार पर न्याय प्रदान करे।

- विधिक सहायता कार्यक्रमों के कार्यान्वयन के अनुवीक्षण एवं मूल्यांकन तथा अधिनियम के अंतर्गत विधिक सेवाओं को उपलब्ध कराने एवं नीतियाँ और सिद्धांत बनाने के लिये विधिक सेवा प्राधिकरण अधिनियम, 1987 के अधीन राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण (NALSA) का गठन किया गया है।

  अत: कथन 1 सही है।

इसके कार्य निम्नलिखित हैं:

1. पात्र व्यक्तियों को नि:शुल्क और उचित विधिक सेवाएँ प्रदान करना। **अत: कथन 2 सही है।**
2. विवादों के मैत्रीपूर्ण समाधान के लिये लोक अदालत आयोजित करना।

   अत: कथन 3 सही है।
3. ग्रामीण क्षेत्रों में विधि जागरूकता कैंप आयोजित करना।

नि:शुल्क विधिक सेवाओं में शामिल हैं:

(क) किसी कानूनी कार्रवाई के संबंध में न्यायालय शुल्क का भुगतान, प्रक्रिया शुल्क और अन्य सभी भुगतान योग्य या वहन किये गए प्रभार।

(ख) कानूनी कार्रवाइयों में वकीलों की सेवा प्रदान करना।

(ग) कानूनी कार्रवाइयों में आदेशों और अन्य दस्तावेज़ों की सत्यापित प्रतियाँ प्राप्त करना और प्रदान करना।

(घ) कानूनी कार्रवाइयों में अपील, दस्तावेज़ पुस्तिका का निर्माण जिसमें दस्तावेज़ों का मुद्रण और अनुवाद शामिल है।

38. उच्च न्यायालय में न्यायाधीश बनने हेतु पात्रता/अर्हता के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:
    1. इसके लिये भारत का नागरिक होना अनिवार्य है।

2. उसे संसद की नज़रों में एक सम्मानित विधिवेत्ता होना चाहिये।
3. उसे भारत के किसी क्षेत्र में 10 वर्षों तक न्यायिक पद पर होना चाहिये।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही नहीं है/हैं?

a. केवल 2 और 3
b. केवल 2
c. केवल 3
d. केवल 1 और 3

उत्तर:(b)

व्याख्या: न्यायाधीशों की अर्हताएँ:

उच्च न्यायालय में नियुक्ति हेतु न्यायाधीश पद के लिये निम्नलिखित अर्हताएँ होनी चाहिये:

1. उसे भारत का नागरिक होना चाहिये।

अत: कथन 1 सही है।

2. (क) उसने दस वर्षों तक भारत के क्षेत्रों में न्यायिक कार्यालय संभाला हो।

अत: कथन 3 सही है।

(ख) वह दस वर्षों तक उच्च न्यायालय का (या अनुक्रम में उच्च न्यायालय) वकील रहा हो।

- उपर्युक्त से यह स्पष्ट है कि संविधान ने उच्च न्यायालय के न्यायाधीश के तौर पर नियुक्ति के लिये न्यूनतम आयु निर्धारित नहीं की है। इसके अलावा उच्चतम न्यायालय की तरह संविधान उच्च न्यायालय के न्यायाधीश के तौर पर एक विधिवेत्ता की नियुक्ति के लिये कोई प्रावधान नहीं करता। **अत: कथन 2 सही नहीं है।**

39. न्यायिक समीक्षा के संबंध में निम्नलिखित में से कौन-सा कथन सत्य है/हैं?

1. न्यायिक समीक्षा की शक्तियों में संवैधानिक संशोधन के तहत कमी की जा सकती है।
2. संविधान में कहीं भी 'न्यायिक समीक्षा' शब्द का प्रयोग नहीं हुआ है।

नीचे दिये गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिये:

a. केवल 1
b. केवल 2
c. 1 और 2 दोनों
d. न तो 1 और न ही 2

उत्तर: (b)

व्याख्या: न्यायिक समीक्षा के सिद्धांत का उदय और विकास संयुक्त राज्य अमेरिका में हुआ।

- उच्चतम न्यायालय ने न्यायिक समीक्षा की शक्ति को संविधान की मूलभूत विशेषता या संविधान के मूलभूत ढाँचे के तत्त्व के तौर पर घोषित किया है। अत: न्यायिक समीक्षा की शक्ति को सांविधानिक संशोधन के द्वारा भी कम या समाप्त नहीं किया जा सकता है। **अत: कथन 1 सही नहीं है।**
- वाक्यांश 'न्यायिक समीक्षा' का संविधान में कहीं भी उपयोग नहीं किया गया है। **अत: कथन 2 सही है।**
- किसी वैधानिक अधिनियम या कार्यकारी आदेश की सांविधानिक वैधता को निम्नलिखित तीन आधारों पर उच्चतम न्यायालय या उच्च न्यायालय में चुनौती दी जा सकती है-

(क) यह मौलिक अधिकारों (भाग-III) का उल्लंघन करता है,

(ख) यह उस प्राधिकारी के सामर्थ्य के बाहर है जिसने इसे बनाया है, और

(ग) यह सांविधानिक प्रावधानों से असंगत है।

प्रथम संवैधानिक संशोधन अधिनियम, 1951 के द्वारा नौवीं अनुसूची के साथ अनुच्छेद-31ख भी जोड़ा गया।

40. उच्चतम न्यायालय के मूल क्षेत्राधिकार के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. विवाद में राजनीतिक मुद्दे से संबंधित प्रश्न शामिल नहीं होने चाहिये।
2. किसी गैर-शासकीय नागरिक द्वारा केंद्र सरकार अथवा राज्य सरकार के विरुद्ध दायर मुकदमे की सुनवाई उच्चतम न्यायालय में नहीं की जाएगी।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

a. केवल 1
b. केवल 2
c. 1 और 2 दोनों
d. न तो 1 और न ही 2

उत्तर: (c)

व्याख्या: उच्चतम न्यायालय के अनन्य मूल क्षेत्राधिकार के संबंध में दो बिंदु निम्नलिखित हैं:

1. विवाद में एक प्रश्न अवश्य होना चाहिये (कानून या तथ्य किसी का भी) जिस पर किसी विधिक अधिकार की मौजूदगी या विस्तार निर्भर करता है। अत: राजनीतिक प्रकृति के प्रश्न इसमें शामिल नहीं किये जाते।
2. केंद्र या राज्य के विरुद्ध किसी नागरिक द्वारा उच्चतम न्यायालय के सम्मुख लाए गए किसी निजी मुकदमे को इसके अधीन नहीं रखा जा सकता है।

अत: कथन 1 और 2 दोनों सही हैं।

41. क्षेत्रीय परिषदों के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. ये न तो संवैधानिक निकाय हैं और न ही सांविधिक।
2. प्रधानमंत्री क्षेत्रीय परिषदों का अध्यक्ष होता है।
3. इनकी सिफारिशें केवल परामर्शीय प्रकृति की होती हैं।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही नहीं है/हैं?

a. केवल 1
b. केवल 2
c. केवल 3
d. केवल 1 और 2

उत्तर: (d)

व्याख्या: क्षेत्रीय परिषदें सांविधिक (संवैधानिक नहीं) संस्थाएँ हैं। वे संसद द्वारा पारित: राज्य पुनर्गठन अधिनियम, 1956 द्वारा स्थापित की गई हैं। **अत: कथन 1 सही नहीं है।**

- इस अधिनियम ने देश को पाँच क्षेत्रों (उत्तरी, मध्य, पूर्वी, पश्चिमी और दक्षिणी) में विभाजित किया है और प्रत्येक क्षेत्र के लिये एक क्षेत्रीय परिषद का गठन किया है। उपर्युक्त क्षेत्रीय परिषदों के अतिरिक्त, उत्तर-पूर्वी परिषद संसद के एक अलग अधिनियम उत्तर-पूर्वी परिषद अधिनियम, 1971 द्वारा बनाई गई थी। इसके सदस्यों में असम, मणिपुर, मिज़ोरम, अरुणाचल प्रदेश, नगालैंड, मेघालय, त्रिपुरा और सिक्किम शामिल हैं।
- **प्रत्येक क्षेत्रीय परिषद में निम्नलिखित सदस्य होते हैं:**
  - केंद्र सरकार का गृहमंत्री
  - क्षेत्र में सभी राज्यों के मुख्यमंत्री
  - क्षेत्र में प्रत्येक राज्य से दो अन्य मंत्री
  - क्षेत्र में प्रत्येक केंद्रशासित प्रदेश के प्रशासक
- इसके अलावा निम्नलिखित व्यक्तियों को क्षेत्रीय परिषद में सलाहकार के रूप में शामिल किया जा सकता है (बैठकों में मतदान करने के अधिकार के बिना)।
  - योजना आयोग द्वारा मनोनीत व्यक्ति
  - क्षेत्र में प्रत्येक राज्य सरकार के मुख्य सचिव
  - क्षेत्र में प्रत्येक राज्य के विकास आयुक्त
- केंद्र सरकार के गृहमंत्री क्षेत्रीय परिषदों के अध्यक्ष होते हैं। प्रत्येक मुख्यमंत्री रोटेशन पद्धति द्वारा परिषद के उपाध्यक्ष

के रूप में कार्य करता है, जो एक वर्ष की अवधि के लिये इस पद पर बना रहता है। **अत: कथन 2 सही नहीं है।**

- क्षेत्रीय परिषदों का उद्देश्य राज्यों, केंद्रशासित प्रदेशों और केंद्र के बीच सहयोग और समन्वय को बढ़ावा देना है। वे आर्थिक और सामाजिक नियोजन, भाषायी अल्पसंख्यकों, सीमा विवाद, अंतर्राज्यीय परिवहन, जैसे मामलों के बारे में विचार-विमर्श और संस्तुति करते हैं। वे केवल चर्चात्मक और परामर्शदात्री निकाय हैं। **अत: कथन 3 सही है।**

42. निम्नलिखित में से किस भारतीय गवर्नर-जनरल के शासन काल के दौरान सहमति आयु अधिनियम, 1891 पारित किया गया था?

a. लॉर्ड मिंटो
b. लॉर्ड लैंसडाउन
c. लॉर्ड कर्ज़न
d. लॉर्ड बेंटिक

उत्तर: (b)

व्याख्या: गवर्नर-जनरल लॉर्ड लैंसडाउन (1888-1894) के कार्यकाल में सहमति आयु अधिनियम (Age of Consent Act), 1891 केंद्रीय विधान परिषद द्वारा पारित किया गया था। लैंसडाउन के शासन के दौरान ही भारतीय परिषद अधिनियम और द्वितीय कारखाना अधिनियम भी पारित किया गया था। इन्होंने ही ब्रिटिश भारत और अफगानिस्तान के बीच सीमारेखा के निर्माण करने के लिये डूरंड आयोग (Durand Commission) की नियुक्ति की थी। **अत: विकल्प (b) सही है।**

- सहमति आयु अधिनियम, 1891 (जिसे 1891 के 'Act X' के रूप में भी जाना जाता है) 19 मार्च, 1891 को ब्रिटिश भारत में पारित एक कानून था, जिसमें विवाहित या अविवाहित सभी स्त्रियों के लिये यौन संबंध के लिये सहमति की आयु दस वर्ष से बढ़ाकर बारह वर्ष कर दी। इसका उल्लंघन बलात्कार के रूप में आपराधिक अभियोजन के अधीन था।

43. मंत्रिपरिषद तथा मंत्रिमंडल में विभेदन के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. मंत्रिपरिषद एक सूक्ष्म निकाय है जिसमें 15 से 20 मंत्री शामिल होते हैं, जबकि मंत्रिमंडल 60 से 70 मंत्रियों का एक व्यापक निकाय है।
2. सरकारी दायित्वों को पूरा करने के लिये मंत्रिपरिषद एक निकाय के रूप में कार्य नहीं करती है।
3. मंत्रिपरिषद एक संवैधानिक निकाय है, जिसका उल्लेख संविधान के अनुच्छेद 74 और 75 में किया गया है, जबकि मंत्रिमंडल का उल्लेख संविधान में कहीं नहीं है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

a. केवल 1
b. केवल 1 और 3
c. केवल 2
d. 1, 2 और 3

उत्तर:(c)

व्याख्या: मंत्रिपरिषद बनाम मंत्रिमंडल

- मंत्रिपरिषद एक बड़ा निकाय है जिसमें 60 से 70 मंत्री होते हैं, जबकि मंत्रिमंडल एक छोटा निकाय है जिसमें 15 से 20 मंत्री होते हैं। **अत: कथन 1 सही नहीं है।**
- मंत्रिपरिषद में कैबिनेट मंत्री, राज्य मंत्री और उपमंत्री- तीनों स्तर के मंत्री शामिल होते हैं; जबकि मंत्रिमंडल में केवल कैबिनेट स्तर के मंत्री होते हैं। इस प्रकार यह मंत्रिपरिषद का भाग होता है।
- मंत्रिपरिषद में सरकारी कार्यों के निष्पादन के लिये बैठकें नहीं होती हैं।

इसकी कोई सामूहिक ज़िम्मेदारी भी नहीं होती है। जबकि मंत्रिमंडल की बैठक सप्ताह में एक बार सरकारी कार्यों के निष्पादन एवं उससे संबंधित निर्णय लेने के लिये होती है। **अत: कथन 2 सही है।**

- संविधान के अनुच्छेद 74 और 75 के अनुसार मंत्रिपरिषद एक संवैधानिक संस्था है। इसका आकार वर्गीकरण संविधान में उल्लिखित नहीं है। जबकि मंत्रिमंडल को 44वें संविधान संशोधन अधिनियम, 1978 के द्वारा मंत्रिमंडल शब्द को संविधान के अनुच्छेद 352 में शामिल किया गया था। इस प्रकार इसे मूल संविधान में स्थान नहीं मिला था। अनुच्छेद 352 में उल्लिखित कैबिनेट की परिभाषा के अनुसार यह प्रधानमंत्री और कैबिनेट स्तर के मंत्रियों का एक निकाय है। यह अनुच्छेद 75 के तहत नियुक्त संविधान में इसकी शक्तियों एवं कार्यों का भी उल्लेख नहीं किया गया है। **अत: कथन 3 सही नहीं है।**

44. निम्नलिखित में से कौन गुलामगिरी (1873) का/की लेखक/लेखिका है, जो निम्न जातियों की गुलामी का ऐतिहासिक विवरण प्रस्तुत करती है?

a. डॉ. बी.आर. अंबेडकर
b. महात्मा ज्योतिराव गोविंदराव फुले
c. सावित्रीबाई फुले
d. ई.वी. रामास्वामी नाइकर

उत्तर: (b)

व्याख्या: ज्योतिबा फुले नाम से प्रसिद्ध महात्मा ज्योतिराव गोविंदराव फुले (1827-1890) महाराष्ट्र के एक सामाजिक कार्यकर्त्ता, विचारक, जाति-विरोधी समाज सुधारक और लेखक थे। अस्पृश्यता और जाति व्यवस्था के उन्मूलन से लेकर स्त्रियों की मुक्ति तक कई समाज सुधार क्षेत्रों में उन्होंने बहुमूल्य योगदान किया है।

- 1873 में फुले ने अपने अनुयायियों के साथ मिलकर निम्न जातियों के लोगों के लिये समान अधिकार प्राप्त करने के उद्देश्य से सत्यशोधक समाज (Society of Seekers of Truth) की स्थापना की। सभी धर्मों और जातियों के लोग इस संघ का हिस्सा बन सकते थे। यह संघ पूर्णत: शोषित वर्गों के उत्थान के लिये सक्रिय था।
- फुले को भारतीय सामाजिक सुधार आंदोलन में एक विशिष्ट स्थान प्राप्त है। वे और उनकी पत्नी सावित्रीबाई फुले भारत में महिला शिक्षा के अग्रदूत माने जाते हैं। उन्हें प्राय: महिलाओं और निम्न जाति के लोगों को शिक्षित करने के प्रयासों के लिये जाना जाता है। फुले ने 1848 में पुणे में लड़कियों के लिये पहला विद्यालय शुरू किया था। ब्राह्मणचे कसाब (1869) में फुले ने ब्राह्मण पुरोहितों के शोषण को उजागर किया है। गुलामगिरी (1873) में उन्होंने निम्न जातियों की शोषणकारी स्थिति का एक ऐतिहासिक सर्वेक्षण प्रस्तुत किया है। **अत: विकल्प (b) सही है।**
- उनके द्वारा इस पुस्तक के लेखन के लगभग दस वर्ष पूर्व तक अमेरिकी गृहयुद्ध चला, जिसके परिणामस्वरूप अमेरिका में गुलामी का अंत हुआ था। फुले ने अपनी पुस्तक उन सभी अमेरिकियों को समर्पित की जो दासों की मुक्ति के लिये लड़े थे और इस प्रकार उन्होंने भारत में 'निम्न' जातियों की स्थिति और अमेरिका में काले दासों की स्थिति के बीच एक कड़ी स्थापित की।

45. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. इस अधिनियम के अंतर्गत पहली बार किसी भारतीय को वायसराय और

गवर्नर की कार्यकारी परिषद में शामिल करने का प्रावधान किया गया।

2. इस अधिनियम ने सांप्रदायिक प्रतिनिधित्व प्रणाली की शुरुआत की जिसे पृथक् निर्वाचन कहा जाता है।
3. इस अधिनियम ने केंद्रीय परिषद में सरकारी बहुमत को बनाए रखा लेकिन प्रांतीय परिषदों में गैर-सरकारी बहुमत की अनुमति दी।

उपर्युक्त विशेषताएँ निम्नलिखित अधिनियम के प्रावधान हैं:

a. भारतीय परिषद अधिनियम, 1861
b. भारतीय परिषद अधिनियम, 1892
c. भारतीय परिषद अधिनियम, 1909
d. भारत शासन अधिनियम, 1919

उत्तर: (c)

व्याख्या: भारतीय परिषद अधिनियम, 1909 की विशेषताएँ

- **इस अधिनियम को मॉर्ले-मिंटो सुधार के रूप में भी जाना जाता है**
- इसने दोनों केंद्रीय और प्रांतीय विधान परिषदों के आकार में काफी वृद्धि की।
- इसने केंद्रीय विधान परिषद में आधिकारिक बहुमत बनाए रखा लेकिन प्रांतीय विधान परिषदों को गैर-आधिकारिक बहुमत प्रदान किया।
- इसने दोनों स्तरों पर विधान परिषदों के विचारात्मक कार्यों को आगे बढ़ाया। उदाहरणस्वरूप सदस्यों को अनुपूरक प्रश्न पूछने तथा बजट पर प्रस्ताव रखने आदि की अनुमति दी गई।
- इसने पहली बार वायसराय और गवर्नर्स की कार्यकारी परिषदों के साथ भारतीयों को एसोसिएशन बनाने का प्रावधान किया।
- इसने 'पृथक् निर्वाचन' की अवधारणा को स्वीकार करते हुए मुसलमानों के लिये सांप्रदायिक प्रतिनिधित्व की एक प्रणाली शुरू की।

46. आत्मसम्मान आंदोलन के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. डॉ. बी.आर. अंबेडकर ने आत्मसम्मान आंदोलन की शुरुआत की।
2. इस आंदोलन का उद्देश्य अस्पृश्यता का विरोध करना था।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

a. केवल 1
b. केवल 2
c. 1 और 2 दोनों
d. न तो 1 और न ही 2

उत्तर: (b)

व्याख्या: गैर-ब्राह्मण आंदोलन बीसवीं सदी के पूर्वार्द्ध में शुरू हुआ। यह पहल उन गैर-ब्राह्मण जातियों की थी जिन्होंने शिक्षा, धन और शक्ति अर्जित कर लिया था। उन्होंने तर्क दिया कि ब्राह्मण उत्तर से आए उन आर्य आक्रमणकारियों के वंशज हैं जिन्होंने इस क्षेत्र के मूल निवासी द्रविड़ जाति को हराकर दक्षिणी भूभाग पर विजय प्राप्त की थी।

- उन्होंने सत्ता पर ब्राह्मणवादी दावों को भी चुनौती दी। पेरियार नाम से प्रसिद्ध ई.वी. रामास्वामी नायकर एक मध्यमवर्गीय परिवार में पले-बढ़े थे। दिलचस्प बात यह है कि वे अपने आरंभिक जीवन में संन्यासी थे और उन्होंने संस्कृत शास्त्रों का गंभीरता से अध्ययन किया था। बाद में वे कॉन्ग्रेस के सदस्य बन गए लेकिन उन्होंने राष्ट्रवादियों द्वारा आयोजित एक समारोह में देखा कि वहाँ बैठने की व्यवस्था में जातिगत भेद किया गया, निम्न जातियों की उच्च जातियों से कुछ दूरी पर बैठने की व्यवस्था की गई थी इससे दुखी होकर उन्होंने कॉन्ग्रेस की सदस्यता छोड़ दी। पेरियार को समझ में आ गया था कि 'अछूतों' को अपने

स्वाभिमान के लिये स्वयं संघर्ष करना होगा और इस उद्देश्य से उन्होंने स्वाभिमान अथवा आत्मसम्मान आंदोलन (Self Respect Movement) की शुरुआत की। **अत: कथन 1 सही नहीं है।**

- पेरियार का कहना था कि मूल रूप से तमिल और द्रविड़ संस्कृति के असली वाहक अछूत ही हैं जिन्हें ब्राह्मणों ने अपने अधीन कर लिया है। उनका मानना था कि सभी धार्मिक नेता और मुखिया सामाजिक विभाजनों को ईश्वरप्रदत्त मानते हैं, इसलिये सामाजिक समानता के लिये सभी धर्मों से अछूतों को स्वयं मुक्ति पानी होगी। पेरियार हिंदू धर्मग्रंथों के भी मुखर आलोचक थे, विशेष रूप से मनु संहिता, भगवदगीता और रामायण की उन्होंने कटु आलोचना की। उनका कहना था कि ब्राह्मणों ने निम्न जातियों पर अपनी सत्ता तथा स्त्रियों पर पुरुषों का प्रभुत्व स्थापित करने के लिये इन ग्रंथों का सहारा लिया है। **अत: कथन 2 सही है।**

47. भारत में न्यायिक पुनर्विलोकन के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:
    1. न्यायिक पुनर्विलोकन के प्रावधान को संयुक्त राज्य अमेरिका के संविधान से अपनाया गया है।
    2. भारत में सर्वोच्च न्यायालय की न्यायिक पुनर्विलोकन की शक्ति का दायरा अमेरिकी सर्वोच्च न्यायालय की तुलना में अधिक व्यापक है।
    3. जो भी विधियाँ (नौवीं अनुसूची में शामिल विधियों सहित) संविधान के मूलभूत ढाँचे का उल्लंघन करती हैं, वे सभी न्यायिक पुनर्विलोकन के अधीन आती हैं।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

a. केवल 1
b. केवल 1 और 3
c. केवल 2
d. 1, 2 और 3

उत्तर: (b)

- **व्याख्या:** न्यायिक समीक्षा के सिद्धांत का उद्भव तथा विकास संयुक्त राज्य अमेरिका में हुआ। उच्चतम न्यायालय ने न्यायिक समीक्षा की शक्ति की घोषणा संविधान की मूलभूत विशेषता या संविधान की मूल संरचना के तत्त्व के रूप में की है। इसलिये, न्यायिक समीक्षा की शक्ति को संवैधानिक संशोधन द्वारा भी न तो कम किया जा सकता है न ही हटाया जा सकता है। **अत: कथन 1 सही है।**
- न्यायिक समीक्षा केंद्र सरकार और राज्य सरकार दोनों के विधायी अधिनियमों और कार्यकारी आदेशों की संवैधानिकता की जाँच करने की न्यायपालिका की शक्ति है। जाँच में यदि वे संविधान का उल्लंघन (अधिकारातीत) करते हैं, तो उन्हें न्यायपालिका द्वारा अवैध, असंवैधानिक और अमान्य (अकृत और शून्य) घोषित किया जा सकता है। परिणामस्वरूप वे सरकार द्वारा लागू नहीं किये जा सकते हैं।

न्यायिक समीक्षा की आवश्यकता निम्न कारणों से होती है:

a. संविधान की सर्वोच्चता के सिद्धांत को बनाए रखने के लिये।
b. संघीय संतुलन (केंद्र और राज्यों के बीच संतुलन) को बनाए रखने के लिये।
c. नागरिकों के मौलिक अधिकारों की रक्षा के लिये।

- भारत में न्यायिक समीक्षा का दायरा संयुक्त राज्य अमेरिका में न्यायिक समीक्षा के दायरे की तुलना में संकुचित है, हालाँकि अमेरिकी संविधान के किसी

भी प्रावधान में न्यायिक समीक्षा की अवधारणा का स्पष्ट रूप से उल्लेख नहीं है। ऐसा इसलिये है क्योंकि अमेरिकी संविधान, भारतीय संविधान में निहित 'विधि द्वारा स्थापित प्रक्रिया' के विपरीत 'विधि की देय प्रक्रिया' का प्रावधान करता है। दोनों के बीच अंतर यह है कि विधि की देय प्रक्रिया, सर्वोच्च न्यायालय को अपने नागरिकों के अधिकारों को संरक्षण प्रदान करने के लिये व्यापक अधिकार प्रदान करती है। यह इन अधिकारों का उल्लंघन करने वाली विधियों को न केवल गैर-कानूनी होने के आधार पर, बल्कि अनुचित होने के प्रक्रियात्मक आधार पर अमान्य घोषित कर सकता है। यद्यपि सर्वोच्च न्यायालय कानून की संवैधानिकता निर्धारित करते समय केवल मूलभूत मुद्दों अर्थात् वह कानून संबंधी प्राधिकारों के अंतर्गत है या नहीं, की जाँच करता है। यह तर्कसंगतता, उपयुक्तता या नीति के प्रभाव के प्रश्न में नहीं जाता है। **अत: कथन 2 सही नहीं है।**

- भारतीय संविधान के पहले संशोधन द्वारा नौवीं अनुसूची को शामिल किया गया। पहले संविधान संशोधन अधिनियम द्वारा अनुच्छेद 31क और 31ख को शामिल किया गया। यह राज्य को निजी संपत्ति प्राप्त करने के लिये कानून बनाने का अधिकार प्रदान करता है। यह अनुच्छेद नौवीं अनुसूची का निर्माण करके इस तरह के कानूनों पर भेदभाव न करने के अलावा ऐसे सभी कानूनों को न्यायिक समीक्षा से सुरक्षा प्रदान करने का प्रावधान करता है। 11 जनवरी, 2007 को एक ऐतिहासिक निर्णय में भारत के उच्चतम न्यायालय ने फैसला सुनाया कि सभी विधियाँ (वे भी जो नौवीं अनुसूची में शामिल हैं) न्यायिक समीक्षा के अधीन आएंगी यदि वे संविधान की मूल संरचना का उल्लंघन करती हैं। भारत के मुख्य न्यायाधीश योगेश कुमार सभरवाल ने कहा, "यदि नौवीं अनुसूची में शामिल विधियाँ जो मौलिक अधिकारों को सीमित करती हैं या उनका हनन करती हैं, जिसके परिणामस्वरूप संविधान की मूल संरचना का उल्लंघन होता है, तो ऐसे कानूनों को अवैध घोषित करने की आवश्यकता है।"
- उच्चतम न्यायालय ने अपने निर्णय में कहा कि नौवीं अनुसूची के तहत 24 अप्रैल, 1973 के बाद बनाए गए कानूनों ने यदि संविधान के अनुच्छेद 14, 19, 20 और 21 के तहत निश्चित किये गए मौलिक अधिकारों का उल्लंघन किया तो उन्हें न्यायालय में चुनौती दी जा सकती हैं। **अत: कथन 3 सही है।**

48. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:
    1. वह स्वतंत्र भारत में भारतीय हस्तशिल्प, हथकरघा और थिएटर के पुनर्जागरण के पीछे मुख्य प्रेरक शक्ति थीं।
    2. वह असहयोग आंदोलन में सेवादल के महिला वर्ग की प्रभारी थीं।

उपर्युक्त कथनों में राष्ट्रीय स्वतंत्रता संग्राम से जुड़ी निम्नलिखित प्रमुख महिला नेताओं में से किसे संदर्भित किया गया है?

a. सरोजिनी नायडू
b. कमलादेवी चट्टोपाध्याय
c. एनी बेसेंट
d. उषा मेहता

उत्तर: (b)

व्याख्या: कमलादेवी चट्टोपाध्याय (3 अप्रैल, 1903-29 अक्तूबर, 1988) एक भारतीय समाज सुधारक और स्वतंत्रता सेनानी थीं। उन्हें भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन में उनके योगदान, स्वतंत्र भारत में भारतीय हस्तशिल्प, हस्तकरघा और

रंगमंच के पुनर्जागरण और सहकारिता को आगे बढ़ाकर भारतीय महिलाओं के सामाजिक-आर्थिक उत्थान की प्रेरक शक्ति के रूप में याद किया जाता है। **अत: विकल्प (b) सही है।**

- कमलादेवी को वर्ष 1923 में महात्मा गांधी के असहयोग आंदोलन के बारे में पता चला और वे तुरंत ही 'सेवा दल' में शामिल हो गईं जो सामाजिक उत्थान को बढ़ावा देने के लिये गठित एक गांधीवादी संगठन था। जल्द ही वे सेवा दल के महिला खंड की प्रभारी बना दी गईं, जहाँ वे पूरे भारत की सभी आयु वर्ग की महिलाओं और लड़कियों को भर्ती करने, प्रशिक्षण देने और उन्हें संगठित करने में जुट गईं, ताकि उन्हें 'सेविका' या स्वैच्छिक कार्यकर्त्ताओं के रूप में तैयार किया जा सके।
- 1926 में उनकी मुलाकात स्त्री मताधिकार कार्यकर्त्ता (Suffragette) सह ऑल इंडिया वीमन्स कॉन्फ्रेंस (AIWC) की संस्थापक मार्गरिट ई. कजिन्स से हुईं जिन्होंने उन्हें मद्रास प्रांतीय विधान सभा के चुनाव लड़ने के लिये प्रेरित किया। इस प्रकार वे भारत में विधानमंडल सीट पर चुनाव लड़ने वाली पहली महिला बनीं। 'इनर रिसेस एंड आउटर स्पेस' (Inner Recesses and Outer Spaces) कमलादेवी चट्टोपाध्याय की आत्मकथा है जो वर्ष 1986 में प्रकाशित हुई थी।

49. निम्नलिखित में से किसे भारतीय संविधान में मौलिक कर्त्तव्य के रूप में उल्लिखित नहीं किया गया है?

a. सार्वजनिक संपत्ति की सुरक्षा करना।
b. प्राकृतिक पर्यावरण की रक्षा और सुधार करना।
c. वैज्ञानिक दृष्टिकोण और ज्ञानार्जन की भावना का विकास करना।
d. अंतर्राष्ट्रीय शांति और सुरक्षा को बढ़ावा देना।

उत्तर: (d)

व्याख्या: सरदार स्वर्ण सिंह समिति की सिफारिशों के आधार पर 42वें संविधान संशोधन अधिनियम, 1976 को लागू किया गया। इसके माध्यम से संविधान में एक नया भाग IVक (अनुच्छेद 51क) जोड़ा गया। अनुच्छेद 51क के अनुसार यह भारत के प्रत्येक नागरिक का कर्त्तव्य होगा:

- संविधान का पालन करे और उसके आदर्शों, संस्थाओं, राष्ट्र ध्वज और राष्ट्रगान का आदर करे;
- स्वतंत्रता के लिये हमारे राष्ट्रीय आंदोलन को प्रेरित करने वाले उच्च आदर्र्शों को हृदय में संजोए रखे और उनका पालन करे
- भारत की संप्रभुता, एकता और अखंडता की रक्षा करे और उसे अक्षुण्ण रखे
- देश की रक्षा करे और आह्वान किये जाने पर राष्ट्र की सेवा करे
- भारत के सभी लोगों में समरसता और समान भ्रातृत्व की भावना का निर्माण करे जो धर्म, भाषा और प्रदेश या वर्ग पर आधारित सभी भेदभाव से परे हो, ऐसी प्रथाओं का त्याग करे जो स्त्रियों के सम्मान के विरुद्ध है
- हमारी सामासिक संस्कृति की गौरवशाली परंपरा का महत्त्व समझे और उसका परिरक्षण करे
- प्राकृतिक पर्यावरण जिसके अंतर्गत वन, झील, नदी और वन्य जीव हैं, रक्षा करे और उसका संवर्धन करे तथा प्राणिमात्र के प्रति दयाभाव रखे
- वैज्ञानिक दृष्टिकोण, मानववाद और ज्ञानार्जन तथा सुधार की भावना का विकास करे

- सार्वजनिक संपत्ति को सुरक्षित रखे और हिंसा से दूर रहे
- व्यक्तिगत और सामूहिक गतिविधियों के सभी क्षेत्रों में उत्कर्ष की ओर बढ़ने का सतत प्रयास करे जिससे राष्ट्र निरंतर बढ़ते हुए प्रयत्न और उपलब्धि की नई ऊँचाइयों को छू ले
- माता-पिता या संरक्षक छह वर्ष से चौदह वर्ष तक की आयु वाले अपने बच्चों या प्रतिपाल्य के लिये शिक्षा के अवसर प्रदान करे।
- अंतर्राष्ट्रीय शांति और सुरक्षा को बढ़ावा देना संविधान के अनुच्छेद 51 के तहत एक नीति निदेशक तत्त्व है। **अत: विकल्प (d) सही है।**

50. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

वर्ष 1851 में गवर्नर जनरल लॉर्ड डलहौजी ने एक राज्य के संदर्भ में कहा कि "यह एक चेरी के समान है जो एक दिन स्वयं हमारे मुँह में गिर जाएगी।"

उपर्युक्त कथन में लॉर्ड डलहौजी ने निम्नलिखित में से किस राज्य का उल्लेख किया था?

a. मराठा
b. अवध
c. झाँसी
d. मैसूर

उत्तर: (b)

- **व्याख्या:** वर्ष 1851 में गवर्नर जनरल लॉर्ड डलहौजी ने अवध की रियासत के बारे में कहा था कि 'यह चेरी (Cherry) एक दिन हमारे ही मुँह में आकर गिरेगा'। पाँच वर्ष बाद ही वर्ष 1856 में अवध को औपचारिक रूप से ब्रिटिश साम्राज्य में मिला लिया गया। **अत: विकल्प (b) सही है।**
- अवध का यह विलय कई चरणों में घटित हुआ। वर्ष 1801 में अवध पर सहायक संधि थोप दी गई थी। इस संधि की शर्तों के अनुसार, नवाब को अपना सैन्य बल भंग करना पड़ा, रियासत में अंग्रेज़ी सेना के टुकड़ियों की तैनाती की अनुमति मिली और दरबार में ब्रिटिश रेजीडेंट की नियुक्ति हुई, जिसकी सलाह पर ही नवाब को कार्य करना था। अपने सैन्य बल से वंचित होने के बाद नवाब रियासत में विधि-व्यवस्था के लिये दिनानुदिन अंग्रेज़ों पर निर्भर होता गया। विद्रोही सरदारों और ताल्लुकदारों पर अब उसका कोई नियंत्रण नहीं रह गया।
- इस बीच अवध को हड़पने में अंग्रेज़ों की रुचि लगातार बढ़ती जा रही थी। उन्हें लगता था कि अवध की भूमि नील और कपास के उत्पादन के लिये उपयुक्त है और इस क्षेत्र को उत्तरी भारत के एक प्रमुख बाज़ार के रूप में विकसित किया जा सकता है। इसके अलावा 1850 के दशक के प्रारंभ तक वे भारत के सभी प्रमुख क्षेत्रों- मराठा भूमि, दोआब, कर्नाटक, पंजाब और बंगाल पर विजय प्राप्त कर चुके थे। 1856 में अवध के अधिग्रहण से लगभग एक सदी पूर्व बंगाल के विजय से शुरू हुई क्षेत्रीय विस्तार की प्रक्रिया अब पूर्ण होने वाली थी।

51. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. निमोनिया फेफड़ों से संबंधित तीव्र श्वसन संक्रमण है।
2. निमोनिया संक्रामक रोग है जो खांसने या छींकने से फैल सकता है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

a. केवल 1
b. केवल 2
c. 1 और 2 दोनों
d. न तो 1 और न ही 2

उत्तर : (c)

व्याख्या:

- निमोनिया फेफड़ों का एक तीव्र श्वसन संक्रमण है। इसका केवल एक ही कारण नहीं है बल्कि यह हवा में मौजूद बैक्टीरिया, वायरस या कवक के कारण भी हो सकता है। **अतः कथन 1 सही है।**
    - जिन बच्चों की प्रतिरक्षा प्रणाली अपरिपक्व (यानी नवजात शिशु) या कमज़ोर होती है- जैसे कि अल्पपोषण या या एचआईवी जैसे रोग के कारण, उनके निमोनिया से संक्रमित होने की संभावना अधिक होती है।
- निमोनिया एक संक्रामक रोग है और खांसने या छींकने से भी फैल सकता है। यह तरल पदार्थों जैसे- बच्चे के जन्म के दौरान रक्त अथवा दूषित सतहों के माध्यम से भी फैल सकता है। **अतः कथन 2 सही है।**
- न्यूमोकोकल टीकाकरण एक विशिष्ट प्रकार के फेफड़ों के संक्रमण (निमोनिया) को रोकने की विधि है जो न्यूमोकोकस (Streptococcus pneumonia) नामक जीवाणु के कारण होता है।

52. आज़ाद पट्टन जल विद्युत परियोजना के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:
    1. इस परियोजना का निर्माण सिंधु नदी पर किया जा रहा है।
    2. यह चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारा (CPEC) का एक हिस्सा है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

a. केवल 1
b. केवल 2
c. 1 और 2 दोनों
d. न तो 1 और न ही 2

उत्तर : (b)

व्याख्या:

- हाल ही में पाकिस्तान एवं चीन ने 'पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर' (PoK) के सुधोटी ज़िले में 700 मेगावाट की 'आज़ाद पट्टन जल विद्युत परियोजना' के लिये एक समझौते पर हस्ताक्षर किये हैं। **अतः कथन 1 सही नहीं है।**
    - इस परियोजना का निर्माण 'चीन पाकिस्तान आर्थिक गलियारे' के अंतर्गत किया जाना है जो कि चीन की 'बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव' का हिस्सा है। **अतः कथन 2 सही है।**
- आज़ाद पट्टन जल विद्युत परियोजना झेलम की पाँच जलविद्युत परियोजनाओं में से एक है।
- आज़ाद पट्टन से ऊपर की ओर महाल (Mahl), कोहाला (Kohala) और चकोथी हट्टियन (Chakothi Hattian) परियोजनाएँ हैं, जबकि करोट (Karot) परियोजना नीचे की ओर अवस्थित है।

53. मेलाघाट बाघ अभयारण्य के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:
    1. यह नंदादेवी बायोस्फीयर रिज़र्व का हिस्सा है।
    2. यह भारत का सबसे बड़ा बाघ अभयारण्य है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

a. केवल 1
b. केवल 2
c. 1 और 2 दोनों
d. न तो 1 और न ही 2

उत्तर: (d)

व्याख्या:

- मेलघाट टाइगर रिज़र्व महाराष्ट्र के विदर्भ क्षेत्र- जो उत्तर और पूर्व में मध्य प्रदेश की सीमा से लगा हुआ है, में अमरावती ज़िले के मेलघाट वनों में स्थित है। यह

सतपुड़ा-मैकाल भू-दृश्य का एक हिस्सा है। **अतः कथन 1 सही नहीं है।**

- आंध्र प्रदेश स्थित नागार्जुनसागर-श्रीशैलम टाइगर रिज़र्व भारत का सबसे बड़ा बाघ अभयारण्य है। **अतः कथन 2 सही नहीं है।**
- **भारत में बाघों की सर्वाधिक संख्या मध्य प्रदेश के पेंच टाइगर रिज़र्व में है।**

54. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. जैव-उत्प्रेरण का तात्पर्य रासायनिक अभिक्रियाओं तेज़ करने के लिये जैविक स्रोतों से प्राप्त प्राकृतिक पदार्थों के उपयोग से है।
2. क्रायोजेनिक अभिक्रियाएँ उच्च तापमान पर की जाने वाली रासायनिक अभिक्रियाएँ हैं।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

a. केवल 1
b. केवल 2
c. 1 और 2 दोनों
d. न तो 1 और न ही 2

उत्तर: (a)

व्याख्या: जैव-उत्प्रेरण का तात्पर्य रासायनिक अभिक्रियाओं तेज़ (उत्प्रेरित) करने के लिये जैविक स्रोतों (जैसे- एंजाइम) से प्राप्त प्राकृतिक पदार्थों के उपयोग से है। **अतः कथन 1 सही है।**

- क्रायोजेनिक अभिक्रियाएँ अत्यंत कम तापमान (−150 °C से कम) पर की जाने वाली रासायनिक अभिक्रियाएँ हैं। **अतः कथन 2 सही नहीं है।**

55. भारत में ट्रांस-शिपमेंट टर्मिनल के विषय में निम्नलिखित कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

1. यह किसी बंदरगाह पर अवस्थित एक टर्मिनल है जो कंटेनरों का प्रबंधन करता है और उन्हें स्थायी रूप से संग्रहीत करता है।
2. भारत का पहला ट्रांस-शिपमेंट हब 'इंटरनेशनल कंटेनर ट्रांस-शिपमेंट टर्मिनल' (ICTT) वल्लारपदम टर्मिनल में विकसित किया जा रहा है।
3. वल्लारपदम टर्मिनल कोच्चि, केरल के कोचीन बंदरगाह का हिस्सा है।

नीचे दिये गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिये:

(a) केवल 1 और 2
(b) केवल 2 और 3
(c) केवल 1 और 3
(d) 1, 2 और 3

उत्तर : (b)

व्याख्या :

- ट्रांस-शिपमेंट वह टर्मिनल है जो अस्थायी रूप से कंटेनरों का प्रबंधन एवं संग्रहण करता है और उन्हें आगे के गंतव्य के लिये अन्य जहाज़ों में स्थानांतरित करता है। **अतः कथन 1 सही नहीं है।**
- 'इंटरनेशनल कंटेनर ट्रांस-शिपमेंट टर्मिनल' (ICTT) भारत का पहला ट्रांस-शिपमेंट हब है। हाल ही में पोत परिवहन मंत्रालय ने ICTT- जिसे स्थानीय रूप से वल्लारपड़म टर्मिनल (Vallarpadam Terminal) के नाम से जाना जाता है, से जुड़ी विकास गतिविधियों की समीक्षा की। **अतः कथन 2 सही है।**
- वल्लारपदम टर्मिनल कोच्चि, केरल के कोचीन बंदरगाह का एक हिस्सा है। **अतः कथन 3 सही है।**
- यह वल्लारपदम द्वीप पर स्थित है।

56. पारिस्थितिकी-संवेदी क्षेत्रों के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. उन्हें वन्यजीव संरक्षण अधिनियम, 1972 के तहत अधिसूचित किया गया है।
2. इन क्षेत्रों में जैविक कृषि की अनुमति है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

a. केवल 1

b. केवल 2
c. 1 और 2 दोनों
d. न तो 1 और न ही 2

उत्तर : (b)

व्याख्या: व्याख्या: पारिस्थितिकी संवेदी क्षेत्र या इको-सेंसिटिव ज़ोन (ESZ) संरक्षित क्षेत्रों, राष्ट्रीय उद्यानों और वन्यजीव अभयारण्यों के आस-पास 10 किलोमीटर तक की परिधि में आने वाले क्षेत्र हैं।

- ESZ को पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय (MoEFCC) द्वारा **पर्यावरण संरक्षण अधिनियम 1986** के तहत अधिसूचित किया जाता है। **अत: कथन 1 सही नहीं है।**
- भूदृश्य संयोजन की दृष्टि से महत्त्वपूर्ण क्षेत्रों, संवेदनशील गलियारों, संबद्धता/कनेक्टिविटी और पारिस्थितिक रूप से महत्त्वपूर्ण खंडों वाले क्षेत्रों को भी ESZ में शामिल किया जा सकता है **भले ही वे 10 किमी. की परिधि से बाहर हों।**
- ESZ घोषित करने का मूल उद्देश्य राष्ट्रीय उद्यानों और वन्यजीव अभयारण्यों के आस-पास के क्षेत्रों में कुछ गतिविधियों को नियंत्रित करना है ताकि संरक्षित क्षेत्रों को संलग्न करने वाले भेद्य पारिस्थितिकी तंत्र पर ऐसी गतिविधियों के नकारात्मक प्रभावों को कम किया जा सके।

ESZs में गतिविधियाँ

- **निषिद्ध गतिविधियाँ:** वाणिज्यिक खनन, आरा मशीनें, प्रदूषणकारी (वायु, जल, मिट्टी, शोर आदि) उद्योग, बड़ी जलविद्युत परियोजनाओं (HEP) की स्थापना, लकड़ी का व्यावसायिक उपयोग, राष्ट्रीय उद्यानों के ऊपर हॉट-एयर बैलून जैसी पर्यटन गतिविधियाँ, तरल अथवा ठोस अपशिष्ट का प्रवाह, खतरनाक पदार्थों का उत्पादन।
- **विनियमित गतिविधियाँ:** पेड़ों की कटाई, होटल और रिसॉर्ट की स्थापना, प्राकृतिक जल का व्यावसायिक उपयोग, बिजली के तार लगाना, कृषि प्रणाली में व्यापक परिवर्तन (जैसे- भारी प्रौद्योगिकी, कीटनाशक आदि का उपयोग), सड़कों का चौड़ीकरण।
- **अनुमत गतिविधियाँ:** कृषि या बागवानी की प्रचलित प्रणाली, वर्षा जल संचयन, जैविक कृषि, नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों का उपयोग, सभी गतिविधियों के लिये हरित प्रौद्योगिकी को अपनाना। **अत: कथन 2 सही है।**

57. दल-बदल विरोधी कानून के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. स्वेच्छा से राजनीतिक पार्टी की सदस्यता त्यागने पर किसी भी सदन के सदस्य को अयोग्य घोषित कर दिया जाता है।
2. दल-बदल विरोधी कार्यवाही में अध्यक्ष या अध्यक्ष के आदेश की न्यायिक समीक्षा नहीं की जाती है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

a. केवल 1
b. केवल 2
c. 1 और 2 दोनों
d. न तो 1 और न ही 2

उत्तर : (a)

व्याख्या: 52वें संविधान संशोधन अधिनियम, 1985 द्वारा भारतीय संविधान में एक नई अनूसूची जोड़ी गई तथा दल परिवर्तन के आधार पर निरर्हता के बारे में प्रावधान किया गया। इस अधिनियम को सामान्यतः 'दल-बदल कानून' कहा जाता है। इसके अनुसार, किसी सदन का सदस्य जो किसी राजनितिक दल का सदस्य है, उस सदन की सदन की सदस्यता के निरर्हक माना जाएगा यदि:

- वह स्वेच्छा से ऐसे राजनैतिक दल की सदस्यता छोड़ देता है; अथवा
- यदि वह उस सदन में अपने राजनीतिक दल के निर्देशों के विपरीत मत देता है या मतदान में अनुपस्थित रहता है तथा राजनीतिक दल से उसने 15 दिनों के भीतर क्षमादान न पाया हो।

अतः कथन 1 सही है।

- प्रारंभ में इस कानून के अनुसार अध्यक्ष का निर्णय अंतिम होता था तथा इस पर किसी न्यायालय में प्रश्न नहीं उठाया जा सकता था। लेकिन किहोतो होलोहन मामले (1993) में सर्वोच्च न्यायालय ने यह उपबंध इस आधार पर असंवैधानिक घोषित कर दिया गया कि यह सर्वोच्च न्यायालय तथा उच्च न्यायालय के अधिकार क्षेत्र से बाहर जाने का प्रयत्न है। **अतः कथन 2 सही नहीं है।**

58. भूकंप की भविष्यवाणी के लिये विकसित नई विधि के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:
    1. नई विधि फीलोसिलीकेट्स की घर्षण शक्ति के विश्लेषण पर आधारित है।
    2. फीलोसिलीकेट्स, मोटी प्लेटों के रूप में पाए जाने वाले खनिज हैं जो भ्रंशों के सबसे कमज़ोर हिस्से में पाए जाते हैं जहाँ भूकंप आते हैं।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही नहीं है/हैं?

a. केवल 1
b. केवल 2
c. 1 और 2 दोनों
d. न तो 1 और न ही 2

उत्तर : (b)

व्याख्या:

- हैरियट-वॉट यूनिवर्सिटी (Heriot-Watt University), स्कॉटलैंड के शोधकर्त्ताओं ने भूकंप की भविष्यवाणी की प्रक्रिया में सुधार करने के लिये एक नए गणितीय मॉडल का विकास किया है। इस अध्ययन के दौरान शोधकर्त्ताओं ने फीलोसिलीकेटस (Phyllosilicates) की घर्षण शक्ति (Frictional Strength) की भविष्यवाणी करने की कोशिश की। **अतः कथन 1 सही है।**
- घर्षण शक्ति (Frictional Strength) को एक प्लेट के विरुद्ध दूसरी प्लेट को धकेलने के लिये आवश्यक बल के रूप में परिभाषित किया जाता है। घर्षण शक्ति एक ऐसा कारक है जिसकी गणितीय माध्यम से गणना की जा सकती है।
- कुछ विशिष्ट प्रकार की चट्टाने भूकंप के दौरान महत्त्वपूर्ण भूमिका अदा करती हैं। इन चट्टानों को सामूहिक तौर पर फीलोसिलीकेटस (Phyllosilicates) कहा जाता है। चट्टानों के एक दूसरे से टकराने के पश्चात् भूकंप की उत्पत्ति होती है।
- फीलोसिलीकेट्स, पतली प्लेटों के रूप में पाए जाने वाले खनिज हैं जो भ्रंशों के सबसे कमज़ोर हिस्से में पाए जाते हैं जहाँ भूकंप आते हैं। **अतः कथन 2 सही नहीं है।**

59. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:
    1. राष्ट्रपति की क्षमादान शक्ति का दायरा राज्यपाल की क्षमादान शक्ति से अधिक व्यापक है।
    2. राज्यपाल की क्षमादान शक्ति केवल उन्ही मामलों में लागू होती है जिसमें एक व्यक्ति को राज्य के कानून के खिलाफ अपराध का दोषी पाया गया हो।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

a. केवल 1
b. केवल 2
c. 1 और 2 दोनों
d. न तो 1 और न ही 2

उत्तर : (c)

व्याख्या:

- अनुच्छेद 72 के तहत राष्ट्रपति को क्षमादान की शक्ति प्राप्त है, जबकि अनुच्छेद 161 के तहत राज्यपाल को क्षमादान की शक्ति प्राप्त है। इस शक्ति के तहत दोष सिद्ध कैदी दया-याचिका प्रस्तुत करके अपनी सज़ा को माफ़ करने के लिये गुहा राष्ट्रपति या राज्यपाल से गुहार लगा सकते हैं।
- अनुच्छेद 72 के तहत राष्ट्रपति की क्षमादान शक्ति का दायरा अनुच्छेद 161 के तहत राज्यपाल को प्राप्त क्षमादान शक्ति से अधिक व्यापक है। **अतः कथन 1 सही है।**
- राज्यपाल की क्षमादान शक्ति केवल उन्ही मामलों में लागू होती है जिसमें एक व्यक्ति को राज्य के कानून के खिलाफ अपराध का दोषी पाया गया हो। **अतः कथन 2 सही है।**
- हालाँकि राज्यपाल कोर्ट मार्शल और मृत्युदंड की सज़ा के मामले में क्षमादान नहीं दे सकता।

60. निम्नलिखित अंतर्राष्ट्रीय निकायों पर विचार कीजिये:

1. अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन
2. संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक और सांस्कृतिक संगठन
3. विश्व स्वास्थ्य संगठन
4. विश्व बैंक समूह

उपर्युक्त में से कौन संयुक्त राष्ट्र आर्थिक और सामाजिक परिषद के दायरे में आता है?

a. केवल 1
b. केवल 1 और 3
c. केवल 2 और 3
d. 1, 2, 3, 4

उत्तर : (d)

व्याख्या: संयुक्त राष्ट्र आर्थिक और सामाजिक परिषद (ECOSOC) संयुक्त राष्ट्र के प्रमुख अंगों में से एक है।

- यह समन्वय, नीति समीक्षा, नीति संवाद और आर्थिक, सामाजिक और पर्यावरणीय मुद्दों पर सिफारिशों के साथ-साथ अंतर्राष्ट्रीय रूप से सहमत विकास लक्ष्यों के कार्यान्वयन के लिये प्रमुख निकाय है।
- इसमें महासभा द्वारा चुने गए 54 सदस्य होते हैं तथा प्रत्येक सदस्य का कार्यकाल 3 वर्ष का होता है।
- यह संयुक्त राष्ट्र की 14 विशिष्ट एजेंसियों, दस कार्यात्मक आयोगों और पाँच क्षेत्रीय आयोगों के कार्यों का समन्वय करता है; नौ संयुक्त राष्ट्र कोषों एवं कार्यक्रमों से रिपोर्ट प्राप्त करता है तथा संयुक्त राष्ट्र प्रणाली एवं सदस्य राज्यों के लिये नीतिगत सिफारिशें जारी करता है।
- **ECOSOC के दायरे में आने वाले कुछ महत्त्वपूर्ण निकाय:**
  - **अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन (ILO)**
  - खाद्य एवं कृषि संगठन (FAO)
  - **संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक और सांस्कृतिक संगठन (UNESCO)**
  - **विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO)**
  - **ब्रेटन वुड्स ट्विन्स (विश्व बैंक समूह तथा अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष)**
  - संयुक्त राष्ट्र बाल कोष (UNICEF)
- **अतः विकल्प (d) सही है।**

61. हाल ही में समाचारों में रहा 'बाथिनोमस रक्सासा' है:

a. झारखंड की खारिया जनजाति द्वारा किया जाने वाला नृत्य रूप।

b. सुंदरबन में पाए जाने वाली विशाल गिलहरी का वैज्ञानिक नाम।
c. हिंद महासागर में पाई गई विशालकाय आइसोपॉड प्रजाति।
d. पश्चिमी घाट में पाए जाने वाले विशालकाय वृक्ष की एक प्रजाति।

उत्तर : (C)

व्याख्या:

- हाल ही में सिंगापुर के शोधकर्त्ताओं ने पूर्वी हिंद महासागर में पहली 'सुपरजाएंट' (Supergiant) आइसोपॉड प्रजाति 'बाथिनोमस रक्सासा' (Bathynomus Raksasa) की खोज की है। **अतः विकल्प (c) सही है।**
- 'बाथिनोमस रक्सासा' को समुद्र का कॉकरोच भी कहा जाता है।
- सिंगापुर के शोधकर्त्ताओं की एक टीम ने वर्ष 2018 में इंडोनेशिया में पश्चिम जावा के दक्षिणी तट से दूर हिंद महासागर के अस्पष्टीकृत जल में एक जीव की खोज की थी।
- 'बाथिनोमस रक्सासा' जीनस बाथिनोमस (Bathynomus) का एक विशाल आइसोपॉड (Isopod) है। ये विशाल आइसोपॉड्स केकड़ों, लॉबस्टर एवं झींगा मछलियों से संबंधित हैं और ये प्रशांत महासागर, अटलांटिक महासागर एवं हिंद महासागर की गहराई में पाए जाते हैं।
- आइसोपॉड प्रजाति का एकमात्र सदस्य जो आकार में 'बाथिनोमस रक्सासा' से अधिक है 'बाथिनोमस गिगेंटियस' (Bathynomus Giganteus) है जो आमतौर पर पश्चिमी अटलांटिक महासागर के गहरे जल में पाया जाता है।

62. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:
1. कैसुअरीना पादप वर्ग के क्लोन लवण प्रभावित मिट्टी के लिये उपयुक्त हैं।
2. फ्रेंकिया नाम जीवाणु के साथ सहजीवी संबंध के चलते कैसुअरीना नाइट्रोजन स्थिरीकरण में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?
a. केवल 1
b. केवल 2
c. 1 और 2 दोनों
d. न तो 1 और न ही 2

उत्तर : (c)

व्याख्या: वर्ष 2019 के लिये वानिकी में उत्कृष्ट अनुसंधान के लिये राष्ट्रीय पुरस्कार कन्नन सी एस वॉरियर (Kannan C S Warrier) को दिया गया है जो 'इंस्टीट्यूट ऑफ फॉरेस्ट जेनेटिक्स एंड ट्री ब्रीडिंग' (Institute of Forest Genetics and Tree Breeding- IFGTB) के वैज्ञानिक हैं।

- देश में पहली बार उपयुक्त लवणीय मृदा के लिये कैसुअरीना (Casuarina) के तीन लवण-सहिष्णु उत्पादक क्लोन जारी करने के लिये 'कन्नन सी एस वॉरियर' को यह पुरस्कार प्रदान किया गया है। **अतः कथन 1 सही है।**
- भारत में 6.73 मिलियन हेक्टेयर क्षेत्र लवण प्रभावित है और यह दुनिया में कैसुअरीना (Casuarina) का सबसे बड़ा उत्पादक क्षेत्र भी है जो इन क्लोनों के उत्पादन के लिये एक महत्त्वपूर्ण स्थान भी है।
- कैसुअरीना (Casuarina) जिसे कट्टडी (Kattadi) एवं सवुक्कू (Savukku) के नाम से भी जाना जाता है, एक पौधे की प्रजाति है जिसकी कैसुअरीना इक्विसेटिफोलिया (Casuarina Equisetifolia) सहित 17 से अधिक प्रजातियाँ हैं।
- यह बैक्टीरिया फ्रैंकिया (Frankia) के साथ सहजीवी संघ में 'नाइट्रोजन स्थिरीकरण' (Nitrogen Fixation) में

प्रमुख भूमिका निभाता है। **अतः कथन 2 सही है।**

- यह ईंधन की लकड़ी, कागज बनाने की लुगदी और बायोमास-आधारित बिजली उत्पादन के लिये एक पसंदीदा विकल्प है।
- इनका उपयोग तटीय क्षेत्रों में आश्रय के लिये और कृषि फसलों एवं केले के बागानों की रक्षा के लिये वायु अवरोध के रूप में किया जाता है।

63. हाल ही में समाचारों में रहा ब्लैकरॉक एंड्राइड मैलवेयर किस प्रकार का मैलवेयर है?

a. वायरस
b. ट्रोजन
c. रैंसमवेयर
d. वर्म्स

उत्तर: (b)

व्याख्या: ब्लैकरॉक एक बैंकिंग ट्रोजन है और इसे मौजूदा Xerxes मैलवेयर का वर्जन कहा जा रहा है, जो स्वयं लोकीबॉट एंड्राइड मैलवेयर ट्रोजन का ही एक संस्करण है। **अतः विकल्प (b) सही है।**

- ब्लैकरॉक और अन्य एंड्रॉइड बैंकिंग मैलवेयर के बीच सबसे बड़ा अंतर यह है कि ये पहले से मौजूद सभी मैलवेयरों की तुलना में अधिक एप्स को लक्षित कर सकता है।
- यह मैलवेयर किसी नए एप्लीकेशन को डाउनलोड करते समय ही उसी के साथ हमारे फोन में प्रवेश करता हैं।
- ब्लैकरॉक मैलवेयर भी अधिकांश एंड्रॉइड मैलवेयर की तरह ही कार्य करता है, एक बार फोन में इनस्टॉल (Install) होने के पश्चात् यह लक्षित एप की निगरानी करता है और जब उपयोगकर्त्ता लॉगिन अथवा क्रेडिट कार्ड संबंधी संवेदनशील जानकारी का प्रयोग करता है, तो यह मैलवेयर इस संवेदनशील जानकारी को अपने सर्वर के पास भेज देता है।

64. राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया कोष (NDRF) के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. इस कोष को भारत सरकार की आकस्मिक निधि में शामिल किया गया है।
2. इस कोष किये जाने वाले व्यय के लिये संसदीय अनुमोदन की आवश्यकता नहीं होती।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

a. केवल 1
b. केवल 2
c. 1 और 2 दोनों
d. न तो 1 और न ही 2

उत्तर: (b)

व्याख्या: वर्ष 2005 में आपदा प्रबंधन अधिनियम के अधिनियमन के साथ राष्ट्रीय आपदा आकस्मिकता निधि (NCCF) का नाम बदलकर राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया कोष (NDRF) कर दिया गया था।

- इसे आपदा प्रबंधन अधिनियम, 2005 की धारा 46 में परिभाषित किया गया है।
- इसे भारत सरकार के 'लोक लेखा' (Public Account) में शामिल किया गया है। **अतः कथन 1 सही नहीं है।**
- लोक लेखा का गठन संविधान के अनुच्छेद 266 (2) के तहत किया गया था। जहाँ सरकार केवल एक बैंकर के रूप में कार्य कर रही होती है ऐसे लेन-देन के लिये इसका प्रयोग किया जाता है। उदाहरण के लिये; भविष्य निधि, छोटी बचत, आदि।
- इससे होने वाले व्यय को संसद द्वारा अनुमोदित किये जाने की आवश्यकता नहीं होती है। **अतः कथन 2 सही है।**

65. पवित्र उपवनों के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. ये ऐसे संरक्षित वन हैं जिनका संरक्षण करने वाले समुदाय से महत्त्वपूर्ण धार्मिक संबंध होता है।
2. इन वनों को पर्यावरण संरक्षण अधिनियम, 1986 के तहत विधिक संरक्षण प्राप्त है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

a. केवल 1
b. केवल 2
c. 1 और 2 दोनों
d. न तो 1 और न ही 2

उत्तर : (a)

व्याख्या:

- पवित्र उपवन ऐसे संरक्षित वन हैं जिनका संरक्षण करने वाले समुदाय से महत्त्वपूर्ण धार्मिक संबंध होता है। **अतः कथन 1 सही है।**
- यहाँ कई दुर्लभ एवं स्थानिक प्रजातियाँ, औषधीय और आर्थिक मूल्य वाली प्रजातियाँ पाई जा सकती हैं, जो इन उपवनों को जैव-विविधता हॉटस्पॉट बनाती हैं। इन उपवनों में कुछ गंभीर रूप से लुप्तप्राय पौधों की प्रजातियों के जीन भी पाए जाते हैं।
- वे प्रायः धार्मिक विश्वासों से जुड़े होते हैं इसलिये पवित्र उपवनों में वृक्षों की कटाई को वर्जित माना जाता है।
- पवित्र उपवनों को वन्यजीव (संरक्षण) संशोधन अधिनियम, 2002 के तहत 'सामुदायिक रिज़र्व' के रूप में कानूनी संरक्षण प्राप्त है। **अतः कथन 2 सही नहीं है।**

66. निम्नलिखित में से कौन-सा निकाय 'विश्व में खाद्य सुरक्षा और पोषण की स्थिति' नामक रिपोर्ट को तैयार करने में शामिल नहीं है?

a. संयुक्त राष्ट्र का खाद्य और कृषि संगठन (FAO)
b. अंतर्राष्ट्रीय कृषि विकास कोष (IFAD)
c. अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन (ILO)
d. विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO)

उत्तर: (c)

व्याख्या:

- विश्व में खाद्य सुरक्षा और पोषण की स्थिति (State of Food Security and Nutrition in the World) एक महत्त्वपूर्ण वार्षिक रिपोर्ट है। यह रिपोर्ट संयुक्त राष्ट्र के क खाद्य एवं कृषि संगठन (FAO), कृषि विकास के लिये अंतर्राष्ट्रीय कोष (IFAD), संयुक्त राष्ट्र बाल कोष (यूनिसेफ), विश्व खाद्य कार्यक्रम (WFP) और विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) द्वारा संयुक्त रूप से तैयार की जाती है। यह रिपोर्ट सतत् विकास के लिये एजेंडा 2030 के संदर्भ में भुखमरी को समाप्त करने, खाद्य सुरक्षा प्राप्त करने और पोषण में सुधार करने के लक्ष्य को प्राप्त करने में हुई प्रगति तथा इस लक्ष्य को प्राप्त करने के मार्ग में आने वाली महत्त्वपूर्ण चुनौतियों पर गहन विश्लेषण प्रदान करती है।
    - **अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन (ILO) 'विश्व में खाद्य सुरक्षा और पोषण की स्थिति' रिपोर्ट तैयार करने में शामिल नहीं है। अतः विकल्प (c) सही है।**
- रिपोर्ट में नीति-निर्माताओं, अंतर्राष्ट्रीय संगठनों, शैक्षणिक संस्थानों और आम जन सहित व्यापक दायरे को लक्षित किया गया है।
- हाल ही में जारी रिपोर्ट के अनुसार, विश्वभर में भूख और कुपोषण बढ़ रहा है। इस परिदृश्य में वर्ष 2030 तक सतत् विकास लक्ष्य संख्या 2 (जीरो हंगर) को प्राप्त करना बहुत मुश्किल होगा।

67. 'सीरो-निगरानी' के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. इसका उद्देश्य विशिष्ट एंटीबॉडी की उपस्थिति का पता लगाकर आबादी में किसी बीमारी के प्रसार का आकलन करना है।
2. यह पूर्व में हुए संक्रमणों का संकेत देता है तथा सक्रिय संक्रमण का भी पता लगाता है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

a. केवल 1
b. केवल 2
c. 1 और 2 दोनों
d. न तो 1 और न ही 2

उत्तर: (a)

व्याख्या:

- सीरो-सर्वेक्षण अध्ययनों में लोगों के ब्लड सीरम की जाँच करके किसी आबादी या समुदाय में ऐसे लोगों की पहचान की जाती है, जिनमें किसी संक्रामक रोग अथवा वायरस के खिलाफ एंटीबॉडी विकसित हो जाती हैं। **अतः कथन 1 सही है।**
- यह शरीर में सक्रिय संक्रमण का पता लगाने में काम नहीं आता है बल्कि यह पूर्व में हुए संक्रमण (जो प्रतिरक्षा प्रतिक्रिया पर वार करता है) को इंगित करता है। **अतः कथन 2 सही नहीं है।**
- एलिसा का प्रयोग करके इम्युनोग्लोबुलिन G का परीक्षण करना: भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (ICMR) द्वारा अनुमोदित COVID कवच एलिसा किट के माध्यम से IgG एंटीबॉडीज़ और कोविड-19 संक्रमण के लिये सेरा (रक्त का एक हिस्सा) नमूनों का परीक्षण किया गया।
    - IgG (इम्यूनोग्लोबुलिन G) एक प्रकार का एंटीबॉडी है जो संक्रमण होने के लगभग दो सप्ताह में COVID-19 रोगियों में विकसित होता है और ठीक होने के बाद भी रक्त में मौजूद रहता है।
    - एलिसा (एंजाइम-लिंक्ड इम्युनोसॉरबेंट एसे) एक परीक्षण है जो रक्त में एंटीबॉडी का पता लगाता है, उनकी माप करता है।

68. डाइक्लोरोडाइफेनिलट्राईक्लोरोएथेन (DDT) के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. इसे स्टॉकहोम कन्वेंशन के तहत कृषि उपयोग के लिये प्रतिबंधित किया गया था।
2. इसका उपयोग मलेरिया के संक्रमण को कम करने में एक प्रभावी रसायन के रूप में किया जाता है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

a. केवल 1
b. केवल 2
c. 1 और 2 दोनों
d. न तो 1 और न ही 2

उत्तर: (c)

व्याख्या:

डाइक्लोरोडाइफेनिलट्राईक्लोरोएथेन (DDT)

- मूल रूप से एक कीटनाशक के रूप में विकसित DDT अपने पर्यावरणीय प्रभावों के लिये चर्चा में रहता है।
- स्थायी कार्बनिक प्रदूषकों पर स्टॉकहोम कन्वेंशन (Stockholm Convention on Persistent Organic Pollutants) के तहत कृषि में DDT के उपयोग को प्रतिबंधित किया गया है। **अतः कथन 1 सही है।**
- हालाँकि रोग वेक्टर नियंत्रण में इसका सीमित उपयोग अभी भी जारी है, क्योंकि

मलेरिया संक्रमण को कम करने में यह काफी प्रभावी है।

- विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) ने मलेरिया फैलाने वाले मच्छरों से निपटने के लिये DDT को एक प्रभावी रसायन (Indoor Residual Spraying-IRS) के रूप में मानते हुए इसके इस्तेमाल का सुझाव दिया है। ऐसे में इसका उपयोग ज़िम्बाब्वे, जांबिया, नामीबिया, मोज़ाम्बिक आदि दक्षिणी अफ्रीकी देशों द्वारा व्यापक रूप से किया जाता है। भारत में भी मलेरिया से निपटने के लिये DDT का इस्तेमाल व्यापक रूप से किया जाता है। **अतः कथन 2 सही है।**
- यह एक रंगहीन, स्वादहीन और लगभग गंधहीन क्रिस्टलीय रासायनिक यौगिक है।
- इसे पहली बार वर्ष 1874 में ऑस्ट्रिया के रसायनज्ञ ओथमार ज़ाइडलर (Othmar Zeidler) द्वारा संश्लेषित किया गया था।
- इसके कीटनाशक प्रभाव की खोज स्विस रसायनज्ञ पॉल हरमन मुलर ने वर्ष 1939 में की थी।
- वर्ष 1948 में इन्हें फिजियोलॉजी या मेडिसिन में नोबेल पुरस्कार से सम्मानित किया गया था।

69. 'मनोदर्पण पहल' के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. इसका उद्देश्य कोविड -19 महामारी के दौरान छात्रों को उनके मानसिक स्वास्थ्य और कल्याण के लिये मनो-सामाजिक सहायता प्रदान करना है।
2. इस पहल की शुरुआत स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा की गई है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

a. केवल 1
b. केवल 2
c. 1 और 2 दोनों
d. न तो 1 और न ही 2

उत्तर : (a)

व्याख्या:

- केंद्रीय मानव संसाधन विकास ने मंत्रालय ने COVID-19 के मद्देनज़र छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य एवं कल्याण हेतु मनोसामाजिक सहायता प्रदान करने के लिये केंद्रीय मानव संसाधन विकास मंत्रालय की मनोदर्पण (MANODARPAN) पहल शुरू की है। **अतः कथन 2 सही नहीं है।**
- आत्मनिर्भर भारत अभियान के तहत इस पहल का उद्देश्य छात्रों को उनके मानसिक स्वास्थ्य एवं कल्याण के लिये मनोसामाजिक सहायता प्रदान करना है। **अतः कथन 1 सही है।**
- इस पहल के एक भाग के रूप में मानव संसाधन विकास मंत्रालय के पोर्टल पर मनोदर्पण (MANODARPAN) का एक विशेष वेब पेज तथा मनोदर्पण पर एक हैंडबुक और एक राष्ट्रीय टोल-फ्री हेल्पलाइन नं. भी लॉन्च किया गया है।

70. ग्लोबल फंड के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. इस फंड की स्थापना महामारी के रूप में तपेदिक, एक्वायर्ड इम्यूनो-डिफिसिएंसी सिंड्रोम और मलेरिया को समाप्त करने के लिये की गई थी।
2. भारत ग्लोबल फंड के साथ केवल एक प्राप्तकर्त्ता के रूप में साझेदारी करता है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

a. केवल 1
b. केवल 2
c. 1 और 2 दोनों
d. न तो 1 और न ही 2

उत्तर : (a)

व्याख्या:

- एड्स, टीबी और मलेरिया हेतु वैश्विक फंड (Global Fund for AIDS, TB and Malaria- GFTAM) सार्वभौमिक स्वास्थ्य और इन तीनों बीमारियों की महामारियों से लड़ने हेतु एक समर्पित फंड है। इस वैश्विक फंड को 2 बिलियन अमेरिकी डॉलर की राशि के साथ वर्ष 2002 में बनाया गया था। **अतः कथन 1 सही है।**
- यह फंड सरकारों, नागरिक समाज, तकनीकी एजेंसियों, निजी क्षेत्र और बीमारियों से प्रभावित लोगों के मध्य एक साझेदारी है।
- भारत ने GFTAM के छठे पुनःपूर्ति चक्र (Replenishment Cycle) वर्ष 2020-22 के लिये 22 मिलियन अमेरिकी डॉलर के योगदान की घोषणा की है जो भारत द्वारा 5वें पुनःपूर्ति चक्र के दौरान दी गई राशि से से 10% अधिक है।
- भारत ग्लोबल फंड के छठे पुनःपूर्ति चक्र में योगदान करने वाला G20 और ब्रिक्स देशों में से पहला देश है।
- इस फंड के गठन के बाद से ही भारत एक प्राप्तकर्त्ता और एक दाता के रूप में निरंतर साझेदारी साझा करता है। **अतः कथन 2 सही नहीं है।**

71. प्रायः समाचारों में देखी जाने वाली मलीमथ समिति किससे संबंधित है?

a. आपराधिक न्याय प्रणाली में सुधार से।
b. कृषि उपज और विपणन समिति में सुधार से।
c. भारत में ग्रामीण बैंकिंग संरचना के पुनर्गठन से।
d. लघु उद्योगों के संबंध में नीतियाँ बनाने से।

उत्तर: (a)

व्याख्या:

- वर्ष 2000 में, सरकार ने सदियों पुरानी आपराधिक न्याय प्रणाली में सुधार पर सुझाव देने के लिये केरल और कर्नाटक के पूर्व मुख्य न्यायाधीश मलीमथ की अध्यक्षता में एक समिति का गठन किया था।
- दो वर्षों के बाद, न्यायमूर्ति मलीमथ समिति ने 158 सिफारिशों के साथ एक रिपोर्ट प्रस्तुत की। समिति की राय थी कि मौजूदा प्रणाली "अभियुक्तों के पक्ष में अधिक पाई गई और अपराध के पीड़ितों के लिये न्याय पर पर्याप्त ध्यान नहीं दिया गया।" **अतः विकल्प (a) सही है।**

72. 'बाल गंगाधर तिलक' के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. वह डेक्कन एजुकेशन सोसायटी के संस्थापक थे।
2. उन्होंने ऑल इंडिया होम रूल लीग की स्थापना की जिसका संचालन केवल महाराष्ट्र तक सीमित था।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

a. केवल 1
b. केवल 2
c. 1 और 2 दोनों
d. न तो 1 और न ही 2

उत्तर: (a)

व्याख्या:

- बाल गंगाधर तिलक डेक्कन एजुकेशन सोसाइटी के संस्थापक (1884) थे, इसके संस्थापक सदस्यों में गोपाल गणेश अगरकर और अन्य भी शामिल थे। वह डेक्कन एजुकेशन सोसाइटी के माध्यम से पुणे में फर्ग्यूसन कॉलेज (1885) के संस्थापकों में भी शामिल थे। **अतः कथन 1 सही है।**

भारतीय स्वतंत्रता संग्राम तिलक का योगदान:

- लोकमान्य तिलक पूर्ण स्वतंत्रता या स्वराज्य (स्व-शासन) के सबसे प्रारंभिक एवं सबसे मुखर प्रस्तावकों में से एक है।
- लाला लाजपत राय तथा बिपिन चंद्र पाल के साथ ये लाल-बाल-पाल की तिकड़ी (गरम दल/उग्रपंथी दल) का हिस्सा थे।
- एक अंग्रेज़ी पत्रकार वेलेंटाइन चिरोल द्वारा लिखित पुस्तक 'इंडियन अनरेस्ट' में तिलक को 'भारतीय अशांति का जनक' कहा गया है।
- लोकमान्य तिलक, वर्ष 1890 में भारतीय राष्ट्रीय कॉन्ग्रेस (Indian National Congress-INC) में शामिल हुए।
- इन्होंने स्वदेशी आंदोलन का प्रचार किया तथा लोगों को विदेशी वस्तुओं के बहिष्कार के लिये प्रोत्साहित किया।
- तिलक ने अप्रैल 1916 में बेलगाम में अखिल भारतीय होम रूल लीग (All India Home Rule League) की स्थापना की।
    - इसका कार्य क्षेत्र महाराष्ट्र (बॉम्बे को छोड़कर), मध्य प्रांत, कर्नाटक और बरार था। **अतः कथन 2 सही नहीं है।**
- राष्ट्रवादी संघर्ष में हिंदु-मुस्लिम एकता के लिये भारतीय राष्ट्रीय कॉन्ग्रेस के प्रतिनिधित्व के तौर पर तिलक तथा अखिल भारतीय मुस्लिम लीग की तरफ से मोहम्मद अली जिन्ना ने लखनऊ पैक्ट (Lucknow Pact, 1916) पर हस्ताक्षर किये।
- इन्होंने मराठी भाषा में केसरी तथा अंग्रेज़ी भाषा में मराठा नामक समाचार पत्रों का प्रकाशन किया तथा वेदों पर 'गीता रहस्य' और 'आर्कटिक होम' नामक पुस्तकें लिखीं।

73. गवर्नमेंट ई-मार्केटप्लेस (GeM) पोर्टल के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:
    1. यह कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय के तहत संचालित है।
    2. यह रिवर्स ई-नीलामी की सुविधाएँ प्रदान करता है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

a. केवल 1
b. केवल 2
c. 1 और 2 दोनों
d. न तो 1 और न ही 2

उत्तर: (b)

व्याख्या:

- GeM या गवर्नमेंट ई-मार्केटप्लेस एक ऑनलाइन मार्केट प्लेटफॉर्म है जिसकी शुरुआत वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय (Ministry of Commerce and Industry) के तहत वर्ष 2016 में की गई थी। यह आपूर्ति और निपटान महानिदेशालय (Directorate General of Supplies and Disposals-DGS&D), वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय के तहत कार्य करता है। **अतः कथन 1 सही नहीं है।**
- मंत्रालयों और केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र उद्यमों (CPSEs) द्वारा GeM पर उपलब्ध वस्तुओं और सेवाओं की खरीद अनिवार्य है।
- यह सरकारी उपयोगकर्त्ताओं को उनके धन का सर्वोत्तम मूल्य प्राप्त करने की सुविधा प्रदान करने के लिये ई-नीलामी और रिवर्स ई-नीलामी की सुविधा भी प्रदान करता है। **अतः कथन 2 सही है।**

74. जन प्रतिनिधित्व अधिनियम (RPA), 1950 के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. यह हाउस ऑफ पीपल और राज्यों की विधानसभाओं तथा विधानपरिषदों में सीटों के आवंटन का प्रावधान करता है।
2. यह दो वर्ष या उससे अधिक की सज़ा वाले व्यक्ति को चुनाव लड़ने से अयोग्य घोषित करता है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

a. केवल 1
b. केवल 2
c. 1 और 2 दोनों
d. न तो 1 और न ही 2

उत्तर : (a)

व्याख्या: जन प्रतिनिधित्व अधिनियम (RPA), 1950

इसका अधिनियमन हाउस ऑफ पीपल (लोकसभा) के साथ-साथ राज्यों की विधानसभाओं तथा विधान परिषदों में सीटों के आवंटन के उद्देश्य से किया गया है। **अतः कथन 1 सही है।**

- यह उन विधियों का भी उल्लेख करता है जिनका उपयोग कर सीटें भरी जाएँगी।
- इस अधिनियम में मतदाता सूची के निर्माण, ऐसी सूची पत्रों का मुद्रा काल तथा विशेष मामलों में सूची पत्रों के पुनरीक्षण का भी प्रावधान किया गया है।
- जन प्रतिनिधित्व अधिनियम , 1951 (न कि RPA 1950) की धारा 8 ऐसे व्यक्ति को चुनाव लड़ने के लिये अयोग्य घोषित करती है जिसे 2 वर्ष या उससे अधिक समय की सज़ा दी गई हो। लेकिन ऐसे व्यक्ति जिन पर केवल मुक़दमा चल रहा है दोष सिद्ध नहीं हुआ है, चुनाव लड़ने के लिये योग्य हैं। **अतः कथन 2 सही नहीं है।**
- पीपल्स (आरपी) अधिनियम, 1951 (RPA- 1950 नहीं) के प्रतिनिधि की धारा 8 में दोषी व्यक्ति को दो साल की सजा या अधिक से अधिक चुनाव लड़ने से अयोग्य घोषित किया जाता है। लेकिन परीक्षण के तहत वे लोग चुनाव लड़ने के योग्य बने रहे।

75. चंद्र शेखर आज़ाद के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. उन्होंने हिंदुस्तान सोशलिस्ट रिपब्लिकन एसोसिएशन (HSRA) की स्थापना की।
2. HSRA के घोषणापत्र का शीर्षक 'द रिवोल्यूशनरी' था।
3. चंद्र शेखर आज़ाद को श्रद्धांजलि देने के लिये पूरे भारत में शहीद दिवस मनाया जाता है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

a. केवल 1
b. केवल 2 और 3
c. केवल 1 और 2
d. 1, 2 और 3

उत्तर: (c)

व्याख्या:

- वर्ष 1922 में गांधी द्वारा असहयोग आंदोलन स्थगित करने के बाद, चंद्र शेखर आज़ाद हिंदुस्तान रिपब्लिकन एसोसिएशन (HRA) में शामिल हो गए। HRA को बाद में हिंदुस्तान सोशलिस्ट रिपब्लिकन आर्मी (HSRA) के रूप में पुनर्गठित किया गया था।
    - HSRA की स्थापना वर्ष 1928 में नई दिल्ली के फिरोज शाह कोटला में चंद्र शेखर आज़ाद, अशफ़ाकुल्लाह ख़ाँ, भगत सिंह, सुखदेव थापर और जोगेश चंद्र चटर्जी द्वारा की गई थी। **अतः कथन 1 सही है।**
- HSRA का घोषणापत्र 'द रिवोल्यूशनरी' वर्ष 1925 के काकोरी षड्यंत्र मामले में साक्ष्य के रूप में प्रस्तुत किया गया था। **अतः कथन 2 सही है।**
- काकोरी षड्यंत्र केस (ट्रेन डकैती) को चंद्र शेखर आज़ाद, राम प्रसाद बिस्मिल,

अशफ़ाकुल्लाह ख़ाँ, राजेंद्र लाहिड़ी और मन्मथनाथ गुप्ता ने अंजाम दिया था।

- स्वतंत्रता सेनानियों-भगत सिंह, सुखदेव थापर और शिवराम राजगुरु को श्रद्धांजलि देने के लिये प्रत्येक वर्ष 23 मार्च को शहीद दिवस के रूप में मनाया जाता है। **अतः कथन 3 सही नहीं है।**

76. राष्ट्रीय बायोफार्मा मिशन के विषय में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:
    1. मिशन को जैव प्रौद्योगिकी उद्योग अनुसंधान सहायता परिषद (BIRAC) द्वारा कार्यान्वित किया जा रहा है।
    2. इस मिशन के तहत इनोवेशन इन इंडिया (i3) कार्यक्रम शुरू किया गया है ताकि बायोफार्मा सेक्टर में स्वदेशी विनिर्माण को बढ़ावा दिया जा सके।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

a. केवल 1
b. केवल 2
c. 1 और 2 दोनों
d. न तो 1 और न ही 2

उत्तर: (c)

व्याख्या:

- NBM देश के बायोफार्मास्यूटिकल क्षेत्र के विकास हेतु एक उद्योग-अकादमिक सहयोग मिशन (Industry-Academia Collaborative Mission) है।
- इस मिशन का कार्यान्वयन जैव प्रौद्योगिकी उद्योग अनुसंधान सहायता परिषद (Biotechnology Industry Research Assistance Council-BIRAC) द्वारा किया जाता है।
    - BIRAC एक 'प्रोग्राम मैनेजमेंट यूनिट (Program Management Unit-PMU)' के माध्यम से इस मिशन का संचालन करती है। **अतः कथन 1 सही है।**
- इस मिशन के तहत सरकार ने बायोफार्मास्यूटिकल क्षेत्र में उद्यमिता और स्वदेशी विनिर्माण को बढ़ावा देने हेतु एक सक्षम तंत्र बनाने के लिये नवाचार-3 (i3) कार्यक्रम प्रारंभ किया है। **अतः कथन 2 सही है।**
- मिशन की गतिविधियों का निरीक्षण जैव प्रौद्योगिकी विभाग (Department of Biotechnology-DBT) के सचिव की अध्यक्षता वाली अंतर-मंत्रालय संचालन समिति द्वारा किया जाता है।
- मिशन के उद्देश्य देश में नैदानिक परीक्षण क्षमता को मज़बूत करनेऔर प्रौद्योगिकी हस्तांतरण क्षमताओं का निर्माण करने के अलावा टीकों, चिकित्सा उपकरणों, डायग्नोस्टिक्स और बायोथेरेप्यूटिक्स का विकास करना है।

77. ग्रामीण स्थानीय निकायों (RLB) के वित्त पोषण के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:
    1. वित्त आयोग की सिफारिशों के आधार पर RLB को केंद्र सरकार से अनुदान प्राप्त होता है।
    2. केंद्र सरकार से प्राप्त मूल अनुदान का उपयोग RLB द्वारा स्थान-विशेष की आवश्यकताओं के लिये किया जा सकता है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

a. केवल 1
b. केवल 2
c. 1 और 2 दोनों
d. न तो 1 और न ही 2

उत्तर: (c)

व्याख्या:

- संविधान के अनुच्छेद 280 के अनुसार, केंद्र सरकार से पंचायतों (ग्रामीण स्थानीय निकायों- RLBs) को दिया जाने वाला अनुदान केंद्रीय वित्त आयोग की

सिफारिशों पर आधारित होता है। **अतः कथन 1 सही है।**

- हाल ही में केंद्रीय वित्त मंत्रालय ने 15वें वित्त आयोग की अनुशंसा के आधार पर 28 राज्यों के 2.63 लाख ग्रामीण स्थानीय निकायों को 15187.50 करोड़ रुपए की किस्त जारी की है।
- पंचायती राज मंत्रालय तथा पेयजल और स्वच्छता विभाग (जल शक्ति मंत्रालय) की सिफारिश पर वित्त मंत्रालय द्वारा यह अनुदान राशि जारी की गई है।
- वित्त आयोग ने वित्त वर्ष 2020-21 की अवधि के लिये ग्रामीण स्थानीय निकायों के अनुदान का कुल आकार 60,750 करोड़ रुपए तय किया है जो वित्त आयोग द्वारा किसी एक वर्ष में किया गया सबसे अधिक आवंटन है।
- अनुदान का 50% बेसिक ग्रांट होगा और 50% बद्ध अनुदान होगा।
    - **बेसिक अनुदान (Basic Grant):** बेसिक अनुदान अबद्ध हैं और वेतन या अन्य स्थापना व्यय को छोड़कर, स्थान-विशिष्ट आवश्यकताओं के अनुरूप RLBs द्वारा उपयोग में लाए जा सकते हैं। **अतः कथन 2 सही है।**
    - **बद्ध अनुदान (Tied Grants):** बद्ध अनुदान का उपयोग निम्न मूल सेवाओं के लिये किया जाना है:
        - स्वच्छता और ODFs स्थिति का अनुरक्षण।
        - पेयजल, वर्षा-जल संचयन और जल पुनर्चक्रण की आपूर्ति।
- RLB, जहाँ तक संभव हो सके, इन दो महत्त्वपूर्ण सेवाओं में से प्रत्येक के लिये इन बद्ध अनुदानों में से एक को चिन्हित करेगा।
- हालाँकि यदि किसी RLBs ने एक श्रेणी की आवश्यकताओं को पूरी तरह से संतृप्त कर दिया है तो वह अन्य श्रेणी के लिये धन का उपयोग कर सकता है।

78. सतत् विकास लक्ष्यों (SDG) की दूसरी स्वैच्छिक राष्ट्रीय समीक्षा के विषय में निम्नलिखित कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?
    1. सतत् विकास लक्ष्यों (SDG) की स्वैच्छिक राष्ट्रीय समीक्षा नीति अयोग द्वारा प्रस्तुत की जाती है।
    2. पिछले दशक में लगभग 271 मिलियन लोगों को बहुआयामी गरीबी से बाहर निकाला गया।
    3. गरीबी संबंधित प्रस्तुत अनुमान वैश्विक बहुआयामी गरीबी सूचकांक -2019 (MPI) के आधार पर व्यक्त किया गया है।

नीचे दिये गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिये:

(a) केवल 1 और 2
(b) केवल 2 और 3
(c) केवल 1 और 3
(d) 1, 2 और 3

उत्तर : (d)

व्याख्या: हाल ही में नीति आयोग ने सतत् विकास, 2020 को लेकर डिजिटल माध्यम से आयोजित संयुक्त राष्ट्र उच्च स्तरीय राजनीतिक मंच (United Nations High-level Political Forum-HLPF) पर दूसरी स्वैच्छिक राष्ट्रीय समीक्षा (Voluntary National Review-VNR) जारी की है। **अतः कथन 1 सही है।**

- इस रिपोर्ट का शीर्षक **'Decade of Action: Taking SDGs from Global to Local' है।**

- रिपोर्ट के अनुसार, वर्ष 2005-06 और 2016-17 के बीच कम-से-कम 271 मिलियन लोगों को बहुआयामी गरीबी से बाहर निकाला गया। **अतः कथन 2 सही है।**
- रिपोर्ट में प्रस्तुत गरीबी संबंधी अनुमान वैश्विक बहुआयामी गरीबी सूचकांक-2019 (MPI-2019) के आधार पर तैयार किये गए थे। **अतः कथन 3 सही है।**

  वैश्विक MPI के अनुसार, वर्ष 2005-2006 में पूरे भारत में 640 मिलियन से अधिक लोग बहुआयामी गरीबी में थे। वर्ष 2016-2017 तक गरीबी में रहने वाले लोगों की संख्या घटकर 369.55 मिलियन हो गई।
  - अनुमान के मुताबिक वर्ष 2016-17 में भारत की 27.9 फीसदी आबादी गरीब थी।
  - शहरी क्षेत्रों की तुलना में ग्रामीण क्षेत्रों में तेज़ी से गरीबी में कमी आई है।
- बहुआयामी गरीबी सूचकांक को 'संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम' (UNDP) और 'ऑक्सफोर्ड गरीबी एवं मानव विकास पहल' (OPHI) द्वारा विकसित किया जाताहै।

79. परिसीमन आयोग के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:
    1. इसे भारत के राष्ट्रपति द्वारा नियुक्त किया जाता है और यह भारत निर्वाचन आयोग के सहयोग से काम करता है।
    2. यह लोकसभा, राज्य विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों और शहरी स्थानीय निकाय निर्वाचन क्षेत्रों को पुनः परिभाषित करता है।
    3. यह वन वोट वन वैल्यू के सिद्धांत पर काम करता है।

    उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?
    a. केवल 1
    b. केवल 2 और 3
    c. केवल 1 और 3
    d. 1, 2, 3

    उत्तर: (c)

    व्याख्या: परिसीमन आयोग को भारत के राष्ट्रपति द्वारा नियुक्त किया जाता है और यह भारत निर्वाचन आयोग के सहयोग से काम करता है। **अतः कथन 1 सही है।**

    सामन्यतः परिसीमन आयोग की अध्यक्षता सर्वोच्च न्यायालय के एक सेवानिवृत्त न्यायाधीश द्वारा की जाती है। इसके साथ ही इस आयोग में मुख्य निर्वाचन आयुक्त और संबंधित राज्य के निर्वाचन आयुक्त भी शामिल होते हैं।

    परिसीमन आयोग को सीमा आयोग (Boundary Commission) के नाम से भी जाना जाता है। प्रत्येक जनगणना के बाद भारत की संसद द्वारा संविधान के अनुच्छेद-82 के तहत एक परिसीमन अधिनियम लागू किया जाता है।
    - हालाँकि, शहरी स्थानीय निकायों के लिये ऐसा कोई आयोग नहीं है। **अतः कथन 2 सही नहीं है।**
    - यह सीमाओं को फिर से परिभाषित करता है और सभी निर्वाचन क्षेत्रों की आबादी को लगभग बराबर करने के लिये निर्वाचन क्षेत्रों की संख्या निर्धारित करता है। इस प्रकार यह वन वोट वन वैल्यू के सिद्धांत पर काम करता है। **अतः कथन 3 सही है।**

80. 'निष्ठा कार्यक्रम' के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:
    1. इसकी शुरुआत देश में उच्च माध्यमिक स्तर पर सीखने के परिणामों को बेहतर बनाने के लिये की गई है।
    2. यह एकीकृत शिक्षक प्रशिक्षण के माध्यम से स्कूली शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार हेतु एक क्षमता निर्माण कार्यक्रम है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

a. केवल 1
b. केवल 2
c. 1 और 2 दोनों
d. न तो 1 और न ही 2

उत्तर: (b)

व्याख्या:

- हाल ही में, आंध्र प्रदेश राज्य में पहली बार ऑनलाइन मोड में 'नेशनल इनिशिएटिव फॉर स्कूल हेड्स एंड टीचर्स होलीस्टिक एडवांसमेंट' अर्थात् निष्ठा (National Initiative for School Heads and Teachers Holistic Advancement-NISHTHA) कार्यक्रम शुरू किया गया है।
- प्रारंभ में, NISHTHA कार्यक्रम देश में **प्रारंभिक स्तर पर** सीखने के परिणामों को बेहतर बनाने के लिये वर्ष 2019 में फेस-टू-फेस मोड में शुरू किया गया था। **अतः कथन 1 सही नहीं है।**
- कोविड-19 महामारी और लॉकडाउन की स्थिति ने फेस-टू-फेस मोड में इस कार्यक्रम के संचालन को प्रभावित किया है। इसलिये NISHTHA को डिजिटल इन्फ्रास्ट्रक्चर फॉर नॉलेज शेयरिंग (DIKSHA) और निष्ठा पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन मोड हेतु अनुकूलित किया गया है।
- 'नेशनल इनिशिएटिव फॉर स्कूल हेड्स एंड टीचर्स होलीस्टिक एडवांसमेंट'/ NISHTHA एकीकृत शिक्षक प्रशिक्षण के माध्यम से स्कूली शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार हेतु एक क्षमता निर्माण कार्यक्रम है। **अतः कथन 2 सही है।**
- इसका उद्देश्य प्रारंभिक स्तर पर सभी शिक्षकों और स्कूल प्राध्यापकों के बीच दक्षता का निर्माण करना है।

81. 'PASSEX' के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. यह अंडमान और निकोबार द्वीप समूह के निकट आयोजित होने वाला एक वार्षिक नौसैनिक अभ्यास है।
2. यह एक त्रिपक्षीय अभ्यास है जिसमें संयुक्त राज्य अमेरिका, जापान और भारत शामिल हैं।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

a. केवल 1
b. केवल 2
c. 1 और 2 दोनों
d. न तो 1 और न ही 2

उत्तर: (d)

व्याख्या:

- हाल ही में भारतीय नौसेना के जहाज़ों ने अंडमान और निकोबार द्वीप समूह के पास अमेरिकी नौसेना के 'USS निमित्ज कैरियर स्ट्राइक ग्रुप' के साथ एक मार्ग अभ्यास (PASSEX) का आयोजन किया।
  - जब भी अवसर मिलता है, पूर्व नियोजित समुद्री ड्रिल के विपरीत, एक PASSEX अभ्यास का आयोजन किया जाता है। **अतः कथन 1 सही नहीं है।**
  - चार फ्रंटलाइन भारतीय नौसैनिक जहाज़ों में INS शिवालिक, INS सह्याद्री, INS कामोर्ता और INS राणा शामिल थे, जिन्होंने अभ्यास का संचालन करने के लिये 'कैरियर USS निमित्ज' और तीन अन्य अमेरिकी जहाज़ों के साथ मिलकर काम किया।
  - USS निमित्ज अमेरिकी नौसेना का सबसे बड़ा विमान वाहक है।

- इससे पहले भारतीय नौसेना ने जापानी नौसेना और फ्राँसीसी नौसेना के साथ एक ऐसे ही PASSEX का संचालन किया था। यह एक त्रिपक्षीय अभ्यास नहीं है। **अतः कथन 2 सही नहीं है।**

82. 'प्रत्यक्ष मुद्रीकरण' के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:
    1. भारतीय रिज़र्व बैंक प्रत्यक्ष रुप बॉण्ड या प्रतिभूतियों के बदले केंद्र सरकार के राजस्व घाटे को कम घाटे के लिये धन देता है।
    2. सरकारी बॉण्ड भारतीय रिज़र्व बैंक के लिये एक देयता है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

a. केवल 1
b. केवल 2
c. 1 और 2 दोनों
d. न तो 1 और न ही 2

उत्तर: (a)

व्याख्या:

- प्रत्यक्ष मुद्रीकरण में सरकार रिजर्व बैंक से नई प्रतिभूतियों (जो सरकार RBI को देती है) के बदले नई मुद्रा छापने के लिये कहती है।
    - इसका सीधा तात्पर्य यह है कि भारतीय रिज़र्व बैंक प्रत्यक्ष रुप बॉण्ड या प्रतिभूतियों के बदले केंद्र सरकार के राजस्व घाटे को कम घाटे के लिये धन देता है। **अतः कथन 1 सही है।**
    - यह "अप्रत्यक्ष" मुद्रीकरण से अलग है जो आरबीआई तब करता है जब वह ओपन मार्केट ऑपरेशंस (OMO) का संचालन करता है और/या द्वितीयक बाज़ार में बॉण्ड खरीदता है।
- नई मुद्रा की छपाई, जो कि RBI के लिये देनदारी है (क्योंकि, प्रत्येक मुद्रा नोट में RBI के गवर्नर को निर्धारित राशि का भुगतान करने का वादा किया जाता है) के बदले, उसे सरकारी बॉण्ड मिलते हैं।
    - सरकारी बॉण्ड या प्रतिभूतियाँ RBI के लिये एक परिसंपत्ति हैं क्योंकि ऐसे बॉण्ड निर्दिष्ट तिथि पर निर्दिष्ट राशि का भुगतान करने के लिये सरकार के वादे को पूरा करते हैं। **अतः कथन 2 सही नहीं है।**

83. 'उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम, 2019' के विषय में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:
    1. यह एक केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण की परिकल्पना करता है जिसका उद्देश्य उपभोक्ताओं के अधिकारों को बढ़ावा देना, उनकी रक्षा करना और उन्हें लागू करना है।
    2. उपभोक्ता संरक्षण (ई-कॉमर्स) नियम, 2020 की प्रकृति सलाहकारी हैं।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

a. केवल 1
b. केवल 2
c. 1 और 2 दोनों
d. न तो 1 और न ही 2

उत्तर: (a)

व्याख्या:

- 20 जुलाई, 2020 को नया उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम, 2019 को लागू किया गया जो उपभोक्ताओं को सशक्त करने के साथ उन्हें इसके विभिन्न अधिसूचित नियमों और प्रावधानों के माध्यम से उनके अधिकारों की रक्षा करने में मदद करेगा। **अतः कथन 1 सही है।**
- नया अधिनियम पुराने उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम, 1986 की तुलना में तीव्रता से और कम समय में कार्यों का निपटान

करेगा। पुराना अधिनियम न्याय हेतु सिंगल-प्वाइंट पहुँच के कारण ज्यादा समय लेता था।

- केंद्र सरकार उपभोक्ताओं के अधिकारों को बढ़ावा देने, संरक्षण और उन्हें लागू करने के लिये केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण (Central Consumer Protection Authority- CCPA) का गठन करेगी।
    - यह अथॉरिटी उपभोक्ता अधिकारों के उल्लंघन, अनुचित व्यापार और भ्रामक विज्ञापनों से संबंधित मामलों को विनियमित करेगी।
    - महानिदेशक की अध्यक्षता में CCPA की एक अन्वेषण शाखा (इन्वेस्टिगेशन विंग) होगी, जो ऐसे उल्लंघनों की जाँच या इन्वेस्टिगेशन कर सकती है।
- अब, उपभोक्ता संरक्षण (ई-कॉमर्स) नियम, 2020 अनिवार्य हैं सलाहकारी नहीं। **अतः कथन 2 सही नहीं है।**
    - ये नियम ई-कॉमर्स कंपनियों को अनुचित मूल्य के माध्यम से अनुचित लाभ प्राप्त करने के उद्देश्य से किये जाने वाले वस्तु या सेवाओं की कीमत में हेरफेर करने से भी रोकते हैं।

84. भारत में 'पोस्टल बैलट सिस्टम' के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:
    1. मतदाताओं को इलेक्ट्रॉनिक रूप से मतपत्र वितरित किये जाते हैं और डाक के माध्यम से ये मतपत्र चुनाव अधिकारियों को लौटाए जाते हैं।
    2. अब तक केवल सर्विस वोटर्स को ही डाक मतपत्र के माध्यम से वोट डालने की अनुमति है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

a. केवल 1
b. केवल 2
c. 1 और 2 दोनों
d. न तो 1 और न ही 2

उत्तर: (a)

व्याख्या:

पोस्टल बैलट सिस्टम

- मतपत्रों को इलेक्ट्रॉनिक रूप से मतदाताओं को वितरित किया जाता है और चुनाव अधिकारियों को डाक के माध्यम से लौटा दिया जाता है। अतः कथन 1 सही है।
- वर्तमान में, निम्नलिखित मतदाताओं को डाक मतपत्र के माध्यम से अपना वोट डालने की अनुमति है:
    - सर्विस वोटर (सशस्त्र बल, एक राज्य के सशस्त्र पुलिस बल और विदेश में तैनात सरकारी कर्मचारी)।
    - चुनाव ड्यूटी पर लगे मतदाता।
    - 80 वर्ष से अधिक आयु के मतदाता या दिव्यांग व्यक्ति (PwD)।
    - निवारक निरोध के अधीन मतदाता।

अतः कथन 2 सही नहीं है।

85. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:
    1. राष्ट्रीय वित्तीय रिपोर्टिंग प्राधिकरण (NFRA) एक वैधानिक निकाय है।
    2. NFRA लेखांकन मानकों के प्रवर्तन के लिये एक स्वतंत्र नियामक है।
    3. NFRA सभी सूचीबद्ध कंपनियों और असूचीबद्ध सार्वजनिक कंपनियों की जाँच कर सकता है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

a. केवल 1
b. केवल 2
c. केवल 1 और 2

d. 1, 2 और 3

Ans.(b)

व्याख्या: राष्ट्रीय वित्तीय रिपोर्टिंग प्राधिकरण (NFRA) का गठन कंपनी अधिनियम, 2013 (Companies Act, 2013) की धारा 132 के उप खंड (1) के तहत भारत सरकार द्वारा 01 अक्तूबर, 2018 को किया गया था। **अतः कथन 1 सही नहीं है।**

- NFRA की स्थापना लेखा-परीक्षा मानकों को लागू करने, लेखा-परीक्षा की गुणवत्ता व लेखा-परीक्षा फर्मों की स्वतंत्रता को सुदृढ़ बनाने तथा कंपनियों की वित्तीय स्थिति के प्रकटीकरण में निवेशकों व सार्वजनिक तंत्र का विश्वास बढ़ाने के लिये की गई है।
- इसका उद्देश्य कंपनी अधिनियम, 2013 में किये गए संशोधनों के बाद लेखा-परीक्षा के कार्य के लिये एक स्वतंत्र विनियामक के रूप में कार्य करना है। **अतः कथन 2 सही है।**
- यह कॉर्पोरेट निकाय या व्यक्तियों के निर्धारित वर्ग के लिये भारतीय चार्टर्ड अकाउंटेंट संस्थान (ICAI) के सदस्यों द्वारा किये गए पेशेवर कदाचार की भी जाँच कर सकता है।
- यह उन सूचीबद्ध कंपनियों और ऐसी गैर-सूचीबद्ध कंपनियों की जाँच कर सकता है, जिनकी गत वित्त वर्ष में भुगतान पूंजी कम-से-कम 500 करोड़ रुपए हो अथवा वार्षिक टर्नओवर 1000 करोड़ रुपए से अधिक हो। **अतः कथन 3 सही नहीं है।**

86. 'मधुबनी चित्रकला' के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. कला का यह रूप केवल बिहार के मिथिला क्षेत्र में प्रचलित है।
2. चित्रित विषयवस्तु और डिज़ाइन में केवल धार्मिक विश्वासों को ही प्रमुखता से प्रदर्शित किया जाता है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

a. केवल 1
b. केवल 2
c. 1 और 2 दोनों
d. न तो 1 और न ही 2

उत्तर: (d)

व्याख्या:

- मधुबनी चित्रकला सबसे पुरानी और सबसे प्रसिद्ध भारतीय कला रूपों में से एक है। इसे मिथिला या मधुबनी कला के रूप में भी जाना जाता है। यह बिहार और नेपाल में प्रचलित है। **अतः कथन 1 सही नहीं है।**
- मधुबनी कला के साक्ष्य भारतीय महाकाव्य रामायण में भी देखे जा सकते हैं। यह उन विषयों पर आधारित है जो कृष्ण, राम, लक्ष्मी, शिव, दुर्गा, और सरस्वती जैसे हिंदू देवताओं के जीवन को चित्रित करते हैं।
- व्यापक रूप से चित्रित विषयों में कृष्ण, राम, शिव, दुर्गा, लक्ष्मी, सरस्वती, सूर्य और चंद्रमा, तुलसी का पौधा, राज-दरबार के दृश्य, शादी के दृश्य, सामाजिक घटनाएँ आदि शामिल हैं।
    - इसके अलावा, सूर्य और चंद्रमा जैसे दिव्य पिंड अक्सर मधुबनी चित्रों का केंद्र बिंदु होतेते हैं। **अतः कथन 2 सही नहीं है।**
    - इस पेंटिंग की शैली में ज्यामितीय पैटर्न शामिल हैं। मधुबनी चित्रों में प्रयुक्त रंगों में पौधों और अन्य प्राकृतिक स्रोतों से प्राकृतिक अर्क शामिल हैं। जैसे: काले रंग को गोबर के साथ कालिख मिलाकर; नीले रंग से

नील से; सफ़ेद रंग चावल के पाउडर और नारंगी रंग पलाश के फूलों प्राप्त किया जाता है।

- चित्रकला की इस शैली का अभ्यास पारंपरिक रूप से क्षेत्र की महिलाओं द्वारा किया गया है, लेकिन वर्तमान समय में इसकी मांग को पूरा करने के लिये पुरुष भी इस कार्य में शामिल हैं।

87. परमाणु रिएक्टर की 'क्रांतिकता' के संबंध में, निम्नलिखित कथनों में से कौन-सा सही है?

a. यह एक ऐसी स्थिति है जहाँ परमाणु ईंधन की अधिकतम सीमा समाप्त हो जाती है।
b. यह ऐसी स्थिति है जिसमें रिएक्टर के अंदर परमाणु ईंधन में पहली बार नियंत्रित स्व-संधारित विखंडन श्रृंखला अभिक्रिया शुरू होती है।
c. यह परमाणु दुर्घटना की एक स्थिति है जो वायुमंडल में घातक विकिरण के लिये उत्तरदायी होती है।
d. यह अवस्था विशेष रूप से एक परमाणु हथियार अनियंत्रित प्रतिक्रिया के लिये उत्तरदायीहै।

उत्तर: (b)

व्याख्या:

- परमाणु ऊर्जा संयत्र की क्रांतिकता से आशय संयंत्र में पहली बार नियंत्रित स्व-संधारित नाभिकीय विखंडन (Controlled Self-sustaining Nuclear Fission) श्रृंखला की शुरुआत से है।
- हाल ही में गुजरात के काकरापार परमाणु ऊर्जा परियोजना से जुड़े वैज्ञानिकों ने इस संयत्र की तीसरी इकाई [Kakrapar Atomic Power Project (KAPP-3)] में पहली बार क्रांतिकता (Criticality) प्राप्त की है।

अतः विकल्प (b) सही है।

88. हालोआर्चिआ (Haloarchaea) जिसके कारण हाल ही में लोनार झील के जल का रंग गुलाबी हो गया था, किसका एक प्रकार है?

a. जीवाणु
b. कवक
c. काई
d. फ़र्न

उत्तर: (a)

व्याख्या:

- पुणे स्थित 'आगरकर अनुसंधान संस्थान' (Agharkar Research Institute) द्वारा की गई जाँच में पाया गया है कि महाराष्ट्र के बुलढाणा ज़िले में लोनार झील (Lonar Lake) के पानी का रंग हालोआर्चिआ (Haloarchaea) नामक सूक्ष्म जीवों की उपस्थिति के कारण गुलाबी हो गया है।
- 'हालोआर्चिया' या 'हालोफिलिक आर्चिया' एक ऐसा जीवाणु होता है जो गुलाबी रंग पैदा करता है और खारे पानी में पाया जाता है। अतः
- वैज्ञानिकों का मानना है कि वर्षा की अनुपस्थिति, कम मानवीय हस्तक्षेप और उच्च तापमान के परिणामस्वरूप जल का वाष्पीकरण हुआ जिससे लोनार झील (Lonar Lake) की लवणता एवं पीएच (PH) में वृद्धि हुई।
- लवणता एवं पीएच (PH) की वृद्धि ने हेलोफिलिक जीवाणुओं के विकास के लिये अनुकूल परिस्थितियाँ उत्पन्न की।

अतः विकल्प (a) सही है।

89. इंडियन बुलफ्रॉग के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. यह एक आक्रामक प्रजाति है।
2. IUCN की रेड लिस्ट में इसे गंभीर रूप से संकटग्रस्त के रूप में सूचीबद्ध किया गया है।

3. यह भारतीय वन्यजीव अधिनियम 1972 के तहत संरक्षित है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

a. केवल 1
b. केवल 2 और 3
c. केवल 1 और 3
d. 1, 2 और 3

उत्तर : (c)

व्याख्या: 'इंडियन बुलफ्रॉग' का वैज्ञानिक नाम 'होप्लाबत्राचुस टाइगरीनस' (Hoplobatrachus Tigerinus) है। यह एक आक्रामक प्रजाति है। **अतः कथन 1 सही है।**

- इसे आमतौर पर बुलफ्रॉग (Bullfrog), गोल्डन फ्रॉग (Golden Frog), टाइगर फ्रॉग (Tiger Frog) आदि नामों से भी जाना जाता है।
- इसे IUCN की रेड लिस्ट में कम चिंतनीय (Least Concern) की श्रेणी में सूचीबद्ध किया गया है। **अतः कथन 2 सही नहीं है।**
- यह अफगानिस्तान, बांग्लादेश, भारत, म्यांमार, नेपाल, पाकिस्तान की देशज प्रजाति है।
- इसे भारतीय वन्यजीव अधिनियम, 1972 (Indian Wildlife Act, 1972) अनुसूची-IV में सूचीबद्ध किया गया है। अर्थात् इस प्रजाति के विलुप्त होने का खतरा नहीं है किंतु इसके शिकार करने पर जुर्माना लगाया जाता है। **अतः कथन 3 सही है।**
- 'इंडियन बुलफ्रॉग' में मादाओं को आकर्षित करने के लिये मानसून के दौरान रंग बदलने की क्षमता होती है।
- 'इंडियन बुलफ्रॉग' आमतौर पर चमकीले पीले रंग के नहीं होते हैं किंतु नर प्रजनन के दौरान रंग बदल सकते हैं।
- मानसून काल के दौरान जब इनका प्रजनन काल शुरू होता है तो ये बुलफ्रॉग अपने रंग को हल्के हरे रंग से बदलकर पीला कर लेते हैं।

90. 'डिब्रू-सैखोवा नेशनल पार्क' के संबंध में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. डिब्रू-सैखोवा एक राष्ट्रीय उद्यान और बायोस्फीयर रिज़र्व है।
2. यह भारत का सबसे बड़ा दलदला जंगल है।
3. यह एक महत्त्वपूर्ण पक्षी क्षेत्र (IBA) है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

a. केवल 1
b. केवल 1 और 3
c. केवल 2 और 3
d. 1, 2 और 3

उत्तर: (b)

व्याख्या: डिब्रू-सैखोवा नेशनल पार्क

- डिब्रू-सैखोवा असम में ब्रह्मपुत्र नदी के दक्षिणी तट पर स्थित एक राष्ट्रीय उद्यान और बायोस्फीयर रिज़र्व है। **अतः कथन 1 सही है।**
- ब्रह्मपुत्र के बाढ़ मैदान में स्थित डिब्रू-सैखोवा वन्यजीवों की कई अत्यंत दुर्लभ और लुप्तप्राय प्रजातियों के लिये एक सुरक्षित आश्रय है।
- डिब्रू-सैखोवा में अर्द्ध-सदाबहार, पर्णपाती , दलदलीय/स्वॉम्प वनों के अलावा आर्द्र सदाबहार वनों के कुछ पैच (लघु वन क्षेत्र) पाए जाते हैं। यह उत्तर भारत का सबसे बड़ा दलदला जंगल है। (भारत का सबसे बड़ा सबसे बड़ा दलदला जंगल सुंदरबन है) **अतः कथन 2 सही नहीं है।**
- इसे 'महत्त्वपूर्ण पक्षी क्षेत्र' (Important Bird Area- IBA) के रूप में पहचान प्राप्त है। यहाँ 382 से अधिक पक्षी की प्रजातियाँ जिनमें ग्रेटर एडजुटेंट स्टॉर्क, लेसर एडजुटेंट स्टॉर्क, ग्रेटर क्रेस्टेड

ग्रीब आदि शामिल हैं। **अतः कथन 3 सही है।**

- यहाँ टाइगर, छोटे भारतीय सिवेट, गंगा डॉल्फिन, स्लो लोरिस, रीसस मैकाक, होलॉक गिब्बन, जंगली सुअर जैसे वन्यजीव पाए जाते हैं।

91. कछुआ जीवन रक्षा गठबंधन के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:
    1. इसका उद्देश्य विशेष रूप से एशियाई कछुओं के संकट को संबोधित करना है।
    2. भारत, इस गठबंधन का सदस्य है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

a. केवल 1
b. केवल 2
c. 1 और 2 दोनों
d. न तो 1 और न ही 2

उत्तर: (b)

व्याख्या:

- कछुआ जीवन रक्षा गठबंधन/टर्टल सर्वाइवल एलायंस (TSA) का गठन वर्ष 2001 में ताज़े जल के कछुओं के स्थायी बंदी प्रबंधन (Captive Mmanagement) के लिये अंतर्राष्ट्रीय प्रकृति संरक्षण संघ (IUCN) की साझेदारी के रूप में किया गया था। **अतः कथन 1 सही नहीं है।**
- हालाँकि इसका गठन एशियाई कछुआ संकट के मद्देनज़र किया गया था। एशियाई कछुआ संकट चीनी बाज़ारों में अवैध तरीके से निरंतर कछुआ आपूर्ति से संबंधित है।
- इसका मिशन 21वीं सदी में 'कछुओं की शून्य विलुप्तता' का लक्ष्य प्राप्त करना है।
- भारत टर्टल सर्वाइवल एलायंस (TSA) का एक सदस्य है। **अतः कथन 2 सही है।**
- इंडियन टर्टल कंज़र्वेशन एक्शन नेटवर्क' (ITCAN) ने 'टर्टल सर्वाइवल अलायंस-इंडिया' (TSAI) और 'वाइल्डलाइफ कंज़र्वेशन सोसाइटी-इंडिया' के सहयोग से कूर्मा (KURMA) नामक एक मोबाइल-आधारित एप्लिकेशन विकसित किया है।

92. इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण क्लस्टर (EMC) योजना के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:
    1. यह योजना वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय द्वारा शुरू की गई है।
    2. यह योजना केवल ग्रीनफील्ड EMC की स्थापना के लिये सहायता प्रदान करती है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

a. केवल 1
b. केवल 2
c. 1 और 2 दोनों
d. न तो 1 और न ही 2

उत्तर : (d)

व्याख्या:

- इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण के लिये अपेक्षित बुनियादी ढाँचा पारिस्थितिकी तंत्र का निर्माण करने के उद्देश्य से भारत सरकार के इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने वर्ष 2012 में इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण क्लस्टर (EMC) योजना की शुरुआत की थी। **अतः कथन 1 सही नहीं है।**
- यह योजना देश भर में ग्रीनफील्ड और ब्राउनफील्ड EMC दोनों की स्थापना के लिये अनुदान सहायता प्रदान करती है। **अतः कथन 2 सही नहीं है।**
    - ग्रीनफील्ड इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण समूहों में परियोजनाओं के लिये परियोजना लागत के 50% की सीमा तक सहायता प्रदान की जाती है लेकिन 100 एकड़

ज़मीन के लिये अधिकतम सीमा 50 करोड़ रुपए है।
    - ब्राउनफील्ड EMCs के लिये परियोजना लागत का 75% अनुदान सहायता प्रदान की जाती है यह सहायता 50 करोड़ रुपए की अधिकतम सीमा के अधीन है।

93. वित्तीय स्थिरता रिपोर्ट (FSR) के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:
    1. यह रिपोर्ट RBI द्वारा प्रतिवर्ष प्रकाशित की जाती है।
    2. यह तनाव परीक्षणों के माध्यम से वित्तीय क्षेत्र के लचीलेपन का आकलन करती है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

a. केवल 1
b. केवल 2
c. 1 और 2 दोनों
d. न तो 1 और न ही 2

उत्तर: (b)

व्याख्या:

- वित्तीय स्थिरता रिपोर्ट (FSR) भारतीय रिज़र्व बैंक का एक अर्द्धवार्षिक प्रकाशन है जो भारत की वित्तीय प्रणाली की स्थिरता का समग्र मूल्यांकन प्रस्तुत करती है। **अतः कथन 1 सही नहीं है।**
- FSRs पर्यावरण, वित्तीय संस्थानों, बाज़ारों और बुनियादी ढाँचे पर असर पड़ने वाले जोखिमों की प्रकृति, परिमाण और प्रभाव की समीक्षा के लिये समय-समय पर अभ्यास करते हैं।
- FSR वित्तीय स्थिरता के लिये जोखिम, साथ ही वित्तीय प्रणाली के लचीलेपन पर वित्तीय स्थिरता और विकास परिषद (Financial Stability and Development Council-FSDC) की उप-समिति के समग्र आकलन को दर्शाती है।
- यह रिपोर्ट वित्तीय क्षेत्र के विकास और विनियमन से संबंधित मुद्दों पर भी चर्चा करती है।
- यह रिपोर्ट तनाव परीक्षणों के माध्यम से वित्तीय क्षेत्र के लचीलेपन का आकलन करती है। **अतः कथन 2 सही है।**

94. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:
    1. सदन का एक निर्वाचित सदस्य स्वेच्छा से उस राजनीतिक दल की सदस्यता छोड़ देता है, जिसके टिकट पर वह निर्वाचित होता है।
    2. जारी किये गए व्हिप के विपरीत मतदानकरना अथवा मतदान में भाग न लेना।
    3. एक निर्वाचित सदस्य किसी अन्य पार्टी के साथ पार्टी के निर्वाचित सदस्यों के एक तिहाई के विलय के परिणामस्वरूप अपनी पार्टी से बाहर चला जाता है।

उपर्युक्त में से कौन-सा/से दसवीं अनुसूची के अंतर्गत 'अयोग्य' घोषित करने के लिये आवश्यक शर्तें है?

a. केवल 1
b. केवल 1 और 2
c. केवल 2 और 3
d. 1, 2 और 3

उत्तर : (b)

व्याख्या:

- 52वें संविधान संशोधन अधिनियम, 1985 द्वारा भारतीय संविधान में एक नई अनूसूची जोड़ी गई तथा दल परिवर्तन के आधार पर निरर्हता के बारे में प्रावधान किया गया। इस अधिनियम को सामान्यतः 'दल-बदल कानून' कहा जाता है। इसके अनुसार, किसी सदन का सदस्य जो किसी राजनितिक दल का

सदस्य है, उस सदन की सदन की सदस्यता के निरर्हक माना जाएगा यदि:

- वह स्वेच्छा से ऐसे राजनैतिक दल की सदस्यता छोड़ देता है। **अतः कथन 1 सही है।**
- यदि वह उस सदन में अपने राजनीतिक दल के निर्देशों के विपरीत मत देता है या मतदान में अनुपस्थित रहता है तथा राजनीतिक दल से उसने 15 दिनों के भीतर क्षमादान न पाया हो। **अतः कथन 2 सही है।**
- प्रारंभ में इस कानून के अनुसार अध्यक्ष का निर्णय अंतिम होता था तथा इस पर किसी न्यायालय में प्रश्न नहीं उठाया जा सकता था। लेकिन किहोतो होलोहन मामले (1993) में सर्वोच्च न्यायालय ने यह उपबंध इस आधार पर असंवैधानिक घोषित कर दिया गया कि यह सर्वोच्च न्यायालय तथा उच्च न्यायालय के अधिकार क्षेत्र से बाहर जाने का प्रयत्न है।
- 91वें संविधान संशोधन अधिनियम, 2003 द्वारा 10वीं अनुसूची के उपबंधों में एक परिवर्तन किया गया। इसने प्रावधान किया कि एक दल के दूसरे दल में विलय के मामले में दल-बदल के आधार पर अयोग्यता नहीं मानी जाएगी।
    - हालाँकि ऐसा विलय तब हुआ हो जब दल के दो-तिहाई सदस्य इस तरह के विलय के लिये सहमत हों। **अतः कथन 3 सही है नहीं है।**

95. 'पंचायत एंटरप्राइज सूट (PES)' के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. यह कुछ कोर कॉमन एप्लिकेशन का एक सूट है जो पंचायतों के कामकाज के लगभग पूरे स्पेक्ट्रम को अभिलक्षित करता है।
2. 'ऑडिटऑनलाइन' PES के तहत विकसित किये गए एप्लिकेशनों में से एक है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

a. केवल 1
b. केवल 2
c. 1 और 2 दोनों
d. न तो 1 और न ही 2

उत्तर: (c)

व्याख्या:

- पंचायती राज मंत्रालय ने देश भर के पंचायती राज्य संस्थानों में ई-गवर्नेंस को शुरू करने तथा मज़बूत करने के उद्देश्य से ई-गवर्नेंस पहल को प्रभावी रूप से अपनाने के लिये पंचायती राज्य संस्थानों से संबंधित क्षमता निर्माण हेतु MMP शुरू किया था।
- ई-पंचायत के तहत 11 कोर कॉमन एप तैयार किये गये थे, जो पंचायतों के पूरे कामकाज को जैसे- नियोजन, निगरानी, बजट, लेखा, सामाजिक लेखा परीक्षा आदि से लेकर नागरिक सेवा वितरण संचालन जैसे- प्रमाण पत्र, लाइसेंस आदि को अभिलक्षित करते हैं। इन 11 सॉफ्टवेयर एप को मिलाकर पंचायत इंटरप्राइजेज सूट का निर्माण होता है। **अतः कथन 1 सही है।**
- 'ऑडिटऑनलाइन' पंचायती राज मंत्रालय द्वारा शुरू किये गए ई-पंचायत मिशन मोड प्रोजेक्ट (MMP) के तहत पंचायत इंटरप्राइजेज़ सूट (Panchayat Enterprise Suite- PES) में भाग के रूप में विकसित एक ओपन सोर्स ऐप है। **अतः कथन 2 सही है।**
    - यह लेखा परीक्षकों द्वारा पंचायतों के तीनों स्तरों पर ज़िला, ब्लॉक और ग्राम पंचायत शहरी स्थानीय निकायों (Urban

Local Bodies- ULB) तथा विभागों में खातों की वित्तीय ऑडिट की सुविधा प्रदान करता है।

- यह न केवल खातों की ऑनलाइन और ऑफलाइन ऑडिट की सुविधा प्रदान करता है बल्कि ऑडिट टीम में शामिल किये गए सभी लेखा परीक्षकों से संबंधित सूची का पिछले रिकॉर्ड को बनाए रखने के उद्देश्य से भी कार्य करता है।
- इसके अलावा यह सूचना सार्वजनिक डोमेन और अन्य अनुप्रयोगों द्वारा उपयोग करने के लिये भी उपलब्ध रहती है।

96. भारत में भूकंपीय क्षेत्रों के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. भारतीय मानक ब्यूरो के अनुसार भारत में पाँच भूकंपीय क्षेत्र हैं।
2. भूकंपीय क्षेत्र V भूकंप की दृष्टि से सर्वाधिक सक्रिय क्षेत्र हैं।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

a. केवल 1
b. केवल 2
c. 1 और 2 दोनों
d. न तो 1 और न ही 2

उत्तर : (b)

व्याख्या: भूकंपीयता से संबंधित वैज्ञानिक जानकारी, अतीत में आए भूकंप तथा विवर्तनिक व्यवस्था के आधार भारत को चार 'भूकंपीय ज़ोनों' में (II, III, IV और V) वर्गीकृत किया गया हैं। **अतः कथन 1 सही नहीं है।**

- उल्लेखनीय है कि पूर्व में भूकंप क्षेत्रों को, उनकी गंभीरता के आधार पर पाँच ज़ोनों में विभाजित किया गया था, लेकिन 'भारतीय मानक ब्यूरो' (Bureau of Indian Standards- BIS) ने प्रथम 2 ज़ोनों का एकीकरण करके देश को चार भूकंपीय ज़ोनों में बाँटा गया है।
  - BIS भूकंपीय खतरे के नक्शे (Hazard Maps) और कोड प्रकाशित करने के लिये आधिकारिक एजेंसी है।
- ज़ोन II को भूकंप की दृष्टि से कम सक्रिय माना जाता है, जबकि ज़ोन V को सबसे अधिक सक्रिय माना जाता है। ज़ोन IV और V क्रमशः "गंभीर" से "बहुत गंभीर" श्रेणियों में आते हैं। **अतः कथन 2 सही है।**
- ज़ोन IV और V में पड़ने वाले शहर हैं - दिल्ली, पटना, श्रीनगर (जम्मू-कश्मीर), कोहिमा (नागालैंड), पुदुचेरी, गुवाहाटी, गंगटोक, शिमला, देहरादून, इम्फाल (मणिपुर) और चंडीगढ़ ।
- ज़ोन V में संपूर्ण पूर्वोत्तर क्षेत्र, जम्मू और कश्मीर के कुछ हिस्से, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, गुजरात का कच्छ का रन क्षेत्र , उत्तर बिहार के कुछ हिस्से एवं अंडमान और निकोबार द्वीप-समूह शामिल हैं।
- जम्मू-कश्मीर, दिल्ली, सिक्किम, उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल, गुजरात और महाराष्ट्र के कुछ हिस्से भी ज़ोन IV में आते हैं।

97. ट्युटिंग-टिडिंग सुतर ज़ोन (TTSZ) के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. इस क्षेत्र में हिमालय दक्षिण की ओर एक तीव्र मोड़ बनाता हुआ इंडो-बर्मा श्रेणी से जुड़ता है।
2. यह क्षेत्र दो अलग-अलग गहराईयों पर हल्के भूकंप उत्पन्न कर रहा है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

a. केवल 1
b. केवल 2

c. 1 और 2 दोनों
d. न तो 1 और न ही 2

उत्तर: (a)

व्याख्या:

- ट्यूटिंग-टिडिंग सेचर ज़ोन (TTSZ) पूर्वी हिमालय का एक प्रमुख हिस्सा है जहाँ हिमालय अक्षसंघीय मोड़ (Syntaxial Bend) अर्थात् हेयरपिन मोड़ बनाता हुआ दक्षिण की तरफ इंडो-बर्मा श्रेणी से जुड़ जाता है। **अतः कथन 1 सही है।**
- भारत पूर्वोत्तर राज्यों में अवसंरचनात्मक विकास कार्यों जैसे सड़कों और पनबिजली परियोजनाओं के निर्माण पर जोर दे रहा है, अत: इस क्षेत्र में भूकंपीयता के पैटर्न को समझने की आवश्यकता है।
- 'वाडिया इंस्टीट्यूट ऑफ हिमालयन जियोलॉजी' (WIHG) द्वारा भारत के सबसे पूर्वी हिस्से में अरुणाचल हिमालय (Arunachal Himalaya) के चट्टानों की लोचशीलता और भूकंपीयता के अध्ययन से पता चला है कि यह क्षेत्र दो अलग-अलग गहराई पर मध्यम तीव्रता के भूकंप उत्पन्न कर रहा है। **अतः कथन 2 सही नहीं है।**
    - अरुणाचल हिमालय को भूकंपीय ज़ोन-V में रखा गया है, इस प्रकार यह भूकंप के लिये सबसे अधिक संवेदनशील क्षेत्रों में से एक है।

98. निम्नलिखित में से किन देशों में अध्यक्षात्मक शासन प्रणाली पाई जाती है?

1. संयुक्त राज्य अमरीका
2. दक्षिण कोरिया
3. कनाडा
4. अफगानिस्तान

नीचे दिये गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिये:

a. केवल 1, 2 और 4
b. केवल 1, 2 और 3
c. केवल 2, 3 और 4
d. 1, 2, 3 और 4

उत्तर: (a)

व्याख्या: अध्यक्षात्मक शासन प्रणाली:

अध्यक्षात्मक शासन प्रणाली में प्रायः राज्य का प्रमुख (राष्ट्राध्यक्ष) सरकार (कार्यपालिका) का भी अध्यक्ष होता है। उदाहरण के लिये- संयुक्त राज्य अमेरिका, दक्षिण कोरिया, अफगानिस्तान। (कनाडा में संसदीय लोकतंत्र है) **अतः विकल्प (a) सही है।**

99. न्यायालय की अवमानना के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. सिविल अवमानना भारत में अपराध नहीं है।
2. सर्वोच्च न्यायालय के पास देश के सभी न्यायालयों की अवमानना के मामले में दंडित करने की शक्ति है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

a. केवल 1
b. केवल 2
c. 1 और 2 दोनों
d. न तो 1 और न ही 2

उत्तर: (b)

व्याख्या: न्यायिक अवमानना अधिनियम, 1971 (Contempt of Court Act, 1971) के अनुसार, न्यायालय की अवमानना का अर्थ किसी न्यायालय की गरिमा तथा उसके अधिकारों के प्रति अनादर प्रदर्शित करना है। न्यायिक आदेशों की अवहेलना करना, उनका पालन न सुनिश्चित करना इत्यादि न्यायिक अवमानना के दायरे में आता है। न्यायालय का अवमानना अधिनियम, 1971 के अनुसार, न्यायालय की अवमानना नागरिक (सिविल) तथा आपराधिक दो प्रकार की होती है। **अतः कथन 1 सही नहीं है।**

- **नागरिक अवमानना:** न्यायालय के किसी भी निर्णय, डिक्री, निर्देश, आदेश, रिट अथवा अन्य किसी प्रक्रिया या किसी न्यायालय को दिये गए उपकरण के उल्लंघन के प्रति अवज्ञा को नागरिक अवमानना कहते हैं।
- **आपराधिक अवमानना:** यह किसी भी मामले का प्रकाशन है या किसी अन्य कार्य को करना है जो किसी भी न्यायालय के अधिकार का हनन या उसका न्यूनीकरण करता है, या किसी भी न्यायिक कार्यवाही में हस्तक्षेप करता है, या किसी अन्य तरीके से न्याय के प्रशासन में बाधा डालता है।

- सर्वोच्च न्यायालय के पास अवमानना पर दंडित करने का अधिकार है। दंड देने की यह शक्ति न केवल सर्वोच्च न्यायालय में निहित है, बल्कि ऐसा ही अधिकार उच्च न्यायालयों , अधीनस्थ न्यायालयों और पंचाटों को भी प्राप्त है। **अतः कथन 2 सही है।**

100. 'विशेष अवकाश याचिका (SLP)' के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. यह निचली अदालतों में पारित आदेश के खिलाफ अपील करने के लिये सर्वोच्च न्यायालय को विशेष अनुमति प्रदान करने की शक्ति देता है।
2. SLP दायर होने के बाद सर्वोच्च न्यायालय को मामले की सुनवाई करनी पड़ती है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

a. केवल 1
b. केवल 2
c. 1 और 2 दोनों
d. न तो 1 और न ही 2

उत्तर: (a)

व्याख्या:

- विशेष अवकाश याचिका (SLP) संविधान के अनुच्छेद 136 द्वारा भारत के सर्वोच्च न्यायालय को प्रदत्त एक शक्ति है। यह भारत के निचली अदालतों या न्यायाधिकरणों में से किसी में पारित एक आदेश के खिलाफ अपील करने के लिये सर्वोच्च न्यायालय द्वारा पीड़ित पक्ष को विशेष अनुमति या आज्ञा देने की शक्ति प्रदान करता है। **अतः कथन 1 सही है।**
- यह अपील नहीं बल्कि अपील के लिये दायर याचिका है। इसलिये SLP दायर किये जाने के बाद, सर्वोच्च न्यायालय इस मामले की सुनवाई कर सकता है और यदि इसे उचित प्रतीत होता है, तो वह अनुमति (लीव) प्रदान कर उस याचिका को अपील में बदल सकता है। इसके बाद SLP अपील बन जाएगी और न्यायालय इस मामले की सुनवाई कर फैसला सुनाएगा। **अतः कथन 2 सही नहीं है।**